RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 February 2019

▸▸अंक-8 (मासिक) ▸▸ वर्ष - 14 ▸▸ फरवरी 2019 ▸▸ मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

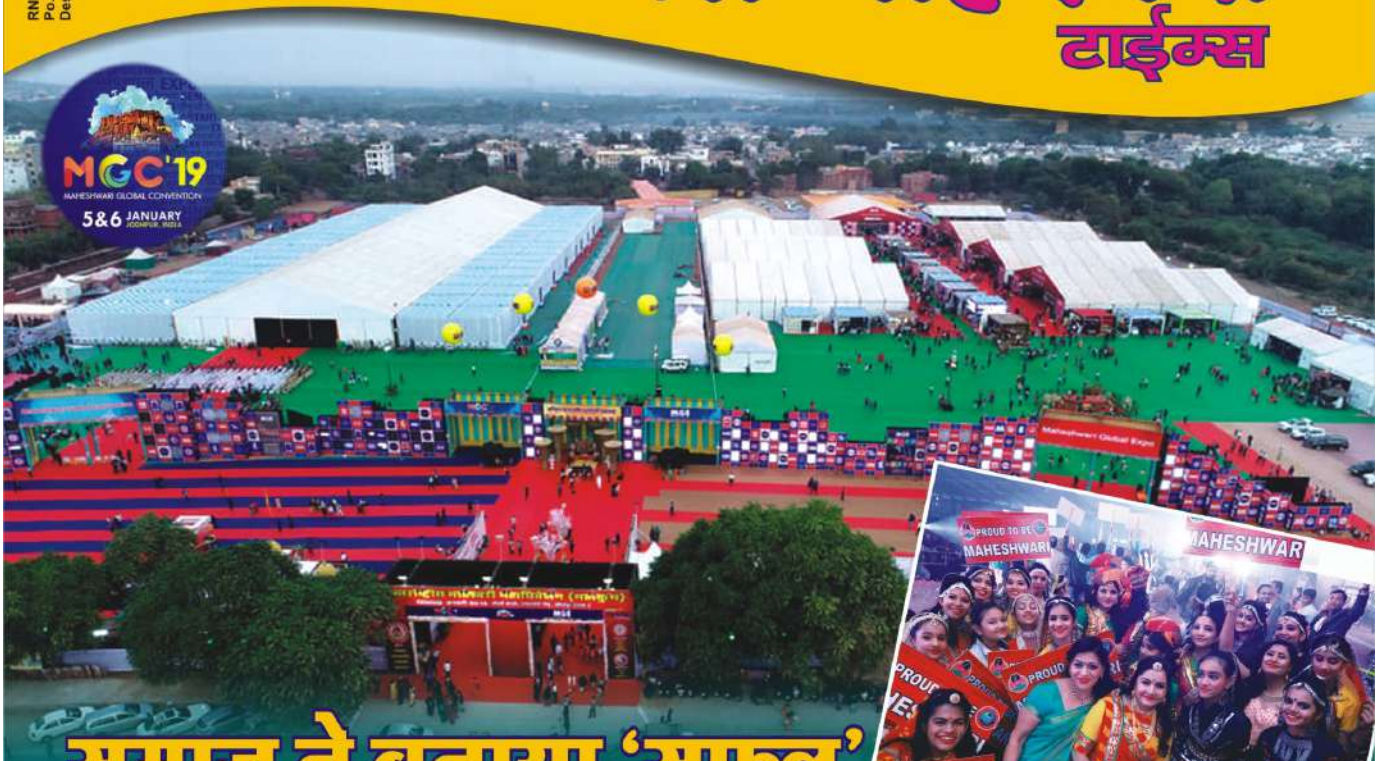

समाज ने बनाया 'सफल' अन्तर्राष्ट्रीय महाधिवेशन

माहेश्वरी समाज जयपुर के बने सिरमौर

प्रदीप बाहेती

सर्वोच्च व्यायालय के व्यायाधीश बने जस्टिस दिनेश माहेश्वरी

RR KĀBEL

MAKE THE RIGHT CHOICE FOR YOUR HOME

DO THE AKALMAND THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-8 ▸▸ फरवरी 2019 ▸▸ वर्ष-14

मारवाड़ की धरा पर हुआ अन्तर्राष्ट्रीय महाधिवेशन

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
बल्लभ चितलांगिया, जयपुर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
सांवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

... और निशान मिटा दिए

एक बार एक केकड़ा समुद्र किनारे अपनी मस्ती में चला जा रहा था और बीच बीच में रुक-रुक कर अपने पैरों के निशान देख कर खुश होता। आगे बढ़ता पैरों के निशान देखता, उससे बनी डिज़ाइन देखकर और खुश होता... इतने में एक लहर आयी और उसके पैरों के सब निशान मिट गये। इस पर केकड़े को बड़ा गुस्सा आया, उसने लहर से बोला, 'ए लहर मैं तो तुझे अपना मित्र मानता था, पर ये तूने क्या किया, मेरे बनाये सुंदर पैरों के निशानों को ही मिटा दिया। कैसी दोस्त हो तुम?' तब लहर बोली, 'वो देखो पीछे से मछुआरे लोग पैरों के निशान देखकर ही तो केकड़ों को पकड़ रहे हैं। हे मित्र! तुमको वो पकड़ न लें, बस इसीलिए मैंने निशान मिटा दिए!

सीख - सच यही है, कई बार हम सामने वाले की बातों को समझ नहीं पाते और अपनी सोच अनुसार उसे गलत समझ लेते हैं, जबकि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। अतः मन में बैर लाने से बेहतर है कि हम सोच समझ कर निष्कर्ष निकाले।

सम्पादकीय

सहयोग से सम्मान तक

राजस्थानी मेहमान नवाजी में अंतरराष्ट्रीय महाअधिवेशन की सफलता के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। समूचे समाज को एक मंच पर लाकर भविष्य के उन्नत और समृद्ध समाज की आकल्पना कर नई दिशा देने के लिए यह अधिवेशन स्मरणीय रहेगा। आयोजन में समाज को चिंतन के नए आयाम भी मिले। साथ में नई पीढ़ी को और आगे ले जाने पर मंथन भी किया गया। निश्चित तौर से यह अधिवेशन कई मायनों में मील का पत्थर भी साबित हुआ। अधिवेशन को हम दो नजरियों पर तौलना चाहेंगे, सहयोग और सम्मान। अधिवेशन के समाज से जुड़े चार फैसलों पर मंथन करना चाहिए, किराये के मकान से मुक्ति, कन्या जन्म पर उत्सव उच्च शिक्षा कौशल विकास और आर्थिक पिछड़ों की मदद। समाज के कमजोर तबके को सहयोग देकर मुख्य धारा तक लाकर सम्मान का जीवन देना, निश्चित ही यह समाज हित में लिया गया बड़ा फैसला है। समाज का हर व्यक्ति कहीं अपने आप को छोटा न समझें, ऐसी मानवीय सेवा के लिए साधुवाद दिया जाना चाहिए। अब मुद्दा यह है कि इसके लिए रोडमेप क्या है?

अधिवेशन में घोषणा कर देने से यह कल्पना साकार नहीं होने वाली। समाज के कर्णधारों को अब इसे धरातल पर लाने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम और कार्ययोजना दोनों बनाना चाहिए। समाज को सपना दिखाने भर से कुछ नहीं होना। इसके लिए जिला और नगर स्तर तक जाकर काम करना होगा। नई पीढ़ी को यदि हम शिक्षा, रोजगार के लिए जरूरी मदद और संसाधन दे पाएं तो भविष्य के समाज की तस्वीर और ज्यादा उज्जवल होगी। तालियां बंटोरने के लिए शाब्दिक मायाजाल बुनने की नहीं, हमें व्याहारिक पक्ष पर गौर करने की जरूरत है। समाज की जनसंख्या पर कपोल कल्पित चिंता के साथ "हम दो हमारे तीन" का नारा समाज को नये तरीके से प्रमाणित कर सकता है। लगता है इसके प्रभावों पर नारा देने वालों ने जरा भी चिंतन नहीं किया। जनसंख्या बढ़ाने की बजाए गुणवत्ता बढ़ाने की जरूरत ज्यादा है। हालांकि यह चिंता का विषय जरूर है कि समाज की जनसंख्या जिस तेजी से घट रही है, वहां हमें मंथन की जरूरत है। जनसंख्या का घनत्व कम न हो इसके लिए समाज यदि यह फैसला लेता है, तो भी गलत नहीं है।

उच्च शिक्षा, होस्टल और कौशल विकास केंद्रों की स्थापना के फैसले पर भी सवाल यही है कि अब तक इस दिशा में महासभा ने क्या किया? यदि अब तक कुछ नहीं हुआ है तो भविष्य में इसके लिए कुछ होगा, इस पर कैसे विश्वास किया जाए, जबकि इसकी कोई पुख्ता योजना भी नहीं रखी गई है। महाअधिवेशन पर सवाल उठाने वालों को आयोजकों ने भरपूर मौके दिए, खासकर राजनीतिक नजरिये से। इससे समाज की निश्छल निर्मल छवि को कहीं कोई चोट नहीं पहुंचे, इसके लिए अब आगामी आयोजनों के वक्त ध्यान रखे जाने की जरूरत है। समाज के प्रतिष्ठितजनों की उपेक्षा को भी इस जगह रेखांकित किया जा सकता है। पद्मश्री बंशीलाल राठी जैसे व्यक्तित्वों की गरिमा का ध्यान नहीं रखा जाना, समाज में चर्चा का विषय बना है, तो यह महासभा के लिए चिंता की बात है। समाज के कई मुद्दे चर्चा से अछूते रह गए, जिनमें समाज में बढ़ती अंतरजातीय विवाह की प्रवृत्ति भी एक विषय हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय महाधिवेशन को यदि संदेह में देखें तो यह मौज मजे का मेला वैचारिक रूप से कई विवादों का जन्म भी बन गया है। कई सवाल, जवाब की तलाश में हैं। महासभा को अब इसकी समीक्षा करना चाहिए ताकि इन त्रुटियों को दोहराने की नौबत न आए।

बधाई के दो मौके भी आए हैं। जयपुर माहेश्वरी समाज की बागडोर प्रदीप बाहेती के हाथ आना समाज के लिए नई सुबह के समान है। प्रदीप बाहेती समाज को नई दिशा देंगे, उन्हें हमारी दिली शुभकामनाएं। इधर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने दिनेश माहेश्वरी ने समाज को गौरवान्वित किया है। निश्चित तौर से समाज के लिए वे नए प्रेरणापुंज हैं। हालांकि उन्होंने हर समय समाज को प्रेरित ही किया है। इस अंक में समाज के अन्य व्यक्तियों से भी पाठक रूबरू होंगे। अन्य सभी स्थायी स्तंभों के साथ वैचारिक आलेख और पठनीय सामग्री के साथ यह अंक आपको समर्पित है। अपनी प्रतिक्रिया से, अवगत कराना न भूलें। जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

श्री बल्लभ चितलांगिया जयपुर के माहेश्वरी समाज ही नहीं बल्कि आम लोगों में भी जाना माना नाम है। वैसे तो आप एक सफल व्यवसायी हैं, लेकिन आपकी छवि प्रखर वक्ता व समर्पित समाजसेवी के रूप में है। आपका जन्म जयपुर के प्रतिष्ठित चितलांगिया परिवार में श्रीमती लक्ष्मीदेवी-श्रीरामनिवास चितलांगिया के सुपुत्र के रूप में हुआ था। श्री चितलांगिया की सेवाओं से सभी स्थानीय समाजजन अच्छी तरह परिचित हैं। आप राजस्थान के शीर्षस्थ औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठन फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री के संरक्षक हैं। इसके अतिरिक्त तरुण समाज जयपुर के संस्थापक उपाध्यक्ष, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जयपुर के संस्थापक शिक्षा सचिव व माहेश्वरी नवयुवक मंडल, जयपुर के अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। 55 वर्षों से कई संस्थाओं को आप अपनी सतत सेवा दे रहे हैं। आपका उद्देश्य समाज के प्रति समर्पण एवं निःस्वार्थ नेतृत्व देना है।

नेतृत्व वही जिसके लिये समाज सबसे महत्वपूर्ण

वर्तमान में माहेश्वरी समाज न सिर्फ देश के शीर्ष सफल समाज के रूप में सुशोभित है, बल्कि विश्व के कई देशों में स्थापित होकर भी अपनी गौरव पताका फहरा रहा है। समाज की इस कीर्ति व यश के पीछे इरादों के पक्के, अपने उद्देश्य व लक्ष्य के प्रति समर्पित समाज सेवा गतिविधियों में अप्रतीत क्षमता रखने वाले लोगों का त्याग व समर्पण जुड़ा हुआ है। आज भी जब समाज में किसी समस्या से निपटने के लिए समाधान और विचारों के टोटे चलते हैं हम आशंकाओं से घिरे होते हैं तब समर्पित व्यक्ति ही आशा की मशाल प्रज्जवलित करते हैं।

ऐसा उदाहरण माहेश्वरी समाज जयपुर के सत्र 2015-18 के चुनाव में भी देखने को मिला था। इसमें अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में होने के कारण समाज में बिखराव की स्थिति उत्पन्न होती दिखाई दे रहे थी और समाज चिंतकों को समरसता धूमिल होती नजर आ रही थी। इस स्थिति को खत्म करने के लिए श्री प्रदीप बाहेती ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अध्यक्ष पद की दावेदारी त्याग कर समाज को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए अनुकरणीय साहस दिखाया। वह स्वागत योग्य था। वास्तव में समाज सेवा यदि त्याग का नाम है तो इस उदाहरण में स्पष्ट परिलक्षित होती है।

वर्तमान में श्री माहेश्वरी समाज जयपुर संपूर्ण राष्ट्र में अपनी विशेषताओं के कारण आदर्श बना हुआ है। सुव्यवस्थित रूप से तमाम समाज संगठनों उच्च शिक्षण संस्थाओं व अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्कूलों एवं छात्रावास के साथ-साथ देश में अपनी अलग पहचान रखने वाले उत्सव व अभिनंदन भवनों के सफल संचालक के पीछे समाज की एकता की शक्ति ने सफलता के सौपान तय करवाए हैं। गत 40 वर्षों का इतिहास साक्षी है कि जयपुर समाज ने श्री बाहेती के नेतृत्व में जो उपलब्धियां अर्जित की हैं, वह भी समाज के स्वर्णिम पृष्ठ पर अंकित रहेगी। जयपुर माहेश्वरी समाज ने अध्यक्ष पद का नेतृत्व गत दिनों संपन्न चुनाव में श्री बाहेती को सौंपा है। इसके लिए वे तमाम शुभचिंतक, वरिष्ठ जन तथा कार्यकर्ता धन्यवाद के पात्र हैं, जिनके समर्पण व सेवा भावना ने यह सफलता अर्जित करवाई है।

अंत में मैं जोधपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महासम्मेलन के लिए इनकी व्यवस्था में लगे संगठनों व तमाम समर्पित कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। जिनके कारण समाज गौरवान्वित हुआ। साथ ही इस आयोजन में भी जो कमी रही हों, उसके लिए आत्मचिंतन करने का अनुरोध भी करता हूं, जिससे हम आगे और भी अच्छे से अच्छा कर सकें। इस सम्मेलन में माहेश्वरी महासभा के पदाधिकारियों ने समाज के पत्रकारों को दूर रखकर उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जो लोकतंत्र व श्रेष्ठ समाज के लिए सही निर्णय नहीं था। इसकी सभी तरह से नकारात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम के कवरेज का मीडिया के नजरिए और विश्लेषण से समाजबंधुओं को वंचित रखा गया, जिसका सभी को खेद है।

श्री बल्लभ चितलांगिया
अतिथि संपादक

With Best Compliments From

Rahul Somany
9849048000

Dharmendra Kalantri
9441330440

Somany Sanitation

Authorised Dealers for

- Somany Aquaware
- Somany Sanitaryware
- Somany C.P. Fittings
- Somany Vitrified & Ceramic Wall & Floor Tiles
- Digital Tiles, Complete Bathroom Fittings & Accessories
- Jaquar CP Fitting & All Product of Bathroom & Kitchen Accessories

PROUD BNI MEMBER

Sec-Bad Address -
5-4-78/1, Opp. Tvs Sundaram Motors,
M.G. Road, Ranigunj, Sec-Bad -500003
Ph. : 040-27545455, 66383940

Banjara Hills Add :
8-2-684/3/16
"Disha Banjara" Banjara Green Colony,
Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad

बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ब्रेड-ए
सच्चा साबू एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

CLASSIC

Granite & Ceramic
Quality Matters

Jugal Kakani
+91 90370 56468

Mukesh Kakani
+91 77362 05448

Deals in All Kind of Natural Stone
Granite, Marble, Ceramic
Vitrified Tiles, Epoxy Grout, Adhesives
and all kinds of flooring solutions

Kajaria MYK LATICRETE

Near Petrol Pump, Opp. Abad Fisheries N.H.66, Aroor, Alappuzha- 688534 classicgraniteceramic@gmail.com

श्री डायल माताजी

माहेश्वरी जाति की गिलड़ा खांप की कुलदेवी है।

माताजी का मंदिर राजस्थान के नागौर जिले से 60 किमी दूर नागौर-जोधपुर बस सेवा मार्ग के रास्ते में डारू गाँव पड़ता है जो कि खींवसर से मात्र 10 किमी दूरी पर स्थित है। डायल माताजी का मन्दिर अति प्राचीन है। इस तथ्य की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है कि माताजी का मन्दिर कितना प्राचीन हो सकता है। मन्दिर के सामने एक छोटा सा तालाब स्थित है जिसमें पानी कभी खत्म नहीं होता है।

कहते हैं कि यहाँ पर चर्म रोगी एवं बीमार व्यक्ति स्नान कर लेता है तो वह स्वस्थ हो जाता है। जोधपुर में गिलड़ा खांप के लगभग 300 परिवार स्थित है जो यहाँ पर आते-जाते रहते हैं। वर्तमान में शीघ्र ही मंदिर के जीर्णोद्धार की योजना चल रही है। अभी मात्र दो कमरे व एक बरामदा बनवाया गया है। यहाँ पर श्री भँवरसिंह चौहान पूजा-पाठ करते हैं। उनके अनुसार माताजी की मूर्ति अत्यंत प्राचीन एवं चमत्कारिक है। मन्दिर में दोनों समय आरती होती है। गिलड़ा खांप वाले परिवारों को पिछले वर्षों से ही इस मन्दिर की जानकारी मिली है।

कैसे पहुँचे- राजस्थान का जयपुर शहर देश के लगभग सभी शहरों से रेल एवं वायुमार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। ट्रेन या विमान द्वारा जयपुर पहुँचकर बस या स्वयं के वाहन द्वारा यहाँ पहुँचा जा सकता है।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

जयपुर माहेश्वरी समाज का नया नेतृत्व

प्रदीप बाहेती

बहुतप्रतिक्षित जयपुर माहेश्वरी समाज के चुनाव गत दिनों हुए। इसमें समाजसेवा के लिए दो समाजसेवियों में टक्कर थी। मतदान में कांटे की टक्कर के साथ आखिरकार समाज ने अपना जनादेश दे ही दिया। इसमें इस बार उन्होंने ख्यात समाजसेवी प्रदीप बाहेती को सेवा का अवसर दिया है।

▸▸ सी.एम. शारदा, जयपुर

माहेश्वरी समाज जयपुर के सत्र 2019-22 के बहुप्रतीक्षित त्रैवार्षिक चुनाव गत 13 जनवरी को सम्पन्न हुए। चुनाव में अध्यक्ष पद का ताज ख्यात समाजसेवी प्रदीप बाहेती को पहनाया गया। देश के सामाजिक संगठनों में एक अत्यधिक वृहद व गतिशील होने के कारण से सम्पूर्ण देश की नजर जयपुर समाज पर टिकी हुई थी। वर्तमान में जयपुर समाज कई सामाजिक संगठनों एवं महाविद्यालय एवं उच्चस्तरीय व श्रेष्ठ शिक्षण संस्थाओं के साथ हॉस्टल आदि का संचालन करता आ रहा है। जयपुर की शान 'उत्सव' व 'अभिनन्दन' एवं सामुदायिक भवनों के संचालन सहित समाज सामुहिक प्रयत्नों से अर्जित कई सम्पत्तियों का रखरखाव भी समाज कर रहा है।

सेवा के लिये सेवा के पुजारियों में टक्कर

अध्यक्ष पद के लिए समाज के दो समर्पित समाजसेवी पूर्व महासचिव (शिक्षा) प्रदीप बाहेती एवं वर्तमान उपाध्यक्ष सत्यनारायण काबरा (सुपारीवाला) की प्रमुख दावेदारी थी। इसमें मतदाताओं ने 487 अधिक मत देकर श्री बाहेती को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। इसमें श्री बाहेती को 8111 तथा सुपारीवाला को 7624 मत हासिल हुए। नवनिर्वाचित समाज अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी में आठ प्रमुख समाजसेवियों को शामिल किया हैं। इनमें मुरलीधर राठी, नथमल मालू, राधाबल्लभ अजमेरा, मनोज मूंदड़ा, लेखराज लद्ड़, हितेष चाण्डक, मनोज भूतड़ा के साथ अशोक पलोड़ सम्मिलित हैं।

चार झोन में हुआ मतदान

जयपुर समाज में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 22 हजार के लगभग मतदाता हैं। इसमें से 16039 (73.34 प्रतिशत) ने मतदान किया। मतदाताओं की सुविधा को देखते हुए सम्पूर्ण शहर को चार जोन में विभाजित कर चार स्थानों जिसमें जोन एक-माहेश्वरी बालिका विद्यालय, चौड़ा रास्ता, जोन दो-माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, विद्यानगर, जोन तीन-इंडो भारत इंटरनेशनल स्कूल, निर्माणनगर के साथ जोन चार का मतदान केंद्र माहेश्वरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिलकनगर पर बनाया गया था। इस प्रतिष्ठित चुनाव को निष्पक्ष, सफल व शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए छह सदस्यीय चुनाव सलाहकार समिति का गठन किया गया था। इसमें

एस.आर. शर्मा मुख्य चुनाव अधिकारी, किशनदास झंवर संयोजक, देवकीनंदन जाजू, घनश्यामदास मूंदड़ा व बिहारी साबू सदस्य मनोनीत किए गए थे।

गुटबंदी की सोच से परे रहते हैं श्री बाहेती

कोई भी समाज व्यक्तिगत आग्रहों, गुटबंदी या संकीर्ण राजनीति से ऊपर उठकर ही प्रगति कर सकता है। हमें समाज को शिखर पर लाना है, ताकि देश को शिखर पर ला सकें। यह कहना है ख्यात समाजसेवी और व्यवसायी तथा जयपुर समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप बाहेती का। उनका कहना है कि वही समाज खुशहाल रहता है, जिमसें आपसी सद्भाव व भाईचारा होता है। ऐसा समाज विकास के पथ पर निरंतर बढ़ता ही चला जाता है। उसे कोई रोक नहीं सकता। स्वभाव से बेहद विनम्र और मिलनसार श्री बाहेती का यह कथन मात्र कथन नहीं है, वे इस पर अमल भी करते हैं। उनकी विशेषता यह है कि वे हमेशा लोगों की सहायता को तत्पर रहते हैं। किसी दुखियारे के आंसू पोंछना वे अपना सौभाग्य मानते हैं।

संस्कारों के रूप में मिली समाजसेवा

प्रदीप बाहेती को यह गुण संस्कार के रूप में विरासत में मिले हैं। उनके पिता श्री आर.डी. बाहेती माहेश्वरी समाज के अग्रणण्य और प्रमुख व्यक्ति हैं। जरूरमंदों की मदद और विभिन्न संस्थाओं को दान देने में वे हमेशा आगे रहते हैं। सदा मुस्कुराते रहने वाले आर.डी. बाहेती इतने खुशमिजाज हैं कि उन्होंने सबको हंसाने के लिए देश में पहला लॉफिंग क्लब बना डाला। ऐसे सुसंस्कृत परिवार में जन्म लेने वाले श्री बाहेती ने सेवा को ही अपना ध्येय बना रखा है। उनका कहना है कि दूसरों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म होता है और वह यह मौका कभी छोड़ते नहीं। वह हमेशा सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म के सिद्धान्त का अनुसरण करते हैं उच्चशिक्षा प्राप्त श्री बाहेती के प्रभावशाली व्यक्तित्व, श्रेष्ठवक्ता, प्रशासनिक क्षमता, नेतृत्व क्षमता, समाज उपयोगी योजनाएं बनाने में दक्षता निपुणता एवं क्रियान्विती में दक्ष, राजनीतिक प्रभाव, समाज को आर्थिक सहायता देने में सक्षमता होने की हर कोई भूरि-भूरि प्रशंसा करता है।

पिता के बाद अब पुत्र को नेतृत्व

देशभर के सामाजिक संगठनों के इतिहास पर नजर डालें तो जयपुर माहेश्वरी समाज में बाहेती परिवार के पिता और पुत्र दोनों ही जयपुर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष पद पर आसीन हुए हैं। उल्लेखनीय है कि श्री बाहेती के पिता ख्यात समाजसेवी 'हास्य सम्राट' आर.डी. बाहेती वर्ष 1989 में माहेश्वरी समाज, जयपुर के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। अब उन्हीं के सुपुत्र प्रदीप बाहेती अध्यक्ष निर्वाचित हुए। यह अत्यंत सुखद संयोग ही कहा जा सकता है।

माहेश्वरी ऑफ द ईयर से सम्मानित

अपनी इसी सेवाभावना के कारण वह अनेक संस्थाओं की ओर से सम्मानित किए गए है। अनेक संस्थाओं की जिम्मेदारियां भी उन्होंने उठा रखी हैं। श्री बाहेती वर्ष 2014 में माहेश्वरी समाज के सर्वोच्च सम्मान 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर' से सम्मानित किए जा चुके हैं। 1976 से 1983 तक माहेश्वरी नवयुवक मंडल कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। बाद में वे इसके सचिव और अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने 1995 में अभा माहेश्वरी युवा संगठन (पश्चिमांचल) के उपाध्यक्ष के रूप में 'आपणो उत्सव' का आयोजन किया। यह आयोजन पूरी तरह सफल रहा।

कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई

इसके बाद सन 1999 से 2002 तक माहेश्वरी समाज जयपुर के संयुक्त शिक्षा मंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल के भवन निर्माण सचिव पद पर रहते हुए बहुत ही कम समय में भवन निर्माण का काम पूरा करवाया। उन्होंने मात्र ग्यारह माह में भवन निर्माण कार्य को अंजाम दिया। उनके इस कार्य की पूरे समाज ने प्रशंसा की। सन् 2002 से 2005 तक वह शिक्षा समिति और माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल की प्रबंध समिति के सदस्य रहें। इसके अलावा 2008 से 2011 तक दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज में प्रथम महासचिव (शिक्षा) पद पर रहे।

कई सौगात देने का श्रेय

श्री बाहेती की विशेषता यह है कि तमाम व्यस्तताओं के बावजूद सामाजिक कार्यों के लिए समय निकाल ही लेते हैं। उन्होंने प्रताप नगर जयपुर स्थित गर्ल्स कॉलेज के संस्थापक सचिव की जिम्मेदारी भी निभाई। बाहेती ने एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल तिलकनगर के भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया। उच्च व तकनीकी शिक्षा के लिए बगरु के कॉलेज हेतु सरकार से 22 हजार वर्गमीटर भूमि आंवटित करवाने में मुख्य भूमिका निभाई। वे जयपुर जेसीज और लियो क्लब के अध्यक्ष भी रहे। श्री बाहेती वन बंधुपरिषद (एकल विद्यालय) राजस्थान के संस्थापक सचिव हैं। जयपुर बैडमिंटन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाई है। वे जयपुर जिला पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। इतनी संस्थाओं से जुड़े रहने के बावजूद भी पूर्ण समर्पित भाव से काम करते हैं। वे युवा शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए विशेष रूप से प्रयत्नशील रहते हैं।

युवाओं से साथ आने की अपील

श्री बाहेती ने समाज के युवा वर्ग से अपील की है कि आज समाज को नए विचारों वाले युवा की जरूरत है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में प्रतिभाशाली व्यक्ति ही समाज का विकास करने में सहायक हो सकते हैं। माहेश्वरी समाज के युवा सामाजिक कार्यों में काफी आगे रहते हैं, लेकिन यह संख्या और बढ़नी चाहिए। ज्यादा-से-ज्यादा युवाओं को समाज की मुख्यधारा में आना चाहिए। हमें वक्त के साथ चलना चाहिए, तभी हम दुनिया में अपना अस्तित्व कायम रख पाएंगे। संचार तकनीक के कारण पूरा विश्व सिमट गया है। पाश्चात्य देशों के खान-पान, रहन-सहन, सभ्यता एवं संस्कृति का प्रभाव

समाज के युवक-युवतियों पर पड़ रहा है। परिवर्तन में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बिना परिवर्तन के विकास नहीं होता, पर इतना ध्यान रखा जाना चाहिए कि संस्कृति एवं संस्कारों के विपरीत कोई काम नहीं हो और हम अपनी जड़ों से दूर ना हों। समाज का प्रत्येक युवा संस्कारवान बने, तभी वह समाज में व्याप्त बुराइयों का विरोध कर सकता है।

सभी के स्वास्थ्य की चिंता

श्री बाहेती का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लक्ष्य डायग्नोस्टिक सेंटर की स्थापना करके आर्थिक आधार पर समाजबंधुओं को निःशुल्क जांच सुविधाएं उपलब्ध करवाना, हेल्थ क्लब की स्थापना करके नैचुरोपैथी, जिम व योगा आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराना, समाज के परिवारों का निःशुल्क ग्रुप मेडिकल बीमा करवाना, मल्टीस्पेशिलिटी अस्पताल निर्माण के प्रयास हेतु उचित व आवश्यक कदम उठाना तथा समाज बंधुओं को गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक आधार पर 1,00,000 रुपए तक की सहायता प्रदान करना।

शिक्षा में चाहते हैं समाज का शीर्ष मुकाम

श्री बाहेती ने अपने घोषणा पत्र में शिक्षा को लेकर सर्वाधिक योजनाऐं शामिल की हैं। माहेश्वरी विद्यालयों में पढ़ने वाले माहेश्वरी विद्यार्थियों को अभिभावकों की आर्थिक स्थिति के आधार पर तथा माहेश्वरी बालिकाओं को 100 प्रतिशत निःशुल्क शिक्षा व आईबी विद्यालय का निर्माण करना उनका लक्ष्य है। माहेश्वरी विद्यालयों की मैनेजिंग कमेटियों में वरिष्ठजन, महिलाओं व युवाओं को उचित प्रतिनिधित्व देना, माहेश्वरी युवक-युवतियों को उच्च शिक्षा हेतु (ट्रस्ट का गठन कर) ऋण की व्यवस्था कराना, युवा वर्ग के लिए कॅरियर एवं विदेश में शिक्षा प्राप्त करने संबंधित मार्ग दर्शन हेतु काउंसिलिंग सेंटर का गठन करना, आईआईटी, आईआईएम, आईएएस, आरपीएस, पीएमटी, पीएचडी, व जेईई मेन्स आदि की तैयारी करने वाले माहेश्वरी विद्यार्थियों को मैरिट के आधार पर स्कॉलरशिप अथवा स्टायफंड उपलब्ध करना तथा विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले युवक-युवतियों को पुरस्कार अथवा स्कॉलरशिप प्रदान करना भी इसमें शामिल है।

युवा व महिलाओं के उत्थान का संकल्प

उनके घोषणा पत्र में युवा व महिलाओं के लिये भी कई घोषणाएं हैं। इसमें युवा शक्ति के लिये स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स व अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल का निर्माण करना, बेरोजगार युवक-युवतियों हेतु रोजगार प्रकोष्ठ (एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज) का गठन कर रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग देना तथा सॉफ्टवेयर संस्थान की शुरुआत करके युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना शामिल है। निःशुल्क कम्प्यूटर एवं स्पोकन इंग्लिश की कक्षाएं प्रारंभ करना तथा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु कुटीर उद्योग की स्थापना करके रोजगार उपलब्ध करना शामिल हैं।

निवृत्त हो रहे अध्यक्ष काबरा ने जताया आभार

अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सर्वप्रथम अध्यक्ष पद पर निर्वाचित श्री प्रदीप बाहेती जी एवं कार्यकारिणी के लिए सभी विजयी 72 प्रत्याशियों को बधाई देता हूं एवं मंगलकामना करता हूं कि आप सभी के सामूहिक सार्थक प्रयासों से हमारा समाज निरंतर प्रगति की राह पर बढ़ता रहे। मैं सभी स्वजनों का हृदय से आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे व मेरी पूरी टीम को तीन साल बेमिसाल बनाने में भरपूर सकारात्मक सहयोग एवं समर्थन दिया। मैं आभारी हूं सभी कार्यकर्ताओं समाज संरक्षकों, चुनाव सलाहकार समिति, मध्यस्थता समिति, चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी समाजबंधुओं एवं सहयोगियों, विशेष रूप से मातृशक्ति एवं युवाओं की सक्रिय सहभागिता का। चुनाव के दौरान मेरी या समाज के किसी भी व्यक्ति की ओर से चाहे वह किसी भी ग्रुप का हो यदि जाने अनजाने से कोई ठेस पहुंची हो सभी की ओर से मैं खेद प्रकट करता हूं।

सत्यनारायण काबरा
अध्यक्ष जयपुर माहेश्वरी समाज

लाख दलदल हो पांव जमाए रखिए
हाथ खाली ही सही ऊपर उठाए रखिए
कौन कहता है छलनी में पानी रुक नहीं सकता
बर्फ बनने तक हौसला बनाए रखिए

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

नवनिर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य

मुरलीधर राठी
उपाध्यक्ष (वित्त)

नथमल मालू
उपाध्यक्ष (समाज)

रमेश कुमार सोमानी
उपाध्यक्ष (शिक्षा)

गोपाललाल मलपानी
महामंत्री

अनिल कोठयारी
संयुक्त मंत्री

महेश भुराड़िया
संयुक्त मंत्री

नटवरलाल अजमेरा
महासचिव (शिक्षा)

कमल सोमानी
शिक्षा सचिव
(MPS Jawahar Nagar)

मुरारीलाल बिड़ला
शिक्षा सचिव
(MGPS, Vidhyadhar Nagar)

द्वारकादास मालू
शिक्षा सचिव
(MBV, Choura Rasta)

निर्मल दरगड़
शिक्षा सचिव
(MPS, INT Bhabha Marg, Tilak Nagar)

अशोक फलोड़
शिक्षा सचिव
(MHS, Tilak Nagar)

मुकेश राठी
शिक्षा सचिव
(MPS Pratap Nagar)

श्यामसुन्दर तोतला
शिक्षा सचिव
(MPS Bagru)

कैलाशचन्द्र अजमेरा
शिक्षा सचिव
(MCCA, Pratap Nagar)

मनोजकुमार बिड़ला
शिक्षा सचिव
(MPS, Kalwar Road)

प्रमोद हुरकट
अर्थ मंत्री

राधावल्लभ अजमेरा
कोषाध्यक्ष

सीए नटवर सारडा
कोषाध्यक्ष

रमेशचन्द्र जाखोटिया
संगठन एवं प्रचार मंत्री

सतीश कुमार सारडा
सह संगठन एवं प्रचार मंत्री

कैलाशचन्द्र गगरानी
भण्डार मंत्री

श्रीवल्लभ मारू
भवन मंत्री

सीए संजय बांगड़
भवन मंत्री
(MPS Jawahar Nagar)

कमलेश लड्ढा
भवन मंत्री
(MGPS, Vidhyadhar Nagar)

अनील कचोलिया
भवन मंत्री
(MBV, Choura Rasta)

भवानीशंकर बाहेती
भवन मंत्री
(MPS, INT Bhabha Marg, Tilak Nagar)

अजय नौवाल
भवन मंत्री
(MHS, Tilak Nagar)

अशोक अजमेरा
(सीतावाड़ी) भवन मंत्री
(MPS Pratap Nagar)

सुरेन्द्र काबरा
भवन मंत्री
(MPS Bagru)

सुनील मालपानी
भवन मंत्री
(MCCA, Pratap Nagar)

ब्रजेश मोदानी
भवन मंत्री
(MPS, Kalwar Road)

प्रवीण लड्ढा
संस्कृति मंत्री

विष्णु लड्ढा
विवाह प्रकोष्ठ मंत्री

स्व. रामदयाल हेड़ा स्मृति कप का हुआ आयोजन

नडियाद. माहेश्वरी युवा संगठन, नडियाद के अध्यक्ष दिनेश इनाणी, मंत्री उमेश बांगड़, खेल मंत्री विष्णु हेडा तथा पदाधिकारी दिनेश लड्ढा, सुनील हेडा, नवनीत डाड, राजेश इनाणी, भगवतीलाल लड्ढा, गोविन्द काबरा, शांतिलाल समदानी, हेमंत हेडा एवं कार्यकारणी सदस्यों के नेतृत्व में गत 11,12 एवम 13 जनवरी को माहेश्वरी युवा संगठन नडियाद के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट, वोलीबाल एवं कब्बडी की अखिल गुजरात त्रिदिवसीय स्व. रामदयाल हेड़ा स्मृति कप प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमे सम्पूर्ण गुजरात के खिलाडियों ने भाग लिया। शुभारम्भ नडियाद के संतराम मंदिर के संत श्री निर्गुनदासजी महाराज, श्री सत्यप्रकाशजी महाराज एवं मुख्य अथिति श्यामसुंदर राठी (कार्यकारिणी सदस्य : माहेश्वरी महासभा) एवं स्व. रामदयालजी हेडा स्मृति कप के सौजन्यकर्ता कालुराम हेडा सहयोगी राजमल डाड, किसनलाल इनाणी, रामपाल हेडा, प्रकाशचंद्र इनाणी, कृष्णगोपाल भराडिया, जानकीलाल तोषनीवाल, चुनीलाल असावा, शंभूलाल मालीवाल, रतनलाल सोमाणी, गोविन्दकुमार सोमाणी, लक्ष्मीलाल लड्ढा, शंकरलाल इनाणी, ओमकारलाल इनाणी आदि ने किया। इस त्रिदिवसीय खेल प्रतियोगिता में पूरे गुजरात से माहेश्वरी समाजजनों की उपस्थिति रही। क्रिकेट की प्रतियोगिता में आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए CRICHEROS एप बनाकर हर पल की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध करवाई गई जिसका 88225 लोगो ने लाभ उठाया। इस प्रतियोगिता के विजेता **क्रिकेट में** प्रथम - अहमदाबाद व द्वितीय : बड़ोदा, **वोलीबाल में** प्रथम - अहमदाबाद व द्वितीय- हिम्मतनगर, **कबड्डी में** प्रथम - नडियाद व द्वितीय : हिम्मतनगर रहे। 13 जनवरी को समापन समारोह में रामस्नेही संप्रदाय के संत श्री रामप्रसादजी महाराज (रामद्वारा बड़ोदा) एवं गुजरात विधान सभा मुख्य दंडक पंकजभाई देसाई द्वारा विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम के आयोजन के लिए माहेश्वरी समाज सेवा केंद्र (महेश वाटिका) एवं माहेश्वरी सेवा समिति ने सामाजिक भवन उपलब्ध करवाया। इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन में माहेश्वरी युवा संगठन नडियाद के पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं संगठन सदस्य, समाज की संरक्षण समिति, आयोजन समिति, खेल समिति, भोजन समिति तथा नडियाद माहेश्वरी समाज के बन्धुओं ने विशेष सहयोग दिया।

मूंदड़ा का हुआ सम्मान

कोलकाता. गत 25 दिसंबर को लोक संस्कृति द्वारा 24 से 31 दिसंबर तक कार्यक्रम 'आपणो गांव' आयोजित किया गया। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि के रूप में प. बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष लोक संस्कृति के संस्थापक ट्रस्टियों में से एक जगदीशचंद्र एन. मूंदड़ा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जो लोग राजस्थान नहीं जा सकते वे यहां आकर भी पुरानी यादों को ताजा कर सकते हैं। श्री मूंदड़ा का सम्मान अधिकारियों ने साफा पहनाकर व रजत वस्त्र भेंटकर व तिलक लगाकर किया।

40 मोरों की हत्या पर दर्ज करवाई एफआईआर

भीलवाड़ा. नागौर जिले में तीन घटनाओं में 41 मोर की हत्या के समाचार विभिन्न समाचार पत्रों व टीवी चैनलों पर प्रसारित हुऐ। मोर की हत्या वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत गैर जमानती अपराध है। उक्त आरोप लगाते हुए पीपुल्स फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने नागौर पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया कि मोर की हत्या पर एफ.आई.आर. दर्ज कर हत्यारों को गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्यवाही की जाऐ।

> मुश्किलें केवल बेहतरीन लोगों के हिस्से में आती हैं क्योंकि वही लोग उसे बेहतरीन तरीके से अंजाम देने की ताक़त रखते हैं।

माहेश्वरी भवन का हुआ भूमिपूजन

इंदौर. श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बनाया जाने वाला माहेश्वरी भवन पूरे देश में जाना व पहचाना जाएगा। उक्त विचार मुख्य अतिथि पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा ने श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा गत 14 दिसंबर को खंडवा रोड स्थित बायपास पर आयोजित माहेश्वरी भवन के भूमिपूजन और शिलान्यास समारोह में सभी माहेश्वरी समाजबंधुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद राठी समूह मुंबई के प्रमुख आनंद राठी ने करते हुए कहा कि इंदौर माहेश्वरी समाज की राजधानी है और इस राजधानी में माहेश्वरी समाज का यह भवन सभी के लिए उपयोगी साबित होगा। अतिथि एलेन एजुकेशन के डायरेक्टर गोविंद माहेश्वरी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि समाजबंधु इस माहेश्वरी भवन के सपने को साकार करने में तन-मन और धन से सहयोग दें। अतिथियों का स्वागत प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ईनानी, जिलाध्यक्ष कल्याणमल मंत्री व ट्रस्ट अध्यक्ष ने दुपट्टा पहनाकर किया। स्वागत उद्बोधन रामेश्वरलाल असावा ने दिया। समाज अध्यक्ष श्री असावा, संयोजक रामस्वरूप धूत ने सभी समाजबंधुओं को इस नए भवन की रूपरेखा बताई। शिलान्यास कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में समाजबंधु मौजूद थे। भूमिपूजन के लिए 12 फीट बाय 12 फीट गहरी खुदाई कर उसे गोमूत्र और गोबर से पवित्र कर वहां भूमिपूजन किया गया।

कैसा रहेगा भवन

श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा ने बताया कि माहेश्वरी समाजबंधुओं के लिए 20 करोड़ की लागत से बनने जा रहे इस भवन का निर्माण 2 एकड़ में किया जाएगा। 86 हजार वर्गफीट में बनने जा रहा यह भवन सभी हाईटेक सुविधाओं से लैस होगा। इसमें समाजबंधुओं के लिए 25 से 30 स्क्वेयर फीट पर पार्किंग, वृहद गार्डन, हॉल, मंदिर के साथ-साथ ही अन्य निर्माण कार्य किए जाएंगे। भवन में 100 कमरों का निर्माण भी करवाया जाएगा। वहीं इस हाईटेक भवन में 4 लिफ्टों की सुविधा रहेगी। माहेश्वरी भवन में गार्डन के साथ-साथ 3 बड़े वातानूकुलित हॉल भी अलग-अलग बनाए जाएंगे।

ये बने सहयोगी

20 करोड़ की लागत से बनने जा रहे इस माहेश्वरी भवन के लिए प्रोफेशनल्स ने भी सहयोग राशि दी है। साथ ही इस भवन की डिजाइन भी पूरे देश के भवनों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस अवसर पर रामेश्वरलाल रतनीदेवी काबरा परिवार की ओर से तल मंजिल पर बनने वाले 18 हजार वर्गफीट के वातानूकुलित हॉल के लिए 1 करोड़ रुपए की स्वीकृति की घोषणा की गई। अपने पिताजी की पुण्यतिथि के अवसर पर एलेन समूह कोटा के चारों भाई गोविंद, राजेश, नवीन व ब्रजेश माहेश्वरी (मानधना) द्वारा ट्रस्ट के ट्रस्टी बनने की स्वीकृति की घोषणा की गई। माहेश्वरी प्रोफेशनल्स फोरम के 31 साथियों द्वारा छोटे हॉल के लिए 31 लाख, मुकेश रामस्वरूप कचोलिया परिवार द्वारा दूसरे छोटे हॉल के लिए 31 लाख व अनिल पुरुषोत्तम राठी परिवार की ओर से एक लिफ्ट के लिए 15 लाख रुपए प्रदान करने की स्वीकृति की भी घोषणा की गई। सचिव श्री सारड़ा ने बताया अभी तक डायमंड कैटेगिरी के 46 ट्रस्टी/सहयोगी व गोल्डन के 50 ट्रस्टी/सहयोगी व सिल्वर के 11 सदस्य बन चुके हैं। कार्यक्रम स्थल पर दो डायमंड कैटेगिरी, 10 गोल्डन कैटेगिरी व दो सिल्वर कैटेगरी के सहयोगी की घोषणा और की गई।

माहेश्वरी मंडल की कार्यकारिणी गठित

बीकानेर.माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी संस्था श्री कृष्ण माहेश्वरी मण्डल की साधारण सभा का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी सदन जस्सूसर गेट के बाहर, बीकानेर में रखा गया। इसमें सर्वसम्मति से नारायण बिहाणी को अध्यक्ष चयनित किया गया। मण्डल के कोषाध्यक्ष महेश दम्माणी द्वारा वार्षिक वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। साधारण सभा का सफल संचालन रघुवीर झंवर और गौरव मूंधड़ा ने किया। इस अवसर पर सुखदेव राठी, शिव कुमार चाण्डक, नारायण दम्माणी, गोपीकिशन पेड़िवाल, नारायण डागा, विमल दम्माणी, महेश चाण्डक, मनमोहन लोहिया, किशन चाण्डक, याज्ञवल्क्य दम्माणी, नवल राठी आदि उपस्थित थे।

युवा महोत्सव स्वागताध्यक्ष बने मालपानी

नांदगांव पेठ (अमरावती). स्वामी विवेकानंद जयंती निमित्त युवा महोत्सव के स्वागताध्यक्ष का पद वरिष्ठ पत्रकार नवलकिशोर मालपानी ने स्वीकार किया। इस स्वीकृति पर उनका आयोजन समिति ने पुष्पगुच्छ भेंट देकर सत्कार किया गया।

> पहाड़ों पर बैठ कर तप करना सरल है
> लैकिन परिवार में सबके बीच रहकर
> धीरज बनाये रखना कठिन है
> और यही तप है।
> अपनो में रहें अपने में नहीं।

दिल्ली प्रदेश महिला संगठन की सेवा यात्रा

दिल्ली. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष किरण लढ़ा एवं सचिव श्यामा भांगड़िया के नेतृत्व में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सुरम्या समिति के अंतर्गत 16 दिसंबर को वनबंधु परिषद के साथ मिलकर गणपति फार्म्स में एक ग्रेंड तंबोला पिकनिक का आयोजन किया गया। इसमें करीब 70 लोगों ने भाग लिया। दिल्ली प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र ने 28 दिसंबर को दी गार्डन ऑफ फाइव सेंसेस पार्क में पिकनिक मनाई। सुचिता समिति अंतर्गत दिल्ली प्रदेश दक्षिण क्षेत्र की अध्यक्षा वीना जाजू व सचिव बेला सारडा के नेतृत्व में 19 दिसंबर को गीता जयंती के उपलक्ष्य में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामूहिक गीता पाठ और भजन कार्यक्रम अध्यक्ष वीणा जाजू के घर पर रखा गया। इसमें करीब 30 सदस्यों ने भाग लिया। सुलेखा समिति के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर अष्ठम गीत लेखन प्रतियोगिता की 3 एंट्री राष्ट्रीय स्पर्धा में भेजी गई। संचारिका समिति अंतर्गत फेसबुक व व्हाट्सएप पर राष्ट्रीय व प्रादेशिक कार्यक्रमों की सूचनाएं व रिपोर्ट्स बराबर अपलोड की गई।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की रैली निकाली

चंद्रपुर. गत 2 जनवरी को जेसीआई गरिमा ने अपनी परंपरा के अनुरूप सामाजिक दायित्व के अंतर्गत शहर में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' रैली निकाली। जेसीआई गरिमा चंद्रपुर की अध्यक्ष शीतल लोहिया ने अभियान को रोचक बनाने के लिए विभिन्न राज्यों की वेशभूषा की फैंसी ड्रेस कॉम्पीटिशन भी करवाई। इस दौरान बच्चे महाराष्ट्रीयन, बंगाली, राजस्थानी, पंजाबी, तमिल आदि राज्यों की वेशभूषा पहने हुए थे। कार्यक्रम का संचालन शर्मिली पोद्दार व ऋतुजा मूंदड़ा ने किया। मुख्य अतिथि चंद्रपुर महानगरपालिका अंजलि घोटेकर थीं।

"'जी' दूसरों की खुशी' के लिए
'अपनी हार' मान लेता है...
उससे 'कोई' कभी भी नहीं
'जीत' सकता है...!!!"

सिविल सर्विस मार्गदर्शन शिविर का हुआ आयोजन

अजमेर. मध्य राजस्थान माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में अजमेर जिला माहेश्वरी सभा संस्था ने 'सिविल सर्विसेज मार्गदर्शन सेमिनार' का आयोजन गत 16 दिसंबर को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में किया। इसमें अजमेर, नागौर, सवाई माधोपुर, टोंक जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में निवास कर रहे माहेश्वरी परिवारों के बच्चों एवं अभिभावकों ने शामिल होकर फायदा उठाया। ख्यात वक्ता डॉ. प्रतिभा चांडक, किशनप्रसाद दरक, नीरव सूरतवाला तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. श्रीकांत बाल्दी (अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं प्रधान सचिव, हिमाचल प्रदेश) ने मार्गदर्शन दिया। अतिथि के रूप में श्रीगोपाल राठी, मुकुटबिहारी मालपानी, मोहनलाल साबू, गोपीकिशन बंग, सुभाषचंद्र नवाल, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल सचिव प्रेमचंद मूंदड़ा, श्रीकांत बाल्दी, किशनप्रसादजी दरक आदि मौजूद थे। कार्यक्रम उपरांत प्रशासनिक सेवा मार्गदर्शन समिति, महाराष्ट्र माहेश्वरी समाज के संयोजन में बच्चों की दक्षता हेतु एप्टीट्यूड टेस्ट आयोजित किया गया। इसमें काफी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। जानकारी जिला मंत्री एसडी बाहेती ने दी।

श्रीमद्भागवत कथा का हुआ आयोजन

वग्गड़. डालिया परिवार जिनके द्वारा श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन गत 27 दिसंबर से 2 जनवरी तक अपने पैतृक ग्राम वग्गड़ में किया गया। इसका शुभारंभ 27 दिसंबर को भव्य शोभायात्रा के साथ किया गया। डालिया परिवार द्वारा निर्मित श्री गोदा रघुनाथजी मंदिर में श्री गोदा रंगनाथजी का उत्सव, तिरुमयंजन, तिरुपावे प्रवचन वृंदावन एवं हरिद्वार से पधारे आचार्य श्री दिव्यांश वेदांतजी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कथा ज्ञान यज्ञ का समापन श्री रामानुजाचार्य नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामीजी श्री विष्णु प्रपन्नाचारीजी महाराज की उपस्थिति में 2 जनवरी को मध्याह्न 2 बजे हुआ। इस अवसर पर रामकुमार भूतड़ा (अर्थ मंत्री भाजपा राजस्थान), रमेशकुमार बंग, लक्ष्मीनारायण राठी, चैनसुख काबरा हैदराबाद, जगदीश राठी रियावड़ी सहित डालिया परिवार के देशभर से आए परिजन मौजूद थे।

विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन की बैठक संपन्न

अकोला. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अष्टम सत्र की सप्तम कार्यकारिणी सभा गत 22 दिसंबर को अकोला जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं अकोला माहेश्वरी महिला मंडल के आतिथ्य में माहेश्वरी भवन भाटियावाड़ी अकोला में संपन्न हुई। प्रदेशाध्यक्ष उषा करवा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पूर्वाध्यक्षा शोभा सादानी, कोलकाता प्रदेश की पूर्वाध्यक्ष डॉ. सुधा राठी, डॉ. तारा माहेश्वरी, आशा लड्ढा एवं ज्योति बाहेती, प्रादेशिक सचिव भारती राठी, संगठन मंत्री ज्योत्सना तापड़िया, प्रचार मंत्री शशि मूंधड़ा, उपाध्यक्षा प्रभा चांडक, सहसचिव प्रेमा बंग, राष्ट्रीय सुषमा समिति प्रभारी कमला मोहता, अकोला जिलाध्यक्ष निशा टावरी, स्थानीय अध्यक्ष मीना लड्ढा आदि मंचासीन थीं। जिला सचिव शारदा लखोटिया ने अतिथियों का स्वागत किया और स्थानीय अध्यक्ष मीना लड्ढा ने स्वागत भाषण दिया। प्रादेशिक अध्यक्ष उषा करवा ने अपने उद्‌बोधन में सभी जिलों के अध्यक्ष व सचिव को विभिन्न समितियों में कार्य कैसे करें उसकी पूरी जानकारी दी एवं सभी से पूरे जोरशोर से कार्य करने की अपील की। पूर्वाध्यक्ष ज्योति बाहेती द्वारा आगामी परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह इंदौर की जानकारी देते हुए इसमें नाम दर्ज कराने की अपील की गई।

भूतड़ा बने जिलाध्यक्ष

चित्तौड़गढ़. गत दिनों जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न हुए। इसमें निम्बाहेड़ा निवासी ख्यात समाजसेवी नानालाल भूतड़ा जिलाध्यक्ष चुने गए। समस्त स्नेहीजनों ने श्री भूतड़ा के निर्वाचन पर हर्ष व्यक्त किया।

मधुसुदन तापड़िया
सुदर्शन तापड़िया

सत्यनारायण तापड़िया
98274-40780

J.P. Textiles
Manufacturers of :
Malmal, Safa, Long Cloth, Marking etc
82, Itwara, Burhanpur - 450331 (M.P.)
Ph. : 07325 (O) 258704 (R) 253730

नानीबाई का मायरा का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. श्री माहेश्वरी रामायण मंडल ओढ़व द्वारा गत 21 से 23 दिसंबर तक तीन दिवसीय नानीबाई का मायरा का आयोजन किया गया। कथा का वाचन अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के संत श्री दिग्विजयराम द्वारा किया गया। कथा की शुरुआत से पहले शोभायात्रा निकाली गई। इसमें 2500 से अधिक भक्त नाचते-गाते चल रहे थे। कथा स्थल पर श्रद्धेय संतश्री ने बताया कि सिर पर कलश धारण करने से सारे पाप दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा बिना इष्ट की आराधना के हमें कुछ भी ग्रहण नहीं करना चाहिए। तीन दिनी चली कथा को करीब 6 हजार भक्तों ने सुना। अंतिम दिन पूर्णाहुति और महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

शतायु इच्छादेवी का सम्मान

जयपुर. गत 25 दिसंबर को जिला माहेश्वरी सभा द्वारा नरायना निवासी 103 वर्षीय वरिष्ठ इच्छादेवी मोदानी का प्रदेश मंत्री रमेश परवाल, जिला सभा अध्यक्ष रामअवतार आगीवाल, जिला सभा मंत्री कन्हैयालालजी एवं क्षेत्रीय सभा सोडाला के उपाध्यक्ष एवं समर्पित कार्यकर्ता सत्यनारायण मोदानी द्वारा माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर इच्छादेवी के पौत्र अरुणकुमार एवं अशोककुमार मोदानी, प्रपौत्र नीरज मोदानी के साथ नंदकिशोर परवाल, जुगलकिशोर परवाल, गोपालप्रसाद मोदानी, श्यामसुंदर आगीवाल, रमेशचंद्र मोदानी, गिरधारीलाल राठी, राकेश सोढ़ानी, मनोजकुमार मंत्री आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

"जब गलत 'पासवर्ड' से एक छोटा सा 'मोबाइल' नहीं खुलता..
तो गलत 'कर्मों' से भाग्य के दरवाजे कैसे खुलेंगे."

सुरल्या सेवा समिति के चुनाव संपन्न

इंदौर. अभा मानधना-भराड़िया सुरल्या सेवा समिति का आगामी 3 वर्षों के लिए निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। इसमें सर्वप्रथम परामर्शदाता गोविंद माहेश्वरी एलेन कोटा, हेमराज भराड़िया इचलकरंजी, लक्ष्मण माहेश्वरी इंदौर, रामनिवास मानधनी-जालना एवं रमेशचंद्र मानधन्या मुंबई बनाए गए। इसी क्रम में पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति का चयन भी किया गया। इसमें ओमप्रकाश मानधना जयपुर अध्यक्ष, पुरुषोत्तम मानधना हैदराबाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नटवरलाल मानधनिया इचलकरंजी उपाध्यक्ष, लीलाधर मानधन्या इंदौर महामंत्री, हरीश मानधना आकोला मंत्री, लक्ष्मीनारायण मानधनिया जालना सहमंत्री, पुरुषोत्तम मानधन्या कमलापुर संगठन मंत्री, हरिनारायण चौधरी इंदौर कोषाध्यक्ष, उदय मानधन्या हैदराबाद प्रचार मंत्री, बद्रीविशाल मानधने मांजलगांव प्रचार मंत्री मनोनीत हुए। कार्यसमिति सदस्यों का भी सर्वसम्मति से चयन हुआ।

हल्दी कुमकुम संपन्न

अमरावती. स्वयंसिद्धा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा न्यू गणेश कालोनी स्थित महाराणा प्रताप उद्यान में सायं 4 से 6 बजे पदग्रहण तथा हल्दी कुमकुम कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि विजया पुरुषोत्तम राठी माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा में सम्पन्न हुआ। स्वयंसिद्धा माहेश्वरी महिला मंडल की पूर्वाध्यक्षा विजया प्रमोद राठी, नवनिर्वाचित अध्यक्षा हीरा चांडक का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यकारिणी में सचिव वर्षा जाजू, उपाध्यक्ष उमा राठी, कोषाध्यक्ष दुर्गा हेडा, सहसचिव राधा करवा, प्रचार मंत्री ज्योति भंडारी, सरला गांधी, संघटन मंत्री वनिता भट्टड़, पुनम राठी आदि शामिल थीं।

धनुर्मास उत्सव का किया आयोजन

पुणे. श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर संस्था में धनुर्मास उत्सव प्रतिवर्षानुसार इस सालभी धूमधाम से गत 17 दिसम्बर से 15 जनवरी तक मनाया गया। प्रतिदिन स्तोत्रपाठ, मंगला आरती, तुलसी कुंकुम अर्चना भजन तथा प्रसाद वितरण हुआ। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री बालाजी गोदाम्बाजी का विवाह व 5 दिन प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस महोत्सव को सफल बनाने में संस्था के विश्वस्त मंडल, महिला मंडल व युवा संगठन का योगदान रहा। उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर ने दी।

गरीब बच्चों को स्वेटर वितरण

खरगोन. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कड़ाके की ठंड में गरीब बच्चों को स्वेटर बांटे और नाश्ता कराया गया। इसमें संगठन मंत्री जानकी खटौड़, जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, जिला सचिव उषा सोमानी, जिला कोषाध्यक्ष उमा सोमानी, पुष्पा जाजू, अंगूरबाला आदि उपस्थित थे।

एकल विद्यालय अभियान में सहयोग

अमरावती. वनबंधु परिषद महिला समिति अमरावती विगत 15 वर्षों से एकल अभियान से जुड़कर मेलघाट क्षेत्र में शिक्षा, संस्कृति व संस्कार प्रसार का कार्य कर रही है। इस अभियान के तहत विभिन्न आयामों में प्रारंभिक शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, ग्राम दिवस शिक्षा, संस्कार शिक्षा, संस्कृति संवर्धन शिक्षा आदि द्वारा आदिवासी बालकों को संस्कारित एवं साक्षर बनाते हैं। बालकों में संस्कृति एवं खेल के प्रति रुचि बनाए रखने एवं उनका मनोबल बढ़े इस उद्देश्य से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बोराड़ा संच के आदर्श देवगांव में नववर्ष की पूर्व संध्या पर किया गया। इस अवसर पर वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा सभी बच्चों के भोजन की जिम्मेदारी निभाई गई। सत्यनारायण लोहिया द्वारा स्वर्गीय सरला लोहिया की स्मृति में 11 हजार रुपए की राशि एकल परिवार को दान की गई। इस अवसर पर उद्घाटक के रूप में रमेश मावस्कर (उपआयुक्त), प्रमुख अतिथि के रूप में अमरावती महिला समिति अध्यक्षा उषा करवा, आशा लड्ढा, ज्योति कंठालिया, वंदना परतानी, राजश्री निखरा आदि उपस्थित थे।

> तमन्ना ने जिंदगी के आँचल में
> सर रख कर पूछा:
> 'मैं कब पूरी हौउंगी?'
> जिंदगी ने हँसकर जवाब दिया:
> 'जौ पूरी हौ जायै वौ तमन्ना ही क्या।'

माहेश्वरी अखाड़े ने दिये दिव्य पुरस्कार-विभूषण, भूषण व श्री तीन श्रेणियां

समाज की २० हस्तियाँ होगी सम्मानित

बीड़. समाज के प्रतिष्ठित माहेश्वरी अखाड़े के पीठाधिपति महेशाचार्य प्रेमसुखानन्द माहेश्वरी ने कुल 20 व्यक्तियों को दिव्य पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की। दिव्य पुरस्कार पाने वालों में 8 महिलाएं हैं। दिव्य पुरस्कारों के विजेताओं में 2 विदेशी माहेश्वरी व्यक्ति भी शामिल हैं. चयन समिति के अध्यक्ष एस. बी. लोहिया ने बताया कि ये तीन श्रेणियों में है। इसके अन्तर्गत दिव्य विभूषण पुरस्कार - रेणू खटोड़ (अमेरिका) को शिक्षा और सामाजिक कार्य,श्यामसुन्दर सोनी (महाराष्ट्र) को सामाजिक कार्य एवं संगठन के पदाधिकारी के रूप में उकृष्ट कार्य के लिये दिया जा रहा है। दिव्य भूषण पुरस्कार - पलक मुछाल (मध्यप्रदेश) को कला एवं सामाजिक कार्य, निकिता चांडक (नेपाल) को मिस नेपाल-2017, श्याम जाजू (देहली) को सामाजिक कार्य, स्मृति मानधना (महाराष्ट्र) को खेल (क्रिकेट), महेश राठी (महाराष्ट्र) को सामाजिक कार्य एवं पर्यावरण तथा जुगलकिशोर बिड़ला (राजस्थान) को सामाजिक कार्य के लिये दिये जा रहे है। इसी प्रकार दिव्यश्री पुरस्कार - संजय मालपानी (महाराष्ट्र) को उद्योग एवं सामाजिक कार्य, राधेश्याम साबु (मध्यप्रदेश) को समाजसेवा, नम्रता करवा (राजस्थान) को कला (आध्यात्मिक गायन/भजन सिंगर), ओम चांडक (राजस्थान) को सामाजिक कार्य, रितु माहेश्वरी (उत्तरप्रदेश) को लोक सेवा (सिविल सर्विस), विपिन माहेश्वरी (मध्यप्रदेश) को लोक सेवा (सिविल सर्विस), किकू शारदा (महाराष्ट्र) को कला (अभिनय), पुष्कर बाहेती (मध्यप्रदेश) को पत्रकारिता, शरद बागड़ी (महाराष्ट्र) को लेखन एवं पत्रकारिता, मोहित सोडानी (राजस्थान) को खेल (ड्राप रॉ बॉल एवं क्रिकेट), साक्षी चितलांगे (महाराष्ट्र) को खेल (चेस) तथा श्रद्धा मूंदड़ा लड्ढा (महाराष्ट्र) को योगा के लिये प्रदान किये जाऐंगे। इन्हें ये पुरस्कार आगामी सम्मान समारोह में प्रदान किये जाऐंगे।

मारवाड़ी युवा मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठित

औरंगाबाद. सकल मारवाड़ी युवा मंच औरंगाबाद के संस्थापक अध्यक्ष व माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय प्रेमराज मंत्री द्वारा अ.भा. मारवाड़ी युवा मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी निर्विरोध गठित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील खाबिया व पूर्व उपाध्यक्ष निकेश गुप्ता द्वारा स्थान खाली करने पर यह जरूरी था। राष्ट्रीय प्रकल्प जनसेवा की कार्य की जवाबदारी संजय मंत्री को सौंपी गई। राष्ट्रीय स्तर पर वे विभिन्न समाजपयोगी देखेंगे। इनकी नियुक्ति पर सभी समाजबंधु व स्नेहीजनों ने हर्ष जताया है।

जरूरतमंद की मदद

गुना. माहेश्वरी मंडलऔर सुश्रीता समिति गुना द्वारा संक्रान्ति पर एक जरूरत मंद महिला को उसकी जरूरत का सामान दिया गया और प्रण लिया गया कि हर संक्रान्ति पर कुछ ऐसा ही कार्य करेंगे। इसी अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष नीलिमा लाहोटी द्वारा अंगदान, नेत्रदान का महत्व समझाया गया और अन्य लोगो को भी प्रेरित करने के लिए मंडलकी सदस्याओ को जागरूक किया गया। इसमें 2 लोगों ने अंगदान और 5 लोगों ने नेत्रदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडलकी सचिव ममता भट्टर, शोभा राठी, ऋतु भट्टर, कंचन सहित कई सदस्या उपस्थित थीं।

डॉ. राठी ने किए पुरस्कार वितरित

कोलकाता. बंगाल चेस एसोसिएशन द्वारा गत 30 दिसंबर को 'विनर्स ऑफ ऑल बंगाल अंडर-16 ओपन रेपिड चेस टूर्नामेंट 2018' का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता करते हुए 'हिंद रत्न' से सम्मानित समाजसेवी डॉ. उमेशकुमार राठी ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

पत्रिका हरसिंगार को पुरस्कार

नाथद्वारा. दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड ने वर्ष 2018 के श्रेष्ठ पत्रिकाओं के पुरस्कार के अंतर्गत हिंदी भाषा की साहित्य मंडल नाथद्वारा द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका हरसिंगार को द्वितीय पुरस्कार दिए जाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि यह पत्रिका श्यामप्रकाश देवपुरा के संपादन में प्रकाशित होती है।

> 'किसी भी कार्य में जल्दबाजी मत करो। जल्दबाज़ीआपको भटकाव की ओर ले जाएगी। भटकने से अच्छा है कि थोड़ा रुको, समझो और फिर चलो।'

महिला संगठन के सामूहिक विवाह का आयोजन

पूर्णतः निःशुल्क होगा आयोजन, कन्यादान में देंगे 1 लाख की सामग्री

इंदौर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा समाज में बढ़ते हुए धन के अपव्यय एवं दिखावे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए निःशुल्क सामूहिक विवाह के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसमें भाग लेने वाले प्रत्येक जोड़े के विवाह का खर्च महिला संगठन द्वारा ही वहन किया जाएगा। अभा माहेश्वरी महिला संगठन की संवर्णा समिति की प्रभारी निर्मला बाहेती ने बताया कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा के मार्गदर्शन में पश्चिमी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष अरुणा बाहेती एवं मंत्री वीणा सोमानी ने इस आयोजन का जिम्मा लिया है। यह कार्यक्रम इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में आगामी 3 फरवरी को महावीर बाग, एरोड्रम रोड इंदौर पर होगा। इंदौर जिला की अध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा एवं मंत्री सुमन सारडा ने बताया कि इसके लिए सभी समितियों का गठन कर लिया गया है। इस आयोजन में 11 जोड़ों का लक्ष्य रखा गया है। स्वागत अध्यक्ष हेतु उर्मिला झंवर इंदौर तथा स्वागत मंत्री हेतु साधना बियाणी की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस कार्यक्रम में कन्यादान हेतु यजमान भी बनाए जा रहे हैं जिसमें कई लोगों की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। कन्यादान स्वरूप एक लाख से अधिक की राशि का सामान प्रदान किया जाएगा। यही नहीं वर व वधू पक्ष के 20-20 परिजन आमंत्रित रहेंगे, जिनके आवास व भोजन आदि का व्यय महिला संगठन द्वारा वहन किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थिति के लिए कई वरिष्ठ समाजजनों की स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

डाड हुए सम्मानित

भीलवाड़ा. महेश प्रगति संस्थान भीलवाड़ा के अध्यक्ष सत्यनारायण डाड को अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भीलवाड़ा द्वारा लाईफ टाईम एचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। सुशील दरक ने बताया कि श्री डाड के नेतृत्व में भीलवाड़ा में शैक्षणिक क्षेत्र में एवं माहेश्वरी समाज के संगठनात्मक स्वरूप को मजबूत करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रयास किये गये हैं।

नेत्र चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

बाड़मेर. समाजसेवी राम जगदीशप्रसाद पुंगलिया की ओर से बाड़मेर जिले के पनोरिया गाँव में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आस-पास के गांवों से भी भारी संख्या में लोगो ने पहुंचकर आंखों की जांच करवाई। समिति प्रमुख प्रवीण कुमार पुंगलिया ने बताया कि गत कई वर्षों से प्रतिवर्ष एक जनवरी को निःशुल्क शिविर लगाया जाता है जिसमें आंखों की जांच व साथ ही निःशुल्क दवाइयां तथा चश्मे वितरित किये जाते हैं। जिन लोगों की आंखों में मोतियाबिंद पाया जाता है उनका पनोरिया से लगभग 110 किलोमीटर जिला बाड़मेर बस द्वारा भेजकर अन्धता निवारण समिति से निःशुल्क ऑपरेशन कराते है। उन्हें भोजन एव ठहरने की व्यवस्था भी प्रदान की जाती है । हर वर्ष इस शिविर में करीब 70- 80 ऑपरेशन होते है। शिविर में जगदीशप्रसाद, उषा देवी, मंजू देवी, स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया, राघव, निधी, मृदुलरामु सहित कई लोगों ने सेवा दी।

मकर संक्रांति पर्व का हुआ आयोजन

खरगोन. माहेश्वरी महिला मडंल ने सक्रांति पर्व पर हल्दी कुमकुम लगाकर एक दुसरे को सुहाग सामग्री प्रदान की। पतंग का हौजी गेम और लकी गेम भी हुआ। इसमें प्रथम उर्मिला पलोड, कांता फोफलिया, द्वितीय कविता सोढानी, रीना सोनी, तृतीय ऊमा सोमानी, जानकी खटोड रहीं। जिसमें खरगोन जिला अध्यक्ष स्मिता बियानी, अलका सोमानी, जिला सचिव ऊषा सोमानी, कांता सोनी, अमिता खटोड, किरन आगाल, शकुन्तला सोमानी आदि उपस्थित थी।

> "कभी माता-पिता की याद आए तो भाई-बहन मिलकर बैठा करो. किसी के चेहरे पर माँ मुस्कुराती नज़र आएगी, किसी के लहजे में पिता दिख जायेंगे !!!"

पूर्व मुख्यमंत्री शिंदे के वक्तव्य का विरोध

चंद्रपुर. गत 11 जनवरी 2019 को स्थानीय मारवाड़ी समाज ने पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे द्वारा नागपुर में एक कार्यक्रम में दिए दिये गये एक गैरजिम्मेदाराना वक्तव्य का विरोध किया है। उल्लेखनीय है कि शिंदे ने एक सामजिक कार्यक्रम में 'मारवाड़ी समाज' गरीबों का शोषण करने वाला समाज था। ऐसा वक्तव्य दिया था। ऐसे गैरजिम्मेदाराना वक्तव्य से मारवाड़ी समाज का अपमान हुआ है। नागपुर जोनल रेल्वे सलाहकार समिति के सदस्य दामोदर मंत्री, मुकुंद गांधी, गोंडवाना विवि के पूर्व डीन जुगल सोमानी, चंद्रपूर जिला बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रकाश बजाज, पवन बजाज, हनुमान बजाज, गोविंद सारडा, आनंद मूंधड़ा, सुधीर बजाज, ऋषिकांत जाखोटिया, योगेश तोष्णीवाल, सीए पंकज मूंधड़ा, रघुनाथ मूंधड़ा, रमेश मूंधड़ा, राधेश्याम बजाज, विनोद बजाज, सुधीर हेड़ा, वर्षा बजाज, प्रदीप तोषनीवाल, हरीश सोमानी, ओमप्रकाश बजाज, गोपाल गांधी सहित मारवाड़ी समाज के सदस्यों ने विरोध प्रकट करते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर श्री शिंदे से समाज से माफी मांगन की मांग की है।

वन भोजन का हुआ आयोजन

नागपुर. नगर माहेश्वरी सभा नागपुर एवं नगर की सभी पंचायतों सीताबर्डी माहेश्वरी पंचायत, बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत, बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट, बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत आदि सभी ने मिलकर वन भोजन कार्यक्रम का आयोजन, वन विभाग परिसर आयकर भवन के सामने किया। मुख्य अतिथि जोधपुर से आये अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री संदीप काबरा थे। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मध्यांचल के उपसभापति मोहन राठी एवं भारत सरकार की डिफेंस मिनिस्ट्री में संयुक्त सचिव संजय जाजू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। नागपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष शिवरतन गांधी, सचिव दिनेश राठी, जीएसटी कमिश्नर संजय राठी, सोलार इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल, शारदा इस्पात ग्रुप के नंदकिशोर सारडा, गिन्नी एग्रो ग्रुप के रमेश मंत्री, गोविन्द मंत्री, राकेश भैया, विजय चांडक ,पार्षद निशांत गाँधी सहित कई गणमान्यजन व समाजजन उपस्थित थे। इस अवसर पर हाऊजी के साथ ही नमकीन व मीठे व्यंजन बनाने की स्पर्धा का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक मुकेश मूंदड़ा, दिनेश भैया व सरिता सारडा थे। योगेश नावन्दर, घासीराम मालु, ईश्वर काकानी, वासुदेव मालु, महेंद्र चांडक, विद्या लद्धड़, उर्मिला चांडक,निशि सावल, ज्योति मंत्री, राजबाला राठी, लता मणियार, सोमप्रकाश मंत्री, बसंत बागड़ी आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

द्विदिवसीय क्रिकेट स्पर्धा का हुआ आयोजन

चंद्रपुर. गत 12 व 13 जनवरी को पुलिस फुटबॉल ग्राउंड मे द्वि दिवसीय क्रिकेट खेल प्रतियोगिता 'एमपीएल दस' का आयोजन माहेश्वरी युवक मंडल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता मे कुल 6 जोडियों ने भाग लिया था। इसमें माहेश्वरी लायंस - ग्रुप संयोजक - पवन बजाज एवं सुजीत कासट विजयी रहे। द्वितीय पुरस्कार राजुरा रॉयल्स - ग्रुप संयोजक - हेमंत बजाज एवं संदीप जैन को दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार रु.5,555 व द्वितीय पुरस्कार रु.3,333 का दिया गया एवं रु.1,111 का पुरस्कार मैन ऑफ़ द मैच को दिया गया। प्रकल्प संचालन माहेश्वरी युवक मंडल के खेल मंत्री प्रतीक सारडा व मंच संचालन पीयूष माहेश्वरी ने किया।

खिचड़ी रेवडी का वितरण

मेरठ. स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा जनपद मेरठ में पिछले 10 वर्षों की भांति इस वर्ष भी गत 15 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व पर 100 कि.ग्रा. गर्म खिचड़ी तथा 20 कि.ग्रा. रेवड़ी का वितरण किया गया। इसके साथ ही अनाथ आश्रम में खिचड़ी व पुराने गर्म कपड़े दिये गये। रामकुमार टावरी (दिल्ली वाले) नरेन्द्र राठी, प्रमोदचंद्र कैला, योगेश मोहता, राजेन्द्र राठी, पवन राठी, प्रदीप केला, राजेश राठी, रवि मुथलिया, वरुण बजाज, अरविन्द तापड़िया आदि का सहयोग रहा।

'समय का उपयोग करके
बहुत सा धन कमाया जा सकता है,
लेकिन धन का उपयोग करके
एक पल भी नहीं बढ़ाया जा सकता।
अतः समय का सही उपयोग करना सीखो।'

परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

संगमनेर. महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा, संगमनेर माहेश्वरी समाज एवं मालपाणी परिवार के विशेष सहयोग से राजस्थान युवक मंडल द्वारा आयोजित आठवे परिचय सम्मेलन का उदघाटन राज्य परिवहन निगम के प्रमुख सुरक्षा अधिकारी मनोज लोहिया के करकमलो द्वारा हुआ। सहकारी संस्था पुणे के अपर आयुक्त डॉ. किशोर तोष्णीवाल, राज्य कर संकलन विभाग (जीएसटी) के अतिरिक्त आयुक्त ओमनारायण भांगडिया, सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष मालपाणी उद्योग समूह के संचालक राजेश मालपाणी, मंडल के अध्यक्ष मनीष मालपाणी, कार्याध्यक्ष कैलाश आसावा, उपाध्यक्ष सुदर्शन नावंदर, सचिव वेणुगोपाल लाहोटी, कोषाध्यक्ष गौरव कलंत्री आदि मंचासीन थे। आयोजन की विशेषता रही कि इसमें किसी ने भी झूठा नहीं छोड़ा।

सुरल्या माता का वार्षिकोत्सव संपन्न

डीडवाना (राजस्थान). मानधना-भुराड़िया परिवार की कुलदेवी सुरल्या (मानुधनी) माताजी का नवम वार्षिकोत्सव डीडवाना में संपन्न हुआ। प्रथम दिन साधारण सभा में अंकेक्षित हिसाब स्वीकृत किया गया एवं आगामी तीन वर्षों के लिए नवीन कार्यसमिति का गठन भी किया गया। इस दिन समाज की प्रतिभा व वरिष्ठों का सम्मान भी किया गया। दूसरे दिन प्रातः 9 बजे मंदिर सभागृह में मंत्रोच्चार से कुलदेवी सुरल्या माताजी का पंचामृत द्वारा अभिषेक संपन्न हुआ। इंदौर निवासी पुरुषोत्तम मानधन्या (कमलापुर वाले) 56 भोग इंदौर से बनवाकर लाए एवं माताजी को भोग लगाया। 56 भोग पिछले चार वर्षों से श्री मानधना द्वारा ही लगाया जा रहा है। भजनों के बाद ठीक 12 बजे कांकड़ा आरती की गई। आरती के पश्चात कन्या भोजन हुआ। इस आयोजन में महाराष्ट्र, गुजरात, हैदराबाद, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश से आए कई समाजजन शामिल हुए। उक्त जानकारी समिति मंत्री लीलाधर मानधन्या ने दी।

नववर्ष का किया स्वागत

खरगोन. नये साल के उपलक्ष्य में भजन कर किशन जी का स्वागत कर केक काटा गया। संगठन मंत्री जानकी खटौड़, जिलाध्यक्ष स्मिता बियानी, जिला सचिव उषा सोमानी, अलका सोमानी, पुष्पा जाजू, उर्मिला पलौड़, निशा भट्टड, अमिता खटौड़, राधा, अरुणा आदि मौजूद थी। जरूरतमंदों को स्वेटर भी बांटे गए।

टाईटन एलिवेट के विजेता बने मोहित

चांद्रपुर. समाज सदस्य ओमप्रकाश जाजू के सुपुत्र मोहित जाजू राष्ट्रीय स्तर पर टाइटन कंपनी द्वारा आयोजित की गयी प्रतियोगिता एलिवेट में पहला स्थान प्राप्त कर विजयी रहे। यह प्रतियोगिता 4 चरण में आयोजित की गयी जिसमे देश भर से 2714 छात्रों ने हिस्सा लिया। मोहित, नई दिल्ली स्थित भारतीय विदेश व्यापर संस्थान के प्रथम वर्ष के एम.बी.ए. के छात्र हैं। मोहित ने इंजीनियरिंग आईआईटी इंदौर से पूर्ण की है।

सुमिरन भ्रमण यात्रा संपन्न

कोटा. माहेश्वरी महिला मंडल कोटा द्वारा मेवाड़ के चारधाम सुमिरन यात्रा भ्रमण का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 17 महिलाएं इसमें शामिल हुईं। सचिव ऋतु मूंदड़ा ने बताया कि इसमें नाथद्वारा, चारभुजाजी, कांकरोली, एकलिंगजी एवं सांवरिया सेठ मंदिर के दर्शनों का आनंद लिया तथा अंताक्षरी, भजनों और अनेक गेम्स का भी लुत्फ उठाया।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पुणे. स्थानीय नावंदर परिवार द्वारा पिता स्व. श्री मुरलीधर तथा स्व. श्री अशोक नावंदर की स्मृति में गत 6 जनवरी को संत तुकाराम उद्यान के विट्ठल मंदिर में रक्तदान शिविर में संपन्न हुआ। इससे 240 यूनिट्स रक्त संकलन हुआ। शुरुआत पिंपरी के प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल भांगडिया के रक्तदान से हुई। इस शिविर में 240 यूनिट रक्त संकलन हुआ। इस शिविर में स्थानीय नगर सेवक तथा गणमान्यजन उपस्थित थे। नावंदर परिवार के सुभाष तथा सुरेश ने स्वागत किया। शिविर को सफल बनाने में सचिन, मनीष नावंदर तथा महेश सांस्कृतिक मंडल का विशेष सहयोग रहा। यह रक्तदान शिविर अविरत 24 वर्षों से नावंदर परिवार की ओर से आयोजित हो रहा है।

महा तंबोला का हुआ आयोजन

रायपुर. गोपाल मंदिर, माहेश्वरी महिला समिति सदर बाजार द्वारा गत 12 जनवरी को महा-तंबोला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज के सभी वर्ग के लिए ओपन था। रेग्युलर हाउजी के साथ इसमें फिल्मी हाउजी भी खेलाई गई। तोल-मोल के बोल मे भी लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। अन्य ईनामो के साथ 27 लक्की ड्रॉ भी निकाले गए। कार्यक्रम मे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मध्यांचल ज्योति राठी, राष्ट्रीय प्रकल्प प्रमुख प्रतिभा नत्थानी, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य उषा मोहता आदि उपस्थित थी। समिति अध्यक्षा संगीता चांडक, सचिव प्रगति कोठारी के साथ संयोजिका सुनीता लड्ढा, कविता दम्मानी एवं शशि सारडा आदि समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

खिचड़ी तिल लड्डू वितरण

रायपुर. मकर संक्रांति के पावन अवसर पर माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा गत 14 जनवरी को 100 किलो खिचड़ी एवं 10 किलो तिल के लड्डू का निःशुल्क वितरण मंदिर के सामने किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रकल्प प्रमुख प्रतिभा नाथानी उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष संगीता चांडक, शशि मोहता, कल्पना राठी, रमा मल, भावना मरदा, नीता बजाज, शशि बंग, कविता दम्मानी, नीता केला, विनीता माहेश्वरी, शशि मोहता, रेखा करवा आदि का भरपूर सहयोग मिला।

> बड़ा मुश्किल काम दे दिया किस्मत ने मुझको...
> कहती है.... तुम तो सबके हो सकते हो
> अब ढूंढो उनको जो तुम्हारे हैं!!'

भूले बिसरे खेल का हुआ आयोजन

कोटा. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में मंडल की सदस्याओं के लिए बचपन की यादों से जुड़े भूले बिसरे खेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल सचिव ऋतु मूंदड़ा ने बताया कि सदस्याओं को सतोलिया, खो-खो, तीन टांग रेस, रूमाल झपट्टा, रस्सी आदि खेल खेलाए गए। मंडल अध्यक्ष अरुणा मूंदड़ा ने बताया कि सभी सदस्याएं सफेद और नीले रंग की ड्रेस कोड में आई थीं। कार्यक्रम में कुंति मूंदड़ा, सुमन पनवाड़, परिणीता लाहोटी, संगीता मूंदड़ा, अंजू शारदा, प्रीति राठी, रेखा सोनी, संध्या लड्ढा, संगीता धूत आदि ने टीम कोऑर्डिनेटर बनकर सहयोग दिया।

निर्धन कन्या के विवाह में सहयोग

लखनऊ. एक निर्धन कन्या के विवाह में गत 24 जनवरी को माहेश्वरी महिला मंडल लखनऊ के सदस्यों द्वारा धनराशि एवं सामग्री दी गई। इसके अन्तर्गत अध्यक्ष मधु तोषणीवाल के प्रयास से धनराशि 11000/- वस्त्र, सुहाग का समान व गृहस्थी से सम्बन्धित सामग्री दी गई।

गौसेवा से नवीन सत्र की शुरुआत

देवली। माहेश्वरी महिला मंडल देवलली की नवगठित कार्यकारिणी ने गौशाला में गायों को चारा डालकर व गो पालकों को कंबल ओढाकर अपने नए सत्र का शुभारंभ किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेखा नवल मूंदडा व सचिव सविता मालू ने बताया कि इस अवसर पर परामर्शदाता प्रेम देवी तुरक्या, संगठन मंत्री आशा बिड़ला, उपाध्यक्ष राधा जैथलिया, सपना नुवाल, सह सचिव रेखा अजमेरा, रूक्मिणी जैथलिया, प्रीति, नंदिनी, प्रिया, कमलेश मूंदड़ा, सुमन तोतला, कलावती आगीवाल सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं।

अन्नकूट के साथ सम्मान समारोह

इन्दौर. श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज द्वारा अन्नकूट महोत्सव, छप्पन भोग दर्शन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक एवं सयोजक अनिल मंत्री, राजेश बिड़ला, सुरेश समदानी, डॉ.निलेश लखोटिया,कैलाश जाजू, डॉ.दीप्ति भूतड़ा, एवं अंचित बल्दवा ने बताया कि मकर सक्रांति के पावन पर्व पर संगठन के कार्यकर्ताओ द्वारा 56 भोग प्रसादी को सैकड़ो खुबसूरत पतंगों से सजाया गया। संस्था सचिव रुपेश भूतड़ा ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के राज्य में एक मात्र नवनिर्वाचित विधायक अनिरुद्ध माधव मारू का संगठन द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अशोक डागा, अजय राठी, संस्था अध्यक्ष कमल बाहेती, समाज संगठन संपादक रामस्वरूप मूंदड़ा,लक्ष्मण माहेश्वरी, शरद चंद पसारी के साथ ही समाज के कई वरिष्ठजन उपस्थित थे

मकर संक्रांति पर अनाथाश्रम में सहयोग

अमरावती. संक्रांति पर्व निमित्त माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से प्रज्ञा प्रबोधिनी विवेकानंद छात्रावास दस्तु नगर स्थित अनाथाश्रम में अनाज दान किया गया। इसके साथ मंडल की ओर से 3 माह का किराना भी प्रदान किया गया। मंडल अध्यक्षा अर्चना लाहोटी, सचिव सपना पनपालिया के नेतृत्व में संस्था संचालक अविनाश देशपांडे, सचिव सुधीर भारतीय, कोषाध्यक्ष मुकुंद देशपांडे, सदस्य सुनील विरूलकर नरेन्द्र भोसले के हाथों उक्त सामग्री सुपुर्द की गई। इसमें सीमा राठी, रचना राठी, शीला डागा, अर्पिता सारड़ा, मंजू चांडक, श्यामा भट्टड़, शीतल बूब, सुनीता राठी, अर्चना कोठारी, गीता राठी आदि समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

मकर संक्रांति पर्व का आयोजन

खरगोन. खरगोन माहेश्वरी महिला मंडल ने सक्रांति पर्व पर सदस्याओं ने हल्दी कुमकुम लगाकर एक दुसरे को सुहाग सामग्री प्रदान की। उसके उपरान्त मनोरंजक खेल खेलाये गये। पतंग का हौजी गेम और लकी गेम हुआ। इसमें प्रथम उर्मिला पलोड, कांता फोफलिया द्वितीय कविता सोढानी, रीना सोनी, तृतीय उमा सोमानी व जानकी खटोड रहीं। खरगोन जिला अध्यक्ष स्मिता बियानी, अलका सोमानी, जिला सचिव ऊषा सोमानी, कांता सोनी, अमिता खटोड, किरण आगाल, शकुन्तला सोमानी आदि उपस्थित थीं।

तुलसी पूजन का किया आयोजन

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल मालेगांव द्वारा,गतवर्षानुसार विश्वव्यापी अभियान में एक छोटे से योगदान के तहत गत 25 दिसंबर को तुलसी रोपण एवं पूजन का आयोजन महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल के सदस्यों ने साथ मिलकर किया। यह मंडल सदस्य अनिता कंलत्री के बगीचे में सम्पन्न किया गया। अध्यक्ष सरिता बाहेती ने सभी का स्वागत किया। अनिता कलंत्री, जयश्री जाजु,लक्ष्मी मुंदडा, सुनिता भाला, विजया कलंत्री, सरस्वती झंवर, सरला सारडा आदि का सहकार्य मिला। इसके साथ ही पोष बड़ा उत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ झालावारणा का भी आयोजन हुआ। वंदना जाजु व शारदा लाहोटी ने आभार व्यक्त किया।

"लोगों ने मुझे बताया था कि ... वक्त बदल जाता है। और वक्त ने मुझे बताया कि .... लोग भी बदल जाते हैं।"

गौसंरक्षण के लिये दे सहायता

सिरसा. गौवंश को बचाने के लिए सरकार को चाहिए कि वह सर्वप्रथम बूचडख़ानों को बंद करें और प्रति गाय 50 रुपए प्रतिदिन की दर से गौशालाओं को अनुदान प्रदान करें। उक्त विचार युवा समाज सेवी माहेश्वरी युवा संगठन कालांवाली के प्रधान पंकज माहेश्वरी ने सिरसा की कालांवाली विधान सभा के नंदबाबा गौसेवा संस्थान द्वारा गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये। श्री माहेश्वरी ने कहा कि एक तरफ तो सरकार गौवंश को बचाने के लिए नए नए कानून बनाती है। वहीं दूसरी तरफ बूचडख़ाने के लिए लाइसेंस भी सरकार ही प्रदान कर रही है।

गरीब बच्चो संग लोहड़ी व मकर संक्रांति

कालांवाली (सिरसा).झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले गरीब बच्चों व बुजुर्गों के साथ कालांवाली में लोहड़ी व मकर संक्रांति का त्यौहार माहेश्वरी सभा कालांवाली द्वारा मनाया गया। इस मौके पर प्रधान नरेश माहेश्वरी व महिला मंडल की प्रधान वीणा माहेश्वरी, युवा संगठन के उपप्रधान संयोग कोठारी, तरुण कोठारी, मोहनलाल, राजश्री माहेश्वरी, खुशबू कोठारी, प्रियल आदि ने मॉडल टाउन में गरीब बच्चों को गर्म जर्सियां, बूट, जुराब, रेवड़ी व मूंगफली बांटी तथा लंगर भी लगाया।

"मैदान में हारा हुआ फिर से जीत सकता है परंतु मन से हारा हुआ कभी जीत नहीं सकता आपका आत्मविश्वास ही आपकी सर्वश्रेष्ठ पूँजी है"

बागड़ी ने की क्रीडा भारती के कार्यक्रम की अध्यक्षता

नागपुर. क्रीड़ा भारती के तरफ से हेडगेवार स्मृति परिसर रेशमबाग मे विदर्भ स्तर की प्रांतीय आंतरशालेय घोषवादन स्पर्धा का आयोजन किया गया। स्पर्धा वरिष्ठ समाजसेवी शरद बागडी की अध्यक्षता व सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एवं पूर्व मेजर जनरल अच्युत देव की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित हुई। प्रांत अध्यक्ष अनिलकरवंदे ने अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ समाजसेवी श्री बागडी का परिचय देते हुये बताया कि श्री बागड़ी को बेटी बचाव-बेटी पढाओं, महिला सशक्तिकरण, बुजुर्गों के मानवाधिकार व उनके सामाजिक समस्याओ पर निष्पक्ष लेखन के कारण 2 अंतराष्ट्रीय, 9 राष्ट्रीय, 27 राज्यस्तरीय पुरस्कार के साथ करीब 110 संस्थाओ द्वारा संम्मानित किया जा चुका है।

मकर संक्रांति पर्व का आयोजन

अमरावती. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा महेश भवन में नये साल का बॉलीवुड थीम पर धमाकेदार स्वागत करते हुए सामाजिक उद्बोधन के साथ संक्रांति उत्सव मनाया गया। मंडल की अध्यक्ष अर्चना लाहोटी, सचिव सपना पनपालिया सनराइज ग्रुप की लीडर शीतल गांधी व लवीश राणिया की संकल्पना से कार्यक्रम का नियोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत हल्दी-कुमकुम से हुई। बतौर अतिथि डॉ. मंजूश्री बूब उपस्थित थी। ग्रुप लीडर शीतल गांधी व अर्पिता सारड़ा ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी।

नृत्य से दिखाई तीज-त्योहारों की झलक

महू. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय वार्षिकोत्सव रखा गया। इसमें पहले दिन मेला लगाया गया व दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गये। इसमें महिलाओं और युवतियों ने सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देकर 12 महीनों में होने वाले तीज-त्योहारों को दर्शाया। मंडल की प्रचार मंत्री रजनी सोड़ानी ने बताया कि माहेश्वरी स्कूल में रखे गए इस कार्यक्रम में पहले दिन लगे मेले में अनेक प्रकार के स्टॉल लगे थे, जिसमें व्यंजन, ज्वेलरी आदि के स्टॉल शामिल थे। इसके अलावा महिलाओं के लिये लक्की ड्रा व प्रश्न मंच भी रखा गया। लक्की ड्रा में खुशी सोढ़ानी प्रथम रही। दूसरे दिन गुलाबी नृत्य निशा रखी गई इसमें महिलाओं व युवतियों ने नृत्य के दौरान मकर संक्रांति, करवा चौथ, दीपावली, होली आदि त्योहारों की झलक दर्शायी। इस कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष किरण माहेश्वरी ने किया। इस कार्यक्रम में सहयोग लता लड्ढा, सीता चिंचाणी, संगीता बियाणी, स्वाति शारदा, संगीता सोढ़ानी, पद्मा सोढ़ानी सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

फन ऑन वेव्ज का हुआ आयोजन

सिंकदराबाद. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा फन ऑन वेव्ज का कार्यक्रम संपन्न हुआ। अध्यक्ष सुनीता मंत्री, सुनीता आगीवाल ने बताया कि इसमें बोट में सैर का 130 लोगों ने भाग लिया। तारा मोदानी, सीमा बंग ने सबका स्वागत किया। बोट में सबने लजीज व्यंजन तथा गेम्स का आनंद उठाया। संतोष झंवर, शशि सारडा, गौरी चोकड़ा, राखी नावंदर, राधा भट्टड़, सुनीता बजाज, गीता राठी, संतोष खडलोया, मंजू बंग ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। युवती मंडल ने भी भाग लिया।

क्षमा केवल गलती का मरहम हो सकता है विश्वास तौड़ने का नहीं.....
इसलिये जीवन मे ध्यान रहे कि हम कोई गलती भले ही करें पर किसी का विश्वास न तौड़े.....
क्योंकि माफ करना फिर भी सरल है
पर भूलना व पुनः विश्वास करना असंभव है!

पर्यटकों के लिए डाले फोटो

बूंदी. छोटी काशी बूंदी के पर्यटन स्थलों के फोटो गूगल मैप पर लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन्हें डालकर बूंदी के पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार में पर्यटन प्रेमी छायाकार नारायण मंडोवरा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर सैनी ने बताया कि इनके द्वारा लिए गए बूंदी के 300 से ज्यादा फोटो गूगल मैप पर 2018 में अपलोड किए गए हैं। 52,000 से ज्यादा भारतीय व विदेशी पर्यटक गूगल मैप पर अब तक इन्हें देख चुके हैं। इसलिए गूगल ने भी इनको धन्यवाद दिया है। पर्यटन विभाग की कई किताबों में भी इनके फोटो प्रकाशित हो चुके हैं। इसी तरह पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इनके द्वारा पर्यटन स्वागत केंद्र पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता रहा है। इसे भी बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक देखते हैं। श्री मंडोवरा वर्तमान में श्री माहेश्वरी पंचायत के प्रचार मंत्री व श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के सचिव हैं। पूर्व में भी इनकी कार्यशैली को देखते हुए जिला प्रशासन इन्हें तीन बार सम्मनित कर चुका है।

गोधा रंगनाथ विवाह उत्सव संपन्न

हैदराबाद. श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल चप्पल बाजार द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर में जारी धनुर्मास उत्सव के अंतर्गत श्री गोदा रंगनाथ के विवाह उत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः 9 बजे श्री गोदा रंगनाथ की शोभायात्रा गाजे बाजे और झांकियों के साथ सुसज्जित होकर मंदिर से निकली। नित्य पाठ के बाद श्री गोदा रंगनाथ की भव्य आरती हुई। इस अवसर पर समाजसेवी गोपाल बल्दवा, गोपाल सोमानी, गोपाललाल बंग, संपत तोषनीवाल, पवन मंत्री, दीपक बंग, महेश बजाज, कैलाश मंत्री आदि उपस्थित थे। कैलाश काबरा, भरत जाजू, प्रदीप चांडक, ओमप्रकाश मंत्री, प्रकाशनारायण राठी, श्याम राठी, सुरेश बंग, वेणुगोपाल बंग, श्याम मोदानी, जगदीश काकाणी, आनंद भराड़िया, मुरलीधर अट्टल, घनश्याम लोया, संजय मूंदड़ा, राजेंद्र धूत, प्रदीप जाजू, ओमप्रकाश जाजू, जगदीश भराड़िया, दामोदर सारडा आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

राजस्थान महोत्सव का हुआ आयोजन

नागपुर. सिविल लाइंस स्थित दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पर राजस्थान महोत्सव का आयोजन हुआ। गत 21 से 26 दिसंबर तक चले इस छह दिवसीय महोत्सव को श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत युवा समिति व मारवाड़ी फाउंडेशन, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें राजस्थानी नृत्य, राजस्थानी खाद्य पदार्थ व वस्तुओं, कठपुतली, ऊंट की सवारी आदि का समावेश था। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम को बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत विश्वस्त समिति के अध्यक्ष गिरधरलाल सिंगी, सचिव सुबोध मोहता, पंचायत अध्यक्ष प्रमोद बागड़ी, सचिव अजय मल्ल, राजेश बागड़ी, गिरधर डागा, मारवाड़ी फाउंडेशन अध्यक्ष गिरीश गांधी, सचिव सुधीर बाहेती आदि का मार्गदर्शन मिला। कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक प्रतीक बागड़ी एवं प्रकल्प संयोजक राज चांडक थे। कार्यक्रम में युवा समिति अध्यक्ष शिरीष मूंधड़ा, सचिव दीपक मोहता, राजा मोहता, गिरीश नत्थानी, कृष्णा राठी, संजय झंवर, शरद लखोटिया, गिरीराज कोठारी, मनुज मूंधड़ा, प्रणय डागा, रोहित दुजारी, रौनक बागड़ी, सुमित मोहता, मिलिंद मोहता आदि सहित श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत महिला समिति की अध्यक्ष वंदना मूंधड़ा, सचिव रेखा राठी एवं सभी महिला समिति सदस्याओं का सहयोग रहा।

माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव संपन्न

सिकंदराबाद. सिकंदराबाद की फाउंडर मेंबर सुनीता मंत्री सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनी गईं। सुनीता आगीवाल मंत्री बनीं। तारा मोदानी कोषाध्यक्ष, तारा बंग सहमंत्री, अर्चना मालानी उपाध्यक्ष, सीमा ईनानी प्रचार मंत्री चुनी गईं। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए। वंदना राठी, माला लोया, चंदकला बंग, शकुंतला मोदानी, रजनी राठी आदि ने पदाधिकारियों का स्वागत किया।

"तूफान में कश्तियां और अभिमान में हस्तियां डूब जाती है"

इफेक्टिव पैरेंटिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

परभणी. जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं परभणी तालुका माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में कार्यशाला 'मोती एक धागे के' एवं इफेक्टिव पैरेंटिंग कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रशिक्षणकर्ता रमेश परतानी (हैदराबाद), महाराष्ट्र प्रदेश के संगठन मंत्री ब्रिजगोपाल तोषनीवाल, अशोक सोनी, डॉ. किशोर मंत्री, डॉ. विवेक नावंदर, जयप्रकाश भंडारी, पुरुषोत्तम धूत, महिला जिलाध्यक्ष सरोज गट्टाणी, डॉ. जयश्री कालानी, डॉ. अनिता नावंदर आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन विद्या डागा ने किया। परिचय योगिता दाड़ ने दिया। आभार प्रदर्शन डॉ. अनिता नावंदर ने किया। इसका लगभग 300 समाजजनों ने लाभ लिया।

35 लाख से अधिक राम नाम जाप

अकोला. श्री जानकी वल्लभ सरकार धर्मार्थ संस्था अकोला की ओर से पांच दिवसीय श्री रामनाम जप का आयोजन स्थानीय रणपीसे नगर सावंतवाड़ी में किया गया। इसमें 35 लाख 935 राम नाम जाप राम भक्तों की उपस्थिति में हुआ। मुख्य यजमान नंदलाल मानुधने, लक्ष्मी मानुधने, अनिल मानुधने व कविता मानुधने थे।

"ढल जाती है हर चीज़ अपने वक्त पर,
बस एक दोस्ती है जो कभी बूढ़ी नहीं होती..!"

अभा माहेश्वरी सेवा सदन में घमासान

गंभीर आरोप लगाकर कोषाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

सदन ने इस मुद्दे को लेकर 26 जनवरी को आयोजित की बैठक, सीए की टीम करेगी जांच

पुष्कर. अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के अधीन भारत में चल रहे विभिन्न प्रकल्पों में भारी वित्तीय गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए सेवा सदन के कोषाध्यक्ष ने सेवा सदन के अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला को पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे के कारणों में ऐसे गंभीर आरोप लगाए कि इनकी जांच के लिए अब सेवा सदन ने तैयारी की है। इसके लिए गत 26 जनवरी को बैठक भी आयोजित हुई।

माहेश्वरी सेवा सदन के अधीन देश के कई धार्मिक स्थलों पर समाज की संपत्तियों के रखरखाव निर्माण के प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। करोड़ों रुपए का बजट भी स्वीकृत किया जाता रहा है। दिनेश माहेश्वरी ने सितंबर 2016 में कोषाध्यक्ष का पदभार संभाला था। उनके अचानक कोषाध्यक्ष पद से इस्तीफे ने समाज में हलचल मचा दी है।

श्री झंवर ने अध्यक्ष जुगल बिड़ला के नाम भेजे गए अपने त्याग पत्र में अपनी पीड़ा बयां करते हुए कई बड़े सवाल खड़े किए हैं। श्री झंवर के अनुसार उन्होंने सितंबर 2016 में बतौर कोषाध्यक्ष का कार्यभार संभाला था। और पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ समाज की सेवा की। फिजूलखर्ची को रोका और आय-व्यय को पारदर्शी बनाया। उनके अनुसार लंबे समय से उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि अध्यक्ष और महामंत्री अपनी मनमर्जी से काम करने लगे हैं। वे कोषाध्यक्ष हैं लेकिन इसके बावजूद उनकी बिना जानकारी के ही बिल पास हो रहे हैं। कोषाध्यक्ष होने के नाते समाज के सामने आय-व्यय का हिसाब प्रस्तुत करना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन जब उनके बिना हस्ताक्षर के ही बिल पास होने लगे तो फिर वे समाज को क्या जवाब देंगे?

गत बैठक में भी हुआ था हंगामा

पिछले दिनों सेवा सदन में प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक में काफी विवाद हुआ तथा हंगामे के बीच कुछ प्रस्तावों पर मुहर लगाने के आरोप भी लगाए गए थे। उन आरोपों में बताया गया था कि बैठक में जो आय-व्यय का ब्योरा पेश किया गया, उस पर कोषाध्यक्ष दिनेश माहेश्वरी के हस्ताक्षर नहीं हैं। तब अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला ने यह कहकर मामला टाल दिया था कि सदन के आय-व्यय को ब्योरा कोषाध्यक्ष सहित तीन जनों में से किसी भी दो के हस्ताक्षर होने पर मान्य होता है।

ऑडिट रिपोर्ट में कई खामियों के आरोप

इस्तीफे में वित्तीय वर्ष 2016-17 व 2017-18 में सेवा सदन के लेखों की ऑडिट रिपोर्ट में अनेकों खामियां सामने आने की जानकारी दी गई हैं। बताया गया है कि हरिद्वार के भवन निर्माण की सदन की बैलेंस शीट में दायित्व एवं जमा का सही इंद्राज नहीं किया गया है। इसी तरह से रविमोहन भूतड़ा एवं मेसर्स हरिकृपा एंड संस के लेनदेन का भी गलत इंद्राज किया गया है। आरोप है कि नाथद्वारा प्रोजेक्ट को लेकर सेवा सदन की ओर से तैयार किए गए लेखा रिकॉर्ड में सात लाख सत्रह हजार तीन सौ तीन रुपए का जीएसटी इनपुट लेना बताया गया है। जबकि यह भवन समाजसेवा के लिए बनाया गया है, बेचने के मकसद से नहीं। इसका जीएसटी इनपुट का लाभ कैसे लिया जा सकता है? पुष्कर के सेवा सदन की भोजनशाला को लेकर बनाई गई बैलेंस शीट में एक लाख 89909 रुपए का दायित्व बताया गया है जबकि इसी के संपत्ति कॉलम को खाली छोड़ा गया है।

विशेषज्ञों की समिति करेगी जांच

कोषाध्यक्ष श्री माहेश्वरी ने अपने पद से इस्तीफा दिया है, जो मुझे प्राप्त हुआ। उन्हें इस्तीफा देने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसे स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार कार्यकारिणी को है। कार्यकारिणी इस पर निर्णय लेगी। श्री माहेश्वरी ने अपने इस्तीफे के कारणों में कई गंभीर आरोप लगाए हैं। यह जांच का विषय है क्योंकि इससे सदन की प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है, जांच में यह पता लगाया जाएगा कि कहा और किससे त्रुटि हुई है और सदन को कितना और क्या नुकसान हुआ है अतः इनकी जांच के लिए एक कार्यकारिणी सदस्य एवं तीन सीए सहित विशेषज्ञों की जांच समिति बनाई गई है। यह समिति दस दिन में गहन जांच के पश्चात अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे तत्पश्चात निर्णय लिया जाएगा।

- जुगलकिशोर बिड़ला
अध्यक्ष अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर

मोहित सोडाणी "दिव्यश्री" पुरस्कार से सम्मानित

भीलवाड़ा. माहेश्वरी महासंघ एवं माहेश्वरी अखाड़ा भारत द्वारा पूरे देश में विभिन्न क्षेत्रों में 'दिव्य पुरस्कारों' की घोषणा कर दी गई है। अखिल भारतीय स्तर पर माहेश्वरी समाज में खेलों के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने हेतु भीलवाड़ा के मोहित सोडाणी को इसमें 'दिव्य श्री' पुरस्कार भेंट करने की घोषणा की गई है। उल्लेखनीय है कि मोहित ने गत वर्ष बांग्लादेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में भारतीय टीम के कप्तान के रूप में स्वर्ण पदक जीता था तथा मलेशिया में आयोजित ओपन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भारतीय टीम के मैनेजर के रूप में प्रतिनिधित्व किया एवं इसमें भारतीय टीम रनरअप रही।

नृसिंह मंदिर में मना स्थापना दिवस

राजोद. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा नगर में प्रसिद्ध श्री नृसिंह मंदिर में मूर्ति स्थापना की तृतीय वर्षगांठ समाजजनों द्वारा धूमधाम से मनाई गई। आयोजन में नृसिंह भगवान का महाअभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य रूप से माहेश्वरी समाजजन एवं माहेश्वरी महिला मंडल मौजूद था। उक्त जानकारी आयुष माहेश्वरी ने दी।

बधर माता के जागरण का हुआ आयोजन

हैदराबाद. बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा सोमाणी, मर्दा, छापरवाल, मक्कड़ तथा थीराणी खांपों की कुलदेवी बधर माता का जागरण संपन्न हुआ। समिति के प्रधान संयोजक राजेश सोमाणी और रमेश मर्दा ने बताया कि 12 जनवरी को इसके अंतर्गत माहेश्वरी भवन बेगम बजार में सप्तशती का पाठ यजमान गोविंद सोमाणी-वंदना सोमाणी राजगोपाल मर्दा व श्रीमती राजगोपाल द्वारा संपन्न किया गया। ओमप्रकाश मर्दा, रमेश मर्दा, पुलकित सोमाणी, मनोज सोमाणी, पवन सोमाणी, राजगोपाल मर्दा, गोविंद सोमाणी, गोवर्धन मर्दा व पंकज सोमाणी ने कुलदेवी का पूजन किया। श्याम सत्संग समिति द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए। महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम हुआ। हंसराज सोमाणी, श्यामसुंदर मर्दा, कमल मर्दा, गोपाल सोमाणी, संतोष सोमाणी (निजामाबाद), मांगीलाल सोमाणी (मंचेरीयाल), हीरालाल सोमाणी (चेन्नूर), सत्यनारायण सोमाणी (चैतन्या पुरी), आशीष बागड़ी, श्रीनिवास सोमाणी, सूरज करण मर्दा आदि उपस्थित थे।

माहेश्वरी संस्कृति ग्रुप जानकारी पत्रक विमोचित

इंदौर. माहेश्वरी संस्कृति हाईटेक ग्रुप इवेंट्स वर्ष 2019 के जानकारी पत्रक का विमोचन ख्यात समाजसेवी एवं उद्योगपति सीए सुरेश राठी, जोधपुर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने सभी समाजजनों से साथ मिलकर सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों को आयोजित करने की अपील की। उक्त जानकारी देते हुए संयोजक मुनीश-किरण मालानी ने बताया कि अतिथियों का स्वागत कृष्णावतार-पुष्पा राठी, प्रो. बालकृष्ण सरिता राठी व ओम-स्वाति टावरी ने किया। आभार मधुसूदन-किरण माहेश्वरी ने माना।

सोनल बनीं सीए

सोलापुर (महाराष्ट्र). माहेश्वरी समाज के प्रतिष्ठित व्यवसायी रंगलाल मर्दा की पौत्री तथा संजय मर्दा (सीए) व पुष्पादेवी की सुपुत्री सोनल ने सीए फाइनल परीक्षा श्रेष्ठ अंकों से उत्तीर्ण की। सोनल एसआर चंडक इंग्लिश मीडियम सोलापुर का बेस्ट स्टूडेंट अवॉर्ड भी प्राप्त कर चुकी है। उन्होंने इंडियन टैलेंट सर्च एक्जामिनेशन 2009 में ऑल लेवल पर प्रथम रैंक प्राप्त की थी।

आर्यमान को प्रधानमंत्री बाल शक्ति पुरस्कार

कोलकाता. समाज के प्रतिभावान 14 वर्षीय छात्र आर्यमान लखोटिया ने प्रधानमंत्री बाल शक्ति पुरस्कार 2019 जीता है। वे सेंट जेम्स स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र हैं। आर्यमान उन 26 छात्रों में से एक हैं जिन्हें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पुरस्कार दिया। गत दिनों सभी छात्रों से प्रधानमंत्री नरेंद्र ने पीएम हाउस में मुलाकात की। वहीं प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर आर्यमान को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि कोलकाता के गरीब बच्चों में खिलौने बांटने के लिए आर्यमान ने टॉय जॉय की स्थापना की है। कई शहरों में यह संस्था फैली हुई है जो गरीब बच्चों के जीवन में मुस्कान फैला रही है। आर्यमान गणतंत्र दिवस की परेड में भी शामिल हुए।

जनसेवा से मनाया गणतंत्र दिवस

बीकानेर. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति के तत्वावधान में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर कैंसर वार्ड के रैन बसेरे में महिला समिति की कार्यकारिणी सदस्या विभा बिहाणी के नेतृत्व में वहां भर्ती रोगियों को जरूरी वस्तुएं वितरित की गईं। कार्यकारिणी सदस्या निशा झंवर ने बताया कि इस अवसर पर सर्दी से राहत प्रदान करने हेतु गरम कंबलों का वितरण किया गया। वहीं उन्हें सर्दी के मेवे के रूप में गजक, मूंगफली, तिल पापड़ी आदि का वितरण भी किया गया। सदस्या रेखा लोहिया ने बताया कि इस अवसर पर रोगियों को दूध भी पिलाया गया। महिला समिति की संरक्षिका किरण झंवर, मंजू करनाणी, चंद्रकला कोठारी, रेखा लोहिया, विभा बियाणी, मंजू भैया, सरस्वती करनाणी, अनूभा, सरिता चांडक, सरला बाहेती, निशा झंवर, अंजलि झंवर, कंचन राठी आदि कई सदस्याएं मौजूद थीं।

कौई मरहम नहीं चाहिये,
जख्म मिटाने के लिये,
तेरी एक झलक ही काफी है
मेरे ठीक हो जाने के लिये।

परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

इंदौर. समाज के विवाह योग्य उच्च शिक्षित व प्रोफेशनल युवक-युवतियों का दशम परिचय सम्मेलन श्री माहेश्वरी संस्कृति केंद्र द्वारा गत दिनों आयोजित किया गया। यह आयोजन गत 23 दिसंबर को इंदौर के होटल सयाजी, अंबर कनवेक्शन सेंटर, बेस्ट प्राइस के पास, देवास बायपास रोड निपानिया में किया गया। सम्मेलन में कुछ 290 प्रविष्टियां सम्मिलित की गईं। इसमें से 142 लड़कियों एवं 97 लड़कों से संबंधित थी। इसमें भारत के विभिन्न 17 राज्यों के अलावा 22 विदेशों से भी प्रत्याशी शामिल थे। संयोजक मुनीश मालानी ने बताया कि कार्यक्रम के सम्मानीय अतिथि सीए सुरेश राठी जोधपुर, नंदकिशोर मालू बैंगलोर, मधुसूदन गांधी मुंबई, अनिल तोतला इंदौर, निर्मला मल कोलकाता, उमा जाजू सूरत थे। इसमें प्रत्याशियों ने हॉट सीट पर बैठकर अपना परिचय दिया। भव्य स्क्रीन पर प्रत्याशी का बायोडाटा एवं अन्य जानकारियां प्रदर्शित की गईं। प्रत्याशियों की विस्तृत जानकारी हेतु डायरेक्टरी 'पहल' का विमोचन भी किया गया। उक्त जानकारी सहसंयोजक ओम टावरी व उपसंयोजक कृष्णावतार राठी ने दी।

रक्तदान व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

बाग (मप्र). श्रीमती उर्मिला झंवर (नाथी जीजी) फाउंडेशन बाग द्वारा गत 6 जनवरी को माहेश्वरी महिला मंडल व पूर्व अध्यक्ष उर्मिला झंवर की स्मृति में झंवर परिवार बाग तथा इंदौर के सहयोग से द्वितीय रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। ट्रस्टी बालकृष्ण झंवर ने बताया कि शिविर में 155 व्यक्तियों ने पंजीयन कराया। वहीं 65 व्यक्तियों ने रक्तदान किया। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। रक्तदान में ललित लाड़ एवं टीम बड़वानी का सहयोग रहा। शुभारंभ तहसीलदार पूर्णिमा सिंगी, राजेंद्र मालवीया, डॉ. कृष्णा चितलांग्या, ट्रस्टी बालकृष्ण झंवर द्वारा किया गया। संबोधन वंदना झंवर, ज्योति झंवर, मिलन झंवर, प्रतिभा झंवर द्वारा दिया गया। जिन व्यक्तियों ने रक्तदान किया उन्हें उपहार दिए गए। चिकित्सकों का उपहार देकर अभिनंदन किया गया। आभार नवीन मोदानी, दिनेश झंवर, ओमप्रकाश झंवर, प्रभुलाल झंवर, प्रहलाद राठी, उमेश झंवर, अखिलेश झंवर, कृष्णकांत झंवर आदि ने माना।

गग्गड़ बने कांग्रेस प्रदेश महामंत्री

जयपुर. स्व. श्री भंवरलाल गग्गड़ व कंचनदेवी के सुपुत्र ओमप्रकाश गग्गड़ को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत ने कांग्रेस के उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है। उल्लेखनीय है कि श्री गग्गड़ विद्यालय और कॉलेज काल से ही सक्रिय राजनीति में भाग लिया है आपके कई बड़े समकालिन राजनेताओं से घनिष्ठ संबंध है आपने सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में अनुठी छाप छोड़ी है। इसके साथ ही श्री गग्गड़ माहेश्वरी समाज में सक्रिय रहते हुए लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांतीय सचिव के रूप में दो वर्ष तक अपनी सेवाएं दी है। आपकी पत्नि सरला गग्गड़ कुशल गृहणी है एवं ज्येष्ठ पुत्र श्रीहान ने अपनी माहेश्वरी होम केयर लि. इण्डस्ट्रीज स्थापित की है। कनिष्ठ बेटे शुभम एडव्होकेट एवं पुत्री खुशबु सीए है।

५९ यूनिट रक्तदान कर बनाया कीर्तिमान

शुजालपुर. जियो लाईफ फाउंडेशन एवं अंकुर एग्रो के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन शुजालपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक इंदरसिंह परमार, राजेंद्र चौधरी, डॉ. केके जैन, डॉ. रवींद्र गुप्ता, कैलाश सोनी के आतिथ्य में हुआ। रक्तदाताओं को प्रेरित करने में रीना चौधरी, जया माहेश्वरी की महती भूमिका रही। जिला चिकित्सालय की टीम में पवन सोनी, सतीश कुशवाह, जावेद हाशमी का सहयोग रहा।

> "यदि आप असंभव को संभव बनाना चाहते हैं तो असंभव को पाने के लिए आपको कुछ ऐसा करना होगा जो अकल्पनीय हो। यदि आप ऐसा कर सकते हैं तो आगे बढ़कर नया और जो अब तक सोचा न गया हो, कुछ ऐसा कीजिए।"

।। जय महेश ।।

माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवती परिचय (जोधपुर)

Photo

☐ Boy ☐ Girl

☐ Professional ☐ Non-Professional

Special - ☐ Divorcee ☐ Widow/Widower ☐ Handicap

Name : ..... Surname: ..... Maternal Caste : .....

Birth Place: ..... Birth Date : ..... Birth Time : .....AM / PM

Mangalik (Y / N) ..... Height ..... Ft ..... Inch Weight ..... Kg

Hobbies : ..... Age : .....Yrs.

Qualification : ..... Kundali Match (Y/N) .....

Occupation Details: ..... Place : .....

Designation : ..... Annual Income : .....

Father's Name : ..... Father's Occupation :.....

Permanent Address (Own/Rented) : .....

.....

Present Address(Own/Rented) : .....

.....

Tel. No.: ..... Mobile : .....

E-mail : ..... Face Book Name : .....

Partner Preference: .....

- All Details should be filled in CAPITAL LETTERS only. **- If possible send by E-mail : parichay@sureshrathi.in.**

इस परिचय पुस्तिका के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 500/– रुपये (डाक खर्च सहित) रखा गया है, जिसमें आपको एक परिचय पुस्तिका की प्रति एवं सीडी आपके घर पर उपलब्ध कराई जाएगी। फॉर्म हमारे ऑफिस में उपलब्ध हैं। आप पेमेंट केश, चेक एवं बैंक ट्रांसफर के द्वारा दे सकते हैं। आपसे निवेदन है कि युवक/युवती की सगाई तय हो जाने की स्थिति में इसकी सूचना हमें 30 अप्रेल के पहले हमारे ईमेल आईडी **parichay@sureshrathi.in** पर भेज दें, जिससे उस उम्मीदवार का विवरण हटाया जा सके, और हम आपका रजिस्ट्रेशन शुल्क भी चेक से रिफण्ड कर देंगे। आप **4X6** का फोटो इसके साथ अटैच कर सकते है

परिचय पुस्तिका के सम्पूर्ण डाटा वेबसाइट **www.sureshrathi.org** पर भी उपलब्ध रहेगा। अगर आप चाहे तो बायोडाटा हमारी वेबसाइट पर भी अपलोड कर सकते हैं।

बैंक डिटेल इस प्रकार हैं–

Cheque in favor of :
Narayan Das Dangra
Bank Name :
Equitas Small Finance Bank Ltd., Jodhpur
A/c No : 100000845485
IFSC Code : ESFB0016014

ऑफिस का पता – सुरेश राठी, कोटक बैंक के सामने, बोम्बे मोटर सर्किल, चौपासनी रोड, जोधपुर
सम्पर्क सूत्र – 0291–2797000, 9982154000

सुरेश राठी
संयोजक – परिचय पुस्तिका 2019

मारवाड़ की धरा जोधपुर पर हुआ माहेश्वरी कुम्भ

जोधपुर के पोलोग्राउण्ड पर भव्य आयोजन
राज. प्रादेशिक सभा के संयोजन में जोधपुर समाज ने की हृदयस्पर्शी मेजबानी

टीम SMT

जोधपुर की धरा पर माहेश्वरी समाज के अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाअधिवेशन में पूरा जोधपुर माहेश्वरी समाज मेहमानों की आवभगत में अपणायत की शहर का परिचय देते हुए पलक पावड़े बिछा दिये। राष्ट्र एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कई शख्सियतें इस महाकुंभ का हिस्सा बनी। इस महाकुंभ घर-परिवार व व्यापार को सुदृढ़ बनाने, नई पीढ़ी कोअपनी सामाजिक पहचान से रूबरू करवाने की पहल की गई। माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो किसी भी ट्रेड फेयर में अंतराष्ट्रीय स्तर का अभी तक का सबसे भव्यतम आयोजन नजर आया। आयोजन के उद्घाटन के दौरान बीएसएफ, मेहरानगढ़, आरसी, आर्मी, एफओडी, सुंदर व पंजाबी सहित देश की प्रसिद्ध बैंड पार्टी मौजूद रही। उद्घाटन 5 जनवरी को हुआ।

उद्घाटन में कई हस्तियाँ मौजूद

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने कहा कि माहेश्वरी समाज वैदिक काल से देश की संस्कृति और सभ्यता में योगदानदे रहा

अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा जोधपुर में गत 5 से 7 जनवरी तक अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें सम्भवत: स्थानीय सहित हजारों समाजजन शामिल हुए। समाजहित में राजनीति, उद्योग-व्यवसाय व प्रशासनिक सेवा आदि कई विशिष्ट क्षेत्रों की समाज की ख्यात हस्तियों ने उपस्थित रहकर समाज को मार्गदर्शित किया। हर कोई जोधपुर समाज की व्यवस्था को सराहे बिना नहीं रहा।

है। वे पोलो ग्राउंड में चार दिवसीय माहेश्वरी ग्लोबल एम्सपो के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने का कि मारवाड़ की धरती पर इस समारोह का आयोजन सूर्यनगरी वासियों के लिए गर्व की बात है। यहाँ आए बिजनेस टाइकून का फायदा यहां के लोगों को भी मिलेगा। महापौर घनश्याम ओझा ने कहा कि इस आयोजन से दूसरी संस्थाओं व समाज को प्रेरणा मिलेगी। विधायक किरण माहेश्वरी ने कहा कि यहाँ की व्यवस्थाओं को देखकर लगता है कि यहां कार्य समाज नहीं बल्कि सरकार करवा रही है। विधायक अशोक लाहोटी ने कहा कि आजादी से पहले यह समाज राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाता आ रहा है। श्याम जाजू ने कहा कि माहेश्वरी समाज के लिए देश और समाज सर्वोपरि हैं। समारोह में श्यामसुंदर सोनी, सत्यनारायण नुवाल व राधाकिशन दम्मानी ने भी विचार रखे। शहर विधायक मनीषा पंवार, जेएनवीयू के कुलपति प्रो. गुलाबसिंह चौहान, पूर्व सांसद जसवंतसिंह विश्नोई, उपमहापौर देवेंद्र सालेचा, मालपानी ग्रुप के

राजेश मालानी, कोलसाइट समूह के श्रीवल्लभ काबरा, माहेश्वरी समूह के विजय मानधनी, आरआर ग्लोबल के आरएल काबरा, श्रीसीमेंट समूह के हरिमोहन बांगड, दामदोर बंग रामलाल सोनी, पुरुषोत्तम मूंदड़ा, मुरलीधर भूतड़ा, ओमप्रकाश भूतड़ा, सत्यनारायण भट्टड़ आदि मौजूद थे। स्वागत भाषण गोपीकिशन मालानी ने दिया। आभार प्रदेशाध्यक्ष जेएम बूब ने जताया।

ग्लोबल एक्सपो में विभिन्न कम्पनियों के 450 स्टॉल्स

एक्सपो अपनी विशिष्ट स्टॉल्स से सम्पूर्ण शहर की आकर्षण का केन्द्र बनी रही। एडवरटाइजिंग, केमिकल एंड पेट्रोलियम, एफएमसीजी, इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, ऑटोमोटिव, फैशन एंड लाइफ स्टाइल, हॉस्पिटेलिटी, मेडिकल एंड इंडस्ट्रीज, कॉस्मेटिक एंड पर्सनल केयर, फर्नीचर एंड इंटीरियर्स, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स व ड्यूरेबल्स, एज्यूकेशन-गाइडेंस, बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विस, आईटी इंडस्ट्रीज, कंस्ट्रक्शन एंड रियल एस्टेट, सोलर एनर्जी सर्विस, लॉजिस्टिक्स, एनजीओ, ऑर्गेनिक एंड एग्रो प्रोडक्ट्स, पैकिंग व प्रिंटिंग तथा रिन्यूबल एनर्जी सहित 25 सेक्टर्स में कार्यरत कंपनियों की 450 से ज्यादा स्टॉल्स लगायी गई। जागाओं ने भी अपनी स्टॉल लगाकर मार्गदर्शन दिया।

मार्गदर्शन के लिए आये प्रशासनिक अधिकारी

माहेश्वरी समाज में वर्तमान में सिविल सर्वेंट्स की संख्या 100 से भी कम हैं। समिट में हिस्सा लेने आए समाज के सिविल सर्वेंट्स का कहना था कि व्यापार के साथ वही समाज प्रगतिशील माना जाता है जिसमें सिविल सर्वेंट्स की संख्या भी ज्यादा हो। माहेश्वरी महाकुंभ में इसे बढ़ावा देने के लिए समाज के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस ऑफिसर्स भी युवाओं को प्रेरित करने आए थे। इनमें हरिओम गांधी जोनल डायरेक्टर- एनसीबी अहमदाबाद (भरतपुर) आईआरएस चंदन पुंगलिया डिप्टी कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स-नई दिल्ली, आईआरएस-संजय पुंगलिया एडि. कमिश्नर-इनकम टैक्स चित्तौड़ आदि शामिल थे। इन्होंने अपने जीवन की प्रेरक कहानियों से भी युवाओं को प्रेरित किया। साथ ही प्रशासनिक सेवा में जाने के लिए प्रतिस्पर्धा परीक्षा की तैयारी के गुरु भी बताये।

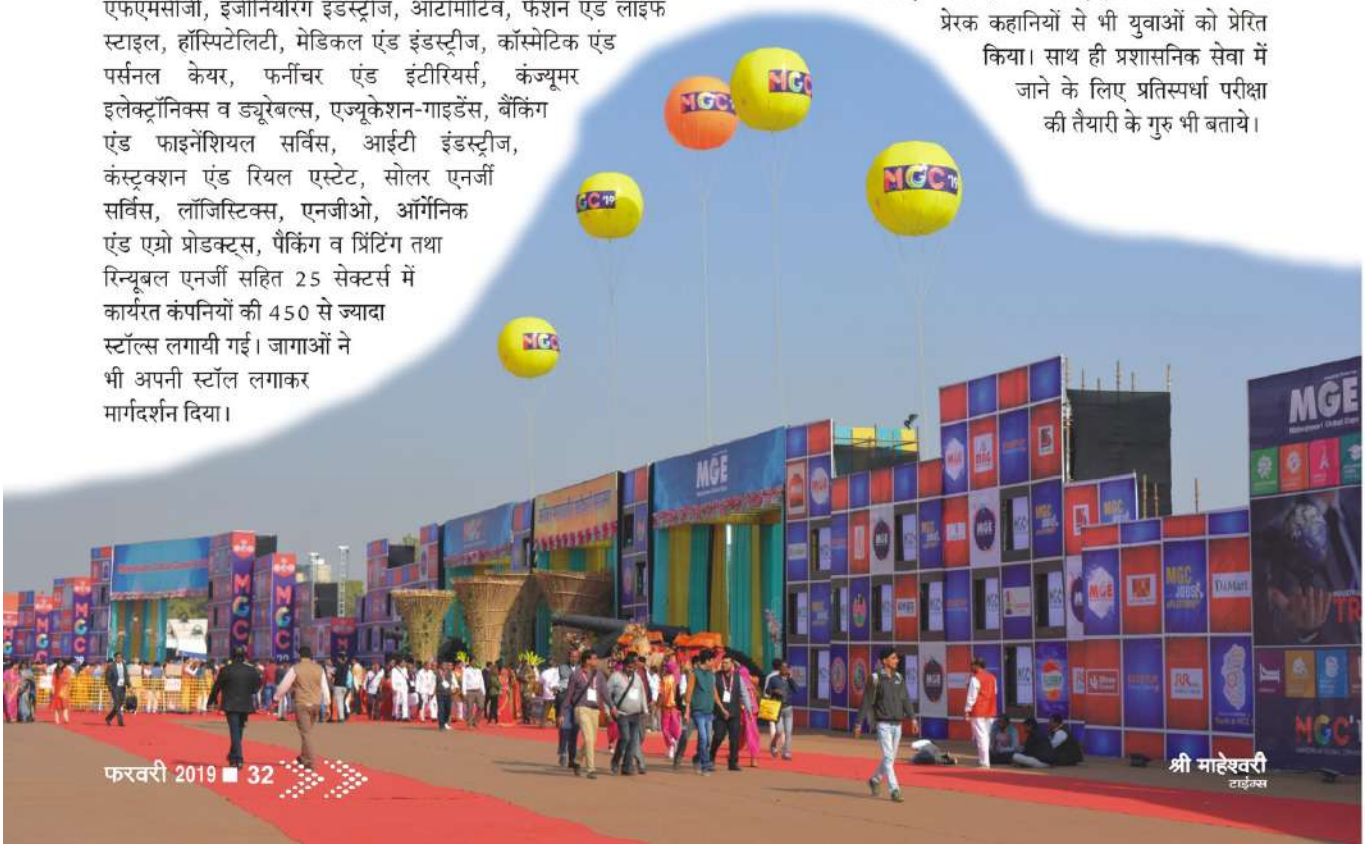

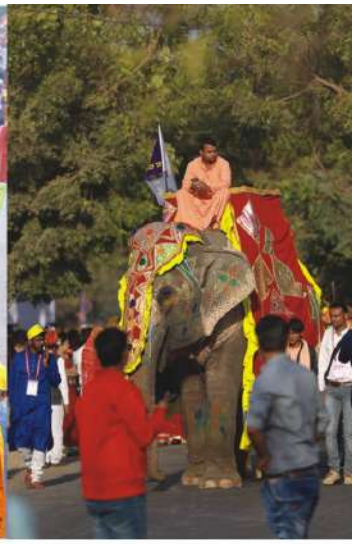

अगले दिन निकली भव्य शोभायात्रा

महाधिवेशन के अगले दिन देश-विदेश व विभिन्न अंचलों से आये समाजजनों की एकता की शक्ति का नजारा सुबह निकली भव्य शोभायात्रा में दिखाई दिया। इसमें देश के विभिन्न प्रांतों की सभ्यता, संस्कृति से जुड़ी झांकियों ने देश की अनेकता में एकता के भाव को साकार किया गया। शोभायात्रा में अपने राज्य की परंपरागत पोषाक पहने देश-विदेश से आए माहेश्वरी समाज के लोग भगवान महेश के जयघोष के साथ नृत्य-संकीर्तन करते चल रहे थे। इन्होंने स्लोगन लिखी तख्तियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, योग, स्वच्छ समाज का संदेश भी दिया। हाथी-घोड़ों, गाजे-बाजे के साथ आयोजित शोभायात्रा में समाज की महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और युवाओं में खासा उत्साह नजर आया। शोभायात्रा के अंतिम छोर पर शाही पालकी में विराजित माहेश्वरी समाज के आराध्य भगवान महेश का कई जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। छत्तीसगढ़के बैंड के साथ माहेश्वरी समाज के युवाओं का बैंड भी आकर्षण का केंद्र रहा। एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज से रवाना होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई महाधिवेशन स्थल पोलो ग्राउंड पहुंची शोभायात्रा का जोधपुर माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने स्वागत किया।

शहर को भी दी 5 सौगातें

यह आयोजन सिर्फ समाजहित तक ही सीमित नहीं रहा। जहां जीएसटी के रूप में इससे देश को कर प्राप्त हुआ व नये उद्यमियों ने विकास की नींव रखीं। वहीं शहर को भी विकास में सौगातें मिलीं। समाज के चार जोधपुर के उद्यमियों ने 28 करोड़ की लागत से शहर को चार सौगातें देने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने अधिवेशन के आयोजन के दौरान चारों उद्यमियों को मंच पर सम्मानित किया। घोषणा करने वाले उद्यमियों में गोपीकिशन माहेश्वरी ने 7 करोड़ रुपए देने की घोषणा करते हुए शहर में हॉस्टल बनाने की घोषणा की। सत्यनारायण धूत ने 7 करोड़ रुपए की लागत से गेम्स एकेडमी बनाने, ओम सोनी की ओर से 7 करोड़ रुपये की लागत से असहायों के लिए अपना घर का भवन निर्माण व भंवरलाल सोनी ने अत्याधुनिक स्कूल का निर्माण करवाने की घोषणा की। गर्ल्स हॉस्टल बनवाने के लिए अर्जुन राठी ने 600 गज का भूखंड उपलब्ध करवाया, ये हॉस्टल भी वे ही बनवाएंगे। ये सभी प्रोजेक्ट महेश मानव कल्याण सेवा समिति के बैनर तले पूरे किये जाएंगे।

गडकरी सहित कई हस्तियाँ अतिथि

आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सहित कई हस्तियाँ अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि श्री गडकरी ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने उद्योग, व्यापार, चातुर्य व बुद्धि से पूरे विश्व में नाम कमाया है। देश की अर्थ व्यवस्था में इस समाज द्वारा दिए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अब माहेश्वरी समाज की जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ गई है कि वे अपने समाज के साथ ही संपूर्ण भारतवर्ष के युवाओं को रोजगदार देने की दिशा में और अधिक कार्य करें ताकि संपन्नता के मामले में हम किसी से पीछे नहीं रहे। इस दौरान केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, पूर्व मंत्री किरण माहेश्वरी, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी, महापौर घनश्याम ओझा, उपमहापौर देवेंद्र सालेचा सहित कई जनप्रतिनिधियों व बिजनेस टाइकून ने समारोह को संबोधित करते हुए इसे ऐतिहासिक व मील का पत्थर बताया। प्रदेशाध्यक्ष जेएम बूब ने सभी का आभार ज्ञापित किया। संचालन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री व मुख्य समन्वयक संदीप काबरा ने किया।

विशेषज्ञों ने बताये सफलता के गुर

इसी कार्यक्रम में दूसरी ओर चर्चा सत्र में चर्चा हो रही थी तीसरी पीढ़ी व्यपार में कायमयाब क्यों नहीं होती? कैसे कामयाब हो सकते हैं? यह एक्सपर्ट समझा रहे थे? लाइफ कोच पवन सारड़ा ने समाज के व्यापारियों को समझाया कि फैमिली बिजनेस को कैसे पीढ़ियों तक जीवित रखा जा सकता है। वे सेमिनार में तीसरी पीढ़ी तक आते-आते फैमिली बिजनेस सरवाइव क्यों नहीं कर पाते? विषय पर विचार व्यक्त कर रहे थे। बड़ों के साथ ही उन्होंने युवाओं से भी कहा कि जैसे उन्हें फेसबुक और ट्विटर के फाउंडर्स की जानकारी है, वैसे ही अपने फैमिली बिजनेस का भी इतिहास ढूंढकर उसका डॉक्यूमेंटेशन करें तो देखेंगे कि हमारे समाज के पास कितनी विजनरी सोच थी। अमेरिका में बोइंग कंपनी में सीनियर डायरेक्टर मोनिका पनपालिया ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड डिजिटलाइजेशन विषय पर बोलते हुए बीस सालों बाद की उस दुनिया की सैर करवा दी, जिसकी आज कल्पना भी असंभव है। उन्होंने आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डिजिटलाइजेशन में करिअर ऑप्शंस की संभावनाओं के बारे में चर्चाओं के बाद अपने स्पीच को समाप्त किया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आरसी लाहोटी ने भी व्यवसाय के गुर देते हुए कहा कि वक्त के साथ बदलाव जरूरी है। अब ऑनलाईन का जमाना होने से उसमें एक ठहराव सा आ गया है, इसलिए टाइम, डिमांड और ब्रांड को टारगेट करना आवश्यक है। ऐसे में कारोबारी खुद भी अपने बिजनेस को न्यू लुक और डिजाईन के साथ अपने ब्रांड को ऑनलाइन मार्केट में उतारे, लेकिन यह बात भी नहीं भूलनी है कि लोकल मार्केट में भी अपनी पहचान कायम रखें। सलमान खान की चैरिटी के लिए बीइंग ह्यूमन के कपड़े बनाने वाले द मानधना रिटेल वेंचर्स लिमिटेड के सीईओ मनीष मानधना ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपने पीढ़ियों से चले आ रहे बिजनेस को मुश्किल से संभाल पा रही है। इसलिए किसी भी बिजनेस में टिके रहने के लिए कम से कम एक हजार दिन यानी तीन साल तक उस बिजनेस में जमकर मेहनत करें।

स्टार्टअप से दिखी युवाओं की प्रतिभा

होटल रेडिशन में स्टार्टअप चैलेंज आयोजित किया गया। इसमें न्यूकमर्स तथा वहां आए लोगों को स्टार्टअप के बारे में बताया गया। कंचन ग्रुप के सीईओ एलडी बांगड ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में फर्स्ट राउंड में पूरे भारत से आये 175 स्टार्टअप आयडियाज में से 29 बेस्ट आइडिया को चुना गया। सेकेंड राउंड में ज्यूरी ने इनमें से 10 आइडियाज चुने। इनके क्रिएटर ने प्रेजेंटेशन देकर अपने स्टार्टअप चैलेंज के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में मनीष माहेश्वरी, अरूण लखानी, रमाकांत बाहेती, मेकीन माहेश्वरी तथा परिमल मर्चेंट ज्यूरी थे और मेहमान के रूप में किरण माहेश्वरी, संदीप जाजू, श्याम जाजू, जयेश टावरी मौजूद थे। पुरस्कृत में स्टार्टअप "कारघाट" के क्रिएटर अजय मूंदड़ा थे। कारघाट एक कार सर्विस एप्लीकेशन है जिसमें आप अपने समय के अकॉर्डिंग कार को वॉश या सर्विस करवा सकते हैं। इसमें आप अपना एड्रेस डालकर बता सकते हैं कि आपकी कार की वॉश या सर्विस कहां करानी है। स्टार्टअप "पेड लॉक" के क्रिएटर राजेंद्र सोनी थे। ये भी मोबाइल एप्लीकेशन है जो

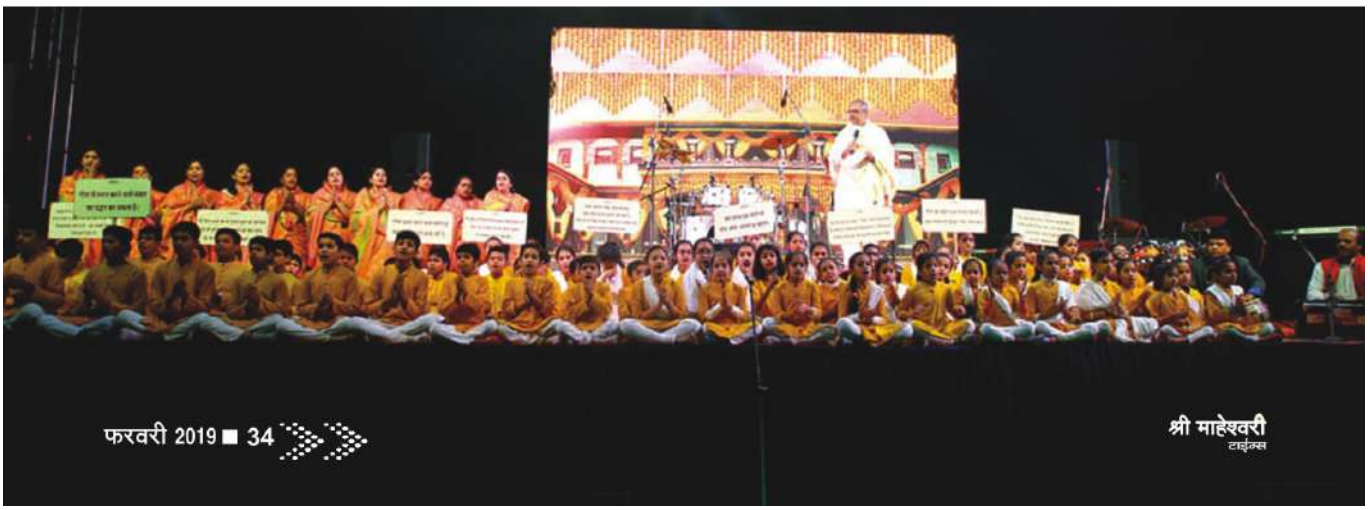

आपने घर को कब लॉक किया, कब क्लोज किया सब हाथोहाथ अपडेट कर देगा। इस एप्लीकेशन के जरिए अपने घर, ऑफिस तथा अन्य जगहों की सिक्योरिटी मिलेगी। स्टार्डअप ''गोरखाना'' के क्रिएटर अंकुर सिंह थे। ये भी मोबाइल एप्लीकेशन है, जिसमें आप ऑनलाइन हाइजेनिक फूड की घर बैठे डिलीवरी करवा सकते हैं। इन आर्डर की 30 मिनट में डिलीवरी की जाएगी। स्टार्डअप ''रोटी'' के क्रिएटर सुधांशु माहेश्वरी थे। रोटी एक ऑफलाइन प्रोडक्ट है। जिसमें आपको 7 दिन तक खराब न होने वाली रोटी प्रोवाइड की जाएगी। आप 7 दिन के भीतर कभी भी इस प्रोडक्ट को खा सकते हैं। ये प्रोडक्ट आपको आने वाले समय में मार्केट में मिलेगा।

''हम दो हमारे तीन'' का फैसला

महासम्मेलन के तृतीय दिवस को समाज के नेतृत्व ने '' हम दो हमारे तीन'' का नारा देकर समाज की जनसंख्या वृद्धि का अलख जगाने का प्रयास किया। देश में माहेश्वरी समाज की आबादी महज 10 लाख है, और वह भी लगातार कम हो रही है। महासभा ने उस पर चिंता जताई गई। महासभा की देर रात तक चली कार्यसमिति व कार्यकारिणी मंडल की बैठक में श्यामुसंदर सोनी की अध्यक्षता में यह प्रस्ताव रखा गया था। श्री सोनी ने बताया कि समाज की जनसंख्या को बढ़ाने के लिये यह फैसला लिया गया है। इस बैठक में समाज के आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक स्तर को सुधारने के लिये कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी रखे गए थे। जिस पर अधिवेशन के समापन के अवसर ध्वनिमत से मंजूर करवाए गए। कार्यक्रम में स्टार्टअप चैलेंज अवार्ड के विजेता आदित्य माहेश्वरी को लोस अध्यक्ष सुमित्रा महाजन व महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने चेक प्रदान किया।

समाजहित में ये निर्णय

किराए के मकान से मुक्ति- समाज के आर्थिक सर्वेक्षण में सामने आया कि समाज के कई परिवार किराए के मकान में रह रहे हैं। इसकी वजह से उनका आर्थिक विकास भी प्रभावित हो रहा है। समाज के स्तर पर विभिन्न शहरों में महेश कॉलोनी व महेश कॉम्प्लेक्स स्थापित किए जाएंगे ताकि 2030 तक कोई भी माहेश्वरी किराए के मकान में न रहे।

कन्या के जन्म पर उत्सव- सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि समाज में लड़कियों की संख्या 14 फीसदी कम है। यह चिंता का विषय है। इसीलिए यह भी तय किया गया कि समाज के किसी भी घर में कन्या का जन्म होगा तो उसका उत्सव मनाया जाएगा। यदि कोई परिवार उत्सव मनाने में असक्षम होगा तो संस्थाओं के माध्यम से उत्सव मनाए जाने का प्रयास होगा।

उच्च शिक्षा के हॉस्टल व कौशल विकास केंद्र-जिन शहरों में माहेश्वरी समाज के लोगों की संख्या ज्यादा हैं वहां उच्च शिक्षा के विकास के लिए भामाशाहों के माध्यम से हॉस्टल खोले जाएंगे। इससे आस-पास के क्षेत्रों से आने वाले माहेश्वरी बच्चों को किराए की जगह नहीं लेना पड़ेगी। इसी तरह विभिन्न शहरों में कौशल विकास केंद्र की भी स्थापना करने का निर्णय लिया गया।

आर्थिक पिछड़ों को मुख्यधारा से जोड़ेंगे - समाज के आर्थिक सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि 15 फीसदी परिवारों की सालाना आय 1 लाख रुपए से भी कम है। प्रयास रहेगा कि इनकी मदद करवाकर वर्ष 2030 यानि अगले महाधिवेशन तक इस संख्या को 7 से 10 प्रतिशत तक ले आएँ। ताकि ये लोग भी समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

सभी हस्तियों ने जताया माहेश्वरी क्षमता पर विश्वास

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि भारत फ्रांस को पछाड़ कर विश्व की छटी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। आने वाले दस साल में देश दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनॉमी बनेगा। इसका श्रेय सभी भारतीयों को जाता है। उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी में माहेश्वरी समाज का बहुत बड़ा योगदान है। लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि हर समाज के व्यक्ति की पहचान उसके संस्कार से होती है। अगर व्यक्ति संस्कारी होगा तो उस समाज की भी पहचान बनेगी। यही वजह है कि आज भारत का नाम इस क्षेत्र में सबसे अग्रणी है। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने देश के लिए आजादी से पहले और बाद में हमेशा अपना योगदान दिया है। इसलिए इस समाज का पर्याय ही देश सेवा बन गया है। महापौर घनश्याम ओझा, उपमहापौर देवेंद्र सालेचा, ओम सोनी, मदन टावरी, बीएल सोनी, आनंद राठी, एसएस काबरा, सत्यनारायण धूत, श्याम धूत, गोपीकिशन मालानी, आरसी लाहोटी, रामपाल सोनी आदि समारोह में बतौर अतिथि शामिल थे। आभार संदीप काबरा ने जताया।

इनका हुआ सम्मान

कैप्टन आदित्य सोनी, मेजर आकाश तापड़िया, सरोद वादक बसंत काबरा, वैज्ञानिक भावना साकते भूतडा, जादूगर मास्टर दर्श मालानी, एथलेटिक्स में दिनेश माहेश्वरी, ट्राइथलॉन में लीना बल्दवा, टेनिस में परीक्षित सोमानी, शूटिंग में प्रियांशी गट्टानी, स्केटिंग में रिया साबू, एरोबिक में राजकिरण मणियार, बॉक्सर चंद्रिका राजे माहेश्वरी, क्रिकेटर भारतीय क्रिकेट टीम की सदस्य स्मृति मानधना, माउंटेनियर वेंकटेश माहेश्वरी, कलाकार जयश्री बाहेती, लेखक मदनगोपाल लड्ढा, मिस नेपाल-2017 निकिता चांडक, राजनीतिज्ञ पवन कुमार सारड़ा, बोन्साइ पौधरोपण में प्राजक्ता गिरधरी काले, क्यूरेटर और प्रमोटर प्रसन्न लाहोटी, स्कॉलर डॉ. प्रार्थना राजेंद्र राठी, आर्ट एंड कल्चर में राम एंड ललिता कोगटा, कृषि में रतनलाल डागा, इंटरनेशनल ड्रमर रवि जाखोटिया, पायलट कैप्टन संगीता काबरा, वैज्ञानिक डॉ श्याम झंवर, ऑर्गेनिक फूड में सिद्दी किरनानी, शौर्य सम्मान पौस्थेमोयू से सम्मानित सुप्रीत राठी, आदित्य व लीला रानी सोमानी को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वहीं समाजसेवा के क्षेत्र में मुरलीधर चांडक, रामस्वरूप मूंदड़ा, श्रीनिवास तापड़िया, सेवाराम धूत, राखी अगाल, मुरलीधर जाजू, दामोदरदास बंग को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

सेमिनार में मिला गायडेंस

इस अवसर पर आयोजित सेमिनार में बोईंग कम्पनी यूएस में डायरेक्टर मोनिका पनपालिया ने ''शादी और कॅरियर'' में संतुलन विषय पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा आज की अधिकतर युवतियाँ सोचती हैं कि हम जॉब कर रहे हैं तो घर का काम नहीं करेंगे या पति इन कामों में हाथ बंटाएगा। जबकि महिलाओं को समझना चाहिए कि ईश्वर ने मल्टी टास्किंग का ये टैलेंट सिर्फ, उन्हें ही दिया है। पुश्तैनी बिजनेस और युवाओं को लेकर भी सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें गोगैटर्ज इंडिया के सीईओ अक्षय डालवी ने अपनी सफलता की कहानी बताई। महाराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाले अक्षय के माता-पिता दोनों ही इंडियन नेवी में सेवाएं दे रहे हैं। फिर भी उन्होंने पारिवारिक व्यवसाय को चुना और शिखर पर पहुंचाया।

कविताओं ने भी मोहा मन

शाम को पोलो ग्राउंड में मौका था माहेश्वरी ग्लोबल कनवेंशन में कवि सम्मेलन का। इसमें कवि सुदीप भल्ला तथा शैलेश लोढ़ा व हाशिम फिरोजाबादी ने भी अपने कविता पाठ के दम पर शहरवासियों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। लोढ़ा के स्टेज पर आने की खुशी में कई लोगों ने जमकर डांस किया। शैलेष लोढ़ा ने कविता प्रस्तुति में बताया कि मैं मारवाड़ की संतान हूं, ये मेरे लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर कई ख्यात कवियों ने अपनी कविताओं की सुर लहरी बिखेरी।

समाजहित के प्रस्तावों के साथ समापन

चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन व ग्लोबल एक्सपो का समापन विश्वविख्यात ड्रमर रवि जाखेटिया की धमाकेदार संगीतमय प्रस्तुति के साथ किया गया। अधिवेशन के अंतिम दिन माहेश्वरी समाज की घटती जनसंख्या को लेकर समाज ने चिंता जाहिर की। पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते अंधानुकरण, लिव इन रिलेशनशिप और समलैंगिकता के कारण निराशाजनक माहौल में युवाओं में संस्कार निर्माण की दिशा में काम किया जाएगा। अ.भा. माहेश्वरी महासभा कार्यकारी मंडल की ओर से महाधिवेशन में रखे गए 10 प्रस्तावों को सभी राज्यों के हजारों प्रतिनिधि सदस्यों ने सर्वानुमति व ध्वनित मत से पारित किया। समापन सत्र में अ.भा. महासभा सभापति के साथ महासभा प्रदेश अध्यक्ष जेएम बूब, जिला अध्यक्ष रतनलाल डागा, स्वागत समिति के अध्यक्ष गोपीकिशन मालानी, भगवान राठी, ओम सोनी, मदन टावरी, बीएल सोनी, आनंद राठी, एसएस काबरा, सत्यनारायण धूत, श्याम धूत, आरसी लाहोटी व रामपाल सोनी आदि ने भी विचार व्यक्त किये।

बिना वेस्ट के भोजन से दिखाई जागृति

पोलो ग्राउंड में चार से सात जनवरी तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाध्विेशन व ग्लोबल एक्सपो के दौरान देश के विभिन्न राज्यों और विदेश से आने वाले समाज के हजारों लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। समयानुशासन व 11 व्यंजन के नियमों की पालना को ध्यान में रखते हुए 'इतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में' के संदेश के साथ महाकुंभ में भोजन स्टॉल पर 70 से अधिक काउंटर लगाकर भोजन प्रबंधन की विशेष व्यवस्था की गई थी। माहेश्वरी समाज की ओर से देश में अपनी तरह का यह प्रथम अभियान पूरी तरह सफल रहा। इसमें 1000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं की टीमें जूठन छोड़ने वाले मेहमानों से आग्रह कर रही थी कि या तो आप खाएं या फिर हम खाएं? जूठन छोड़ने वाले समाज के कई लोगों को शर्म के कारण पूरी थाली साफ करनी पड़ी। नतीजन करीब चार दिनों के भोजन के बावजूद जूठन पात्र में 2 किलो भी वेस्ट नहीं पहुंचा।

और यह भी रही चर्चा. . .

▶▶ इस महासम्मेलन की शुरुआत से ही इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत के आमंत्रण की तैयारी थी। वहां पहुंचे समाजजनों को भी आशा थी लेकिन उनके न आने से निराशा हाथ लगी। वे क्यों नहीं आ पाए? उनके आमंत्रण में क्या कमी रह गई? इस बारे में किसी ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

▶▶ समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों की माने जाने वाली पद्मश्री बंशीलाल राठी आदि का इस आयोजन में शामिल न होना चर्चा का विषय रहा। इसका कारण यह था कि ये ऐसे समाजसेवी हैं, जो वयोवृद्धास्था के बावजूद भी कभी सामाजिक कार्यक्रमों से दूर नहीं रहते।

▶▶ दबी जुबान मे समाजजनों में समाज की राजनीतक हस्तियों की उपेक्षा की भी खासी चर्चा रही। कार्यक्रम में ऐसे राजनेताओं को तो अति सम्मानीय बना दिया गया जो समाज से नहीं थे, लेकिन समाज के राजनेताओं को कमतर आँक कर उनको उचित महत्व नहीं था। उल्लेखनीय है कि ऐसी स्थिति में भी समाजहित को महत्व देते हुए पूर्व मंत्री व विधायक किरण माहेश्वरी भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय महामंत्री श्याम जाजू आदि सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

▶▶ समाजन की संगठनात्मक व्यवस्था महासभा, महिला व युवा संगठन तीनों से मिलकर पूर्ण होती है। अतः तीनों का समाज महत्व है। इसके बावजूद इस आयोजन में महिला व युवा संगठन को कोई तवज्जों नहीं दी गई। इस महासम्मेलन में इन दोनों संगठनों के शीर्ष पदाधिकारी मौजूद थे। लेकिन इन्हें मंच से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर तक नहीं दिया गया।

▶▶ अभी तक समाज के हर आयोजन में समाज की पत्र पत्रिकाओं को ससम्मान आमंत्रित किया जाता रहा है, जिससे समाज की खबर घर-घर तक पहुंचे। लेकिन प्रथम बार इस आयोजन में मात्र समाज की पत्र-पत्रिकाओं को ससम्मान तो ठीक औपचारिक आमंत्रण भी नहीं दिया गया। जबकि अन्य समाजचार माध्यमों को आग्रहपूर्वक आमंत्रित किया गया। चर्चा रही कि क्या कुछ ऐसा है, जो समाज के कर्णधार समाज से छिपाना चाहते हैं?

▶▶ आयोजन की शुरुआत से ही इस आयोजन में 50 हजार से अधिक समाजजनों के शामिल होने के दावे किए गए और बाद में भी हो रहे हैं, लेकिन चर्चा यह है कि इसमें बाहर से आने वाले 10 हजार व क्षेत्रीय 15 हजार समाजजनों सहित कुल संख्या 25 हजार से अधिक नहीं थी।

▶▶ इस आयोजन से निम्न व निम्न मध्यम वर्ग का समाजजन लगभग नदारद ही था। न तो वह वहां कार्यक्रम में नजर आया न ही स्टॉल पर। कार्यक्रम में इस वर्ग को शामिल करने के लिए संभवतः पर्याप्त प्रयास नहीं हो सके। वहीं स्टॉल बुकिंग तो सिर्फ कॉर्पोरेट क्षेत्र के लिए ही होकर रह गयी। छोटे व्यापारी नहीं दिख रहे थे। वे अत्यधिक किराया होने से इसमें शामिल ही नहीं हो पाए।

▶▶ मंच से घोषणा की गई कि आयोजन स्थल पर गहरा गड्ढा था, जिसे महासम्मेलन के लिए 50 लाख रुपए खर्च कर भरा गया। यह विषय भी काफी चर्चा का विषय बना रहा कि क्या इस तरह समाज के धन का दुरुपयोग नहीं हुआ? क्या अन्यत्र यह आयोजन कर इसको समाजहित में नहीं लगाया जा सकता था?

▶▶ स्टार्टअप प्रजेंटेशन के लिए युवा लंबे समय से तैयारी कर रहे थे। उन्हें आशा थी कि इस महासम्मेलन में उनकी कल्पना को पंख लगेंगे और उन्हें कोई न कोई प्रमोटर अवश्य मिलेगा। लेकिन यहां हुआ यह कि प्रजेंटेशन वास्तव में एक प्रतियोगिता मात्र बनकर रह गया। न तो कोई प्रमोटर मिला और न ही इसके लिए किसी ने कोई प्रयास किया। बस चयनितों के प्रजेंटेशन तथा पुरस्कार वितरण के साथ ही इस प्रयास की इतिश्री कर ली गई। यह कार्यक्रम क्यों आयोजित हुआ, यह प्रश्न सभी के मन में ही रह गया?

▶▶ आर्थिक रूप से पिछड़े समाजजनों के लिए पूर्व की तरह विकास की घोषणा तो की गई पर यह कैसे होगा, स्पष्ट नहीं हो पाया। समाज के युवाओं के लिए सामाजिक उद्योगों में रोजगार, स्व व्यवसाय को प्रोत्साहन जैसे कई मुद्दों को आयोजन छू भी नहीं पाया। ऐसे में इस घोषणा का परिणाम क्या होगा? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

▶▶ इस आयोजन में एक राजनीतिक पार्टी विशेष के जनप्रतिनिधि ही नजर आ रहे थे। अतः यह स्थिति भी चर्चा का विषय रही कि क्या यह आयोजन सामाजिक है अथवा राजनीतिक? कहीं कोई इसका राजनीतिक लाभ तो नहीं लेना चाहता।

▶▶ महासम्मेलन में जनसंख्या वृद्धि के लिए हम दो हमारे तीन की घोषणा की गई। इस घोषणा की भी खासी चर्चा रही। सभी के मन में प्रश्न था कि यह कैसे संभव होगा? आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रोत्साहन के लिए इसमें क्या व्यवस्था रहेगी? शासकीय नौकरी व चुनाव आदि में कानूनी रूप से अधिकतम 2 संतान का ही प्रतिबंध है। दो से अधिक संतान वाले अपात्र हो जाते हैं। ऐसे में यह घोषणा भी अन्य सुधारों की तरह क्या सिर्फ घोषणा बनकर ही रह जाएगी।

▶▶ माहेश्वरी समाज प्रतिभाओं का समाज है, जिसमें कई ऐसी विभूति हैं जो राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ख्याति रखती हैं। अतः इस महासम्मेलन में गैर माहेश्वरी को आयोजन संरक्षक बनाना चर्चा का विषय रहा। कई लोगों के मन में प्रश्न था कि क्या समाज में इस योग्य कोई व्यक्ति ही नहीं था?

इनकी नजर में महासम्मेलन

कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा

जोधपुर में कार्यरत समाज के कार्यकर्ताओं वाली टीम ने मेहमाननवाजी का उम्दा उदाहरण पेश कर हमारे पूरे समाज की प्रतिष्ठा में चार चांद लगा दिए, जिसे कोई भी नहीं भूल पाएगा। आने-जाने, रहने, रुकने और ठहरने की उत्तम व्यवस्था के साथ-साथ मेहमानों के लिए भरपेट स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था के साथ-साथ भोजन जूठा न छोड़ने की मुहिम का जिस तरह से अमलीकरण किया गया, वह अपने आप में काबिले तारीफ है। इसने सबके मन को छू लिया। इन सब बातों ने साबित कर दिया है कि सूर्यनगरी में बसने वाले हमारे सारे बंधु तन और मन के साथ-साथ धन के भी धनी हैं, जिसे उन्होंने समाज के लिए समर्पित कर दिया है। समाज का विकास कैसे हो इसका मंथन महाकुंभ में समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा किया गया। इससे एक बात तो तय है कि समाज को आगे बढ़ाना है तो हमे आने वाली युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ महिला सशक्तीकरण पर भी पूरा ध्यान देना होगा।

- त्रिभुवन काबरा
वडोदरा, प्रदेशाध्यक्ष गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी सभा।

अभूतपूर्व रहा आयोजन

यह वास्तव में सिर्फ महासम्मेलन नहीं बल्कि समाज का अभूतपूर्व सामाजिक कुंभ ही था। सोचा नहीं था कि यहां 45 हजार समाजबंधु मिलेंगे। इतने लोगों के आने के बावजूद भी सुचारु व्यवस्था को लेकर अचंभित हूं।

- राधेश्याम चांडक
संचालक बुलढाणा अर्बन कोऑपरेटिव सोसायटी

जोधपुर समाज को नमन

वास्तव में इतना बड़ा आयोजन कठिन कार्य था, लेकिन जोधपुर के लोगों ने जो स्वरूप दिया वह प्रशसंनीय है। इस आयोजन में समाज में जितने लोग आए संभवतः इससे पूर्व कभी नहीं आए थे।

- रामविलास हुरकट
चेयरमैन व एमडी ओरिएंट प्रेस

कार्यक्रम का स्तर प्रशंसनीय

जिस वृहद स्तर पर यह महासम्मेलन आयोजित हुआ, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। इतने लोगों की सुचारु व्यवस्था हृदय को छू गई। वास्तव में ऐसे आयोजन आगे भी होते ही रहना चाहिए।

- अखिल काबरा, स्टॉल संचालक

एक यादगार बन गया

मारवाड़ की धरा पर माहेश्वरी महाकुंभ का उत्कृष्ट आयोजन हमेशा के लिए एक यादगार बन गया व आने वाली युवा शक्ति के लिए एक मार्गदर्शन भी। समाज के इस प्रथम प्रयास को इतनी सफलता मिलना बहुत खुशी की बात है। सफलता मिलनी भी स्वाभाविक है। 4 दिन के इस आयोजन के पीछे जो मेहनत और समय दिया गया था वो भी पूरे जोश से परिपूर्ण था। बहुत ही उम्दा मेजबानी के साथ मुझे भी अपनी कला और व्यापार को सबके सामने लाने का मौका मिला। सबसे प्यार मिला, बहुत सराहना मिली।

अभिनव-प्रियंका डागा स्टॉल संचालक, जोधपुर

संगठन की शक्ति समझ आई

इस कार्यक्रम में आकर बहुत अच्छा लगा। संगठन के द्वारा कैसे अच्छा कार्यक्रम किया जा सकता है, वह यहाँ देखा।

- राजेंद्रकुमार लालचंद भांगड़िया
हिंगणघाट (वर्धा)

सुचारु व्यवस्था ने किया प्रभावित

कैसे किसी भी कार्यक्रम की व्यवस्था सुचारु रखी जा सकती है। वह यहां देखा। समर्पित भाव से सेवा व उच्चस्तरीय प्रबंधन देखा। वास्तव में इन्हें देखकर बहुत कुछ सीखने को मिला। **- विकास सारडा,** नेपाल

युवा वर्ग ने संभाली जिम्मेदारी

आयोजन वास्तव में यादगार बन गया। इसमें जितने लोगों के आने की उम्मीद थी, उससे अधिक आए। युवा वर्ग ने जिस समर्पित भाव से जिम्मेदारी संभाली वह प्रशंसनीय है और देखकर बहुत अच्छा लगा।

- **सुरेश राठी,** शेयर फर्म संचालक

वेस्टेज न हो इसकी प्रेरणा मिली

यहां आकर देखा कि कैसे भोजन का वेस्टेज रोका जा सकता है। अब हम अपने यहां भी यही व्यवस्था करेंगे।

- अरुण गोपीकिशन हुरकट
उपाध्यक्ष वर्धा जिला माहेश्वरी समाज

यहां आकर अच्छा लगा

हमारी कंपनी अतुश्री इम्पैक्स ने यहाँ पॉजिटिविटी वाली प्लायवुड की स्टॉल लगाई थी। यहां आए और कार्यक्रम देखा तो बहुत अच्छा लगा। **- सौरभ तोतला** स्टॉल संचालक

ठीक से समाज को जाना

हम यह नहीं जानते थे कि हमारा समाज इतने उत्पाद बनाता है। यहां आकर देखा तो आश्चर्यचकित हो गए। सारी व्यवस्था लाजवाब रही।

- अमित राठी, नेता

पहली बार इतना बड़ा आयोजन देखा

इतना बड़ा आयोजन व इतने बड़े लोगों से मिलकर अच्छा लगा। यह महा सम्मेलन तो भीलवाड़ा के महा सम्मेलन से भी अच्छा रहा।

- बाबूलाल गोदानी ग्वालियर

माहेश्वरी महाधिवेशन में उपेक्षा से आहत

समाज का मीडिया

गत दिनों अभा माहेश्वरी महासम्मेलन में समाज के पत्र-पत्रिकाओं की उपेक्षा करते हुए आमंत्रित ही नहीं किया गया, जबकि अन्य समाचार माध्यमों यहां तक की स्थानीय तक को ससम्मान आमंत्रित किया गया। इस स्थिति से समाज का वह मीडिया आहत हुआ है जो समर्पित भाव से समाज की सेवा में जुटा हुआ है। - सम्पादक

माहेश्वरी समाज की संगठनात्मक व्यवस्था हमेशा से प्रजातांत्रिक रही है। इसमें बकायदा लोकतांत्रिक पद्धति से चुनाव होते रहे हैं और समाज का मीडिया भी चतुर्थ स्तंभ की भूमिका ससम्मान निभाता रहा है। माहेश्वरी महासभा द्वारा प्रकाशित मुख पत्र वास्तव में शासन के राजपत्र की तरह है, जो मूल रूप से पत्रिका नहीं है। अतः समाज की कई सेवाभावी पत्रिकाएं समाज के चतुर्थ स्तंभ की भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। इनमें श्री माहेश्वरी टाईम्स के साथ ही समाज प्रवाह, माहेश्वरी सेवक, माहेश्वरी जगत, माहेश्वरी एकता, श्री माहेश्वरी बंधु आदि प्रमुख पत्रिकाएं शामिल हैं।

लोकतंत्र की रक्षा करती हैं पत्र-पत्रिकाएं

समाचार पत्र पत्रिकाओं का धर्म सिर्फ शासन या संगठन की प्रशंसा करना ही नहीं है बल्कि उनका कर्त्तव्य जनहित की विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही शासन या संगठन की गलत नीतियों व त्रुटियों की निष्पक्ष आलोचना कर उसे सही राह दिखाना भी है। न्यायपालिका व मीडिया ये वे दो अंकुश हैं जो शासन या संगठन को निरंकुश होने से बचाते हैं देश में तमाम पत्र पत्रिकाएं निजी स्तर पर प्रकाशित होती हैं और वे शासन-प्रशासन का आवश्यकता होने पर विरोध कर अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करते हैं। इसके बावजूद कभी मीडिया की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को छिनने का प्रयास लोकतंत्र में कभी नहीं हुआ।

निजी खर्च से प्रकाशित हो रही पत्रिकाएं

देश के तमाम संचार माध्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए शासन का अपना विभाग है और योजनाएं भी। इसके अंतर्गत उन्हें अत्यंत कम दर पर कागज तो प्रदाय किया ही जाता है, साथ ही विज्ञापन के रूप में शासन द्वारा आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है जबकि समाज की पत्रिकाएं भारी आर्थिक संकट से जुझते हुए भी व्यक्तिगत खर्च से समाजसेवा कर रही हैं। उनके लिए आर्थिक सहयोग तो ठीक विज्ञापन आदि की कोई व्यवस्था भी संगठन स्तर पर नहीं होती। मुख पत्र जो केवल संगठन का गुणगान करता है, उसके लिए तमाम भरपूर विज्ञापन होने के बावजूद 35 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान कर दी जाती है। ऐसे में इन पत्रिकाओं को होने वाली आर्थिक हानि की पूर्ति इनके प्रकाशक व्यक्तिगत स्तर ही करते हैं और समाज हित में इनका सतत प्रकाशन जारी रख रहे हैं।

फिर भी उपेक्षा पर उठे सवाल

तमाम आर्थिक हानि व परेशानियों से निपटने के बावजूद भी निःस्वार्थ भाव से सेवा दे रही इन पत्रिकाओं का लक्ष्य सिर्फ समाज की सेवा ही रहा है। इसमें समाज संगठन से आर्थिक न सही लेकिन सम्मान की अपेक्षा तो की जा सकती है। ऐसे में यदि समाज की इन पत्र-पत्रिकाओं की उपेक्षा की जाती है, तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। आज समाज के घर-घर तक समाज की खबर पहुंचाने वाला मीडिया आम समाजजन से भी अपेक्षा करता है कि वह समाज के कर्णधारों से पूछे, आखिर क्या यह लोकतंत्र की परिपाटी है? क्या समाज के लोकतंत्र के सजग प्रहरियों के इस अपमान से वे प्रसन्न हैं? क्या वे चाहते हैं, कि समाज की संगठनात्मक व्यवस्था लोकतांत्रिक की जगह निरंकुश हो जाए? क्या समाज का यह संगठन समाज का विश्वास खो दे?

क्या कहते हैं समाज के पत्रकार

मीडिया और सामाजिक उत्तरदायित्व

सच्ची लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक लोकतांत्रिक प्रणाली में जनभागीदारी एक महत्वपूर्ण आयाम होती है जो सामाजिक व्यवस्था को अधिकतम क्षमता से चलाने के लिए अत्यावश्यक होती है। व्यापक समाज की भागीदारी तब तक संभव नहीं है जब तक लोगों को विभिन्न मुद्दों के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं हो। जो दिशा-निर्देश समाज का शीर्ष नेतृत्व देता है उसका प्रचार एवं प्रसार का कार्य मीडिया द्वारा ही संभव हो पाता है। मीडिया यानी मीडियम या माध्यम। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समाज में मीडिया की भूमिका संवाहक की होती है। वह समाज के विभिन्न वर्गों, सत्ता केंद्रों, व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच पुल का कार्य करता है।

इस बार जोधपुर में माहेश्वरी अधिवेशन जिसका नाम अंतरराष्ट्रीय महाकुंभ रखा गया था इसमें कितने अंतरराष्ट्रीय समाज की भागीदारी थी और कितनी हमारे भारत के लोगों की थी? आटे में जितनी मात्रा नमक की उतनी मात्रा विदेशी लोगों की रही। तो फिर उसका नाम अंतरराष्ट्रीय कितना उचित है? इस बार इस अधिवेशन या महाकुंभ में समाज के जितनी पत्र-पत्रिकाएं हैं उनको इस समारोह से दूर रखा गया। उसके लिए क्या कारण रहे? या क्या मंशा रही? ये तो वो ही लोग जानते हैं। सुना यह जा रहा है कि निज प्रसिद्धि एवं स्वयं की महत्वाकांक्षा के लिए उन्होंने

बाहरी मीडिया को ही बुलाया एवं लाखों रुपए विज्ञापन एवं प्रेस रिलीज पर स्वाह कर दिए।

उन विज्ञापनों में सिर्फ स्वयं प्रसिद्धि एवं राजनीतिक नेताओं का उल्लेख ही रहा। हो सकता है कि भविष्य में समाज के नाम पर अपने आपको राजनीति में लाने या निजी स्वार्थ की भावना रही होगी। सामाजिक लगाव या जुड़ाव सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं का है कि वह समाज के विभिन्न वर्गों की जानकारी रखता है, उतना गैर मीडियाकर्मियों को कहाँ रहेगा। यह एक चिंतनीय विषय है। समाज के लोगों से निवेदन है कि वे इस विषय पर अपना अवलोकन करें।

- रमेश कावरा
संपादक - 'समाज प्रवाह'

आईने से डर क्यों?

जोधपुर में महासभा द्वारा जो महासम्मेलन हुआ, वह गरिमामय रहा। इसकी प्रसन्नता है क्योंकि इससे संपूर्ण समाज की प्रतिष्ठा जुड़ी थी। इसे व्यापक कार्यक्रम में खर्च भी अधिक हुआ होगा और निःसंदेह समाज के भामाशाहों ने खुलकर चंदा भी दिया होगा और पंजीयन से भी आर्थिक सहयोग मिला होगा। अतः भविष्य में समाज का विश्वास बना रहे इसके लिए इस आयोजन का हिसाब भी देना चाहिए। कितना-कितना पैसा कहां से आया और खर्च कहां-कहां हुआ?यह स्पष्ट होना चाहिए। इस आयोजन में इस बार समाज के मीडिया की उपेक्षा की गई। इसका क्या कारण है? यह समाज के लिए प्रश्न बन गया है। जिनके चेहरे पर दाग है वे ही लोग आईने देखने से कतराते हैं। अतः कहीं न कहीं मीडिया से दूरी का कारण भी वैसा ही है। समाज के नेतृत्वकर्ताओं को डर था कि उनकी पोल न खुल जाए। शायद इसीलिए समाज के मीडिया की उपेक्षा की गई। फिर इससे क्या मिला इस पर भी चिंतन होना चाहिए अन्यथा यह तो सिर्फ मिलन समारोह बनकर रह जाएगा।

सुरेश मालानी,
संपादक - 'श्री माहेश्वरी बंधु'

समाज के सच्चे सेवकों से परेशान क्यों?

वास्तव में देखा जाए तो समाज की पत्र-पत्रिकाएं तो समाज की सच्ची सेवक हैं। वे समाजजनों के घर-घर तक समाज की खबरें पहुंचाकर संगठित करने का दुष्कर कार्य आज के इस प्रतिस्पर्धी दौर में भी कर रही हैं। ऐसे में यदि समाज संगठन ही उनसे दूरी बनाने की कोशिश करता है तो यह अत्यंत दुःखद स्थिति है। इससे ऐसा लगता है कि कहीं न कहीं हमारे संगठन की लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होकर निरंकुशता की ओर बढ़ रही है। याद रखें दूर वही भागता है जिसे भय होता है कि उसके कोई राज बाहर न आ जाएं। ऐसे में प्रश्न खड़े हो रहे हैं कि क्या महासम्मेलन में सबकुछ अच्छा ही हुआ है? कहीं ऐसा तो कुछ नहीं है, जिसे समाज के कर्णधार समाज से छिपाकर सिर्फ और सिर्फ वाहवाही लुटना चाहते हैं।

जगदीश जागा
संपादक - 'माहेश्वरी जगत'

यह नेतृत्व की हठधर्मिता

वास्तव में देखा जाए तो माहेश्वरी महासम्मेलन में समाज के मीडिया को न बुलाया जाना समाज के कर्णधारों की हठधर्मिता है। ऐसा करके उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों व सिद्धांतों का अपमान किया है। समाज के पत्र-पत्रिकाएं समाज की गतिविधियों और समाचारों को हर समाजजन तक पहुंचाने में सेतु की तरह कार्य कर रहे हैं, ऐसे में संगठन का यह कदम निंदनीय ही है। इस बारे में कर्तव्य आम समाजजन का बनता है कि वह उनसे पूछे कि ऐसा क्यों किया? ऐसा करके उन्होंने समाज को इस महासम्मेलन की खबरों से दूर रखने का कुत्सित प्रयास किया है। यदि समाज संगठन इसी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों से दूर हटेगा तो भय है कि कहीं वह आम समाजजनों का विश्वास न खो दे।

राजेश गिलड़ा, संपादक माहेश्वरी एकता

अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है यह स्थिति

वास्तव में समाज के मीडिया की महासम्मेलन में उपेक्षा की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। शायद लगता यह है कि महासभा के नेतृत्वकर्ता मीडिया के सिद्धांतों को ही नहीं समझते। मीडिया का कर्त्तव्य तो संगठन की हर गतिविधि व नीति की निष्पक्ष आलोचना करना है। यदि इसी को महासभा विरोध मान बैठा हो तो यह उनकी तुच्छ मानसिकता ही मानी जा सकती है। जबकि समाज का मीडिया तो समाज का सेवक है और समाज संगठन को सशक्त रखना अपना कर्त्तव्य समझता है। यह स्थिति उनकी योग्यता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ से दूरी वास्तव में किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था से दूरी है। अतः समाज के नेतृत्वकर्ता स्वयं सोचें की वे समाज संगठन को कहां पर लेकर जा रहे हैं। कहीं वे देश की इस सबसे पुरानी संस्था की गरिमा को धुमिल तो नहीं कर रहे?

- सुरेंद्र बिहानी, संपादक माहेश्वरी सेवक

श्री माहेश्वरी टाईम्स के स्वामित्व के बारे में जानकारी देखें

नियम-4

प्रकाशक का नाम	श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक)
भाषा	हिन्दी
प्रकाशन की अवधि	2 तारीख (हर माह की अंग्रेजी)
प्रकाशक का नाम	सरिता बाहेती
मुद्रक का नाम	सरिता बाहेती
संपादक का नाम	पुष्कर बाहेती
क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
मुद्रक	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
प्रकाशन का स्थान	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा पंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।	सरिता बाहेती

मैं सरिता बाहेती एतद् द्वारा घोषित करती हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं। उज्जैन

संदर्भ – महासभा जोधपुर अंतरराष्ट्रीय महाकुंभ

कल क्या करोगे?

रमेश काबरा
सम्पादक
'समाज प्रवाह'

एक जंगल में भेड़ें चराने वाला गड़रिया अपनी भेड़ें लेकर जा रहा था, सामने बहुत दूरी पर एक पथिक झाड़ के नीचे बैठका सुस्ता रहा था, उसने जोर से आवाज लगाई, अरे भाई गड़ेरिए जरा इस तरफ तो आना। गड़ेरिए ने दूर से ही हाथ हिलाकर पूछा- क्या बात है? पथिक ने फिर कहा-तुम जल्दी इधर आओ तब बताऊंगा। गड़ेरिए ने समझा कि शायद इसे कोई तकलीफ होगी, जिसके लिए मेरी मदद की जरूरत होगी। उसने अपनी तमाम भेड़ों को उसी ओर मोड़ दी।

गड़ेरिया उस पथिक के पास पहुंचकर पूछने लगा- बताओ कि क्या बात है?

पथिक ने धीरे से कहा- वैसे कोई बात नहीं है, मैं तो पूछना चाहता हूं कि कल किस तरफ चराने जाओगे।

गड़ेरिया परेशान था खींझकर बोला- यह बात तो तुम वहीं से पूछ सकते थे, यहां तक और इतनी दूर मुझे और मेरी भेड़ों को बुलाकर खामा खा क्यों तकलीफ दी?

पथिक ने धीरे से मुस्कराते हुए कहा- भाई नाराज क्यों होते हो-चलो मिलना हो गया कल किस तरफ चराओगे? क्या यह काम नहीं है?

तो आज का गड़ेरिया समाज है और पथिक नेता है, वो अपने निजी स्वार्थ से बिना मतलब के समाजरूपी उस गड़ेरिये को बतौर सभा, सम्मेलनों व मीटिंगों के लिए बुलाया करता है। आज कल होने वाले इन सभा सम्मेलनों व मीटिंगों, जिन पर एक तरफ कार्यकर्ताओं की दौड़-धूप और समाज का अनावश्यक श्रम, समय व संपत्ति का व्यय होता है, तो दूसरी तरफ मंच विभूषित नेताओं की वही पथिक वाली सुस्त मुस्कान है उसकी परिणित सिर्फ कल किस तरफ चराने जाओगे? इन नेताओं को जो कहना है कि वह अपने घर बैठे ही संदेश द्वारा कह दें, लिखकर भेज दें। सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं में छपवा दें। न हो तो अपने, टेप या वीडियो टेप ही भिजवा दें, सोशल मीडिया के द्वारा प्रसारण कर दें ताकि लोग अपने घरों में बैठक वैसे ही कृतार्थ हो जाएंगे। जोधपुर तक तो नहीं जाते। कुछ अति उत्साहित गड़ेरियों का तो यह कहना था कि इस तरह के आयोजन हर तीन वर्ष में हों। कुछ बंधुओं का कहना था कि अगर 12 वर्ष के बाद इस तरह का आयोजन हुआ तो मैं अगला कुंभ नहीं देख पाऊंगा।

सौ साल पहले बाल विवाह नहीं करने का फैसला लेने वाली अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महासभा के जोधपुर के महाकुंभ में एक बड़ा फैसला लिया है। अब हम दो हमारे दो नहीं होगा, तीन होगा। माहेश्वरी समाज की घटती हुई जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की और देश के समाज को यह संदेश दिया। इस तरह का फैसला बड़ा हास्यापद लग रहा है। एक तरफ तो भारत सरकार देश में बढ़ती हुई जनसंख्या को कम करने का प्रयास कर रही है और हम जनसंख्या बढ़ाने की बात कर रहे हैं। क्या तीन बच्चों को जन्म देने का फैसला भारत की नीतियों के विरुद्ध तो नहीं है? तीन बच्चों वालों को किसी भी चुनाव या कोई महत्वपूर्ण पदों के लिए अयोग्य माना जाता है, तो इस तरह के फैसले लेने का क्या औचित्य है? होना यह चाहिए इस समस्या के मूल में जाकर उस पर क्या समाधान हो सके उस पर चिंतन एवं मनन करना चाहिए। आजकल युवाओं की देर से शादी करना एवं बढ़ते हुए तलाक के कारण भी बच्चे नहीं होते हैं। इस पर कुछ ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है। हमें युवाओं को 21 वर्ष से लेकर 26-27 वर्ष तक ही शादी के लिए प्रेरित करें तो काफी हद तक समस्या का समाधान हो सकता है।

एक तरफ तो माहेश्वरी परिवारों की घटती हुई जनसमस्या पर चिंतन किया जा रहा था और एक बैठक में किसी ने अंतरजातीय विवाह को सामाजिक मान्यता देने की बात कह दी। हां ये अलग बात है कि आज के युग में अंतरजातीय विवाह होने लग गए, लेकिन समाज के मंच से यह बात कैसे कही जा सकती है?

आज के दौर में बढ़ी महंगाई, शिक्षा खर्च इत्यादि इतने हो रहे हैं कि बच्चों का पालन-पोषण करना मुश्किल हो रहा है और कहां 3-4 बच्चों का पोषण आम आदमी कर पाएगा। सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो प्रत्येक दंपति के लिए दो संतान का होना ही सर्वोत्तम है। क्योंकि परिवार की भांति राष्ट्र में भी जनसंख्या अधिक होने से वहां की संसाधनों का अभाव हो जाएगा।

महाकुंभ में जाने वाले सभी समाजजनों की सिर्फ एक ही बात कि व्यवस्था बहुत अच्छी थी, खान-पान अच्छा था, लेकिन क्या हम सब उसी के लिए गए थे या वहां के सामाजिक मंथन से कुछ लेकर आए इसका किसी के पास जवाब नहीं।

तीनों दिन के कार्यक्रम में सिर्फ राजनीतिक मंच बना दिया गया और सिर्फ राजनेताओं को मंच पर विभूषित किया गया और सिर्फ पार्टी विशेष के नेताओं से ही मंच विभूषित रहा। उसका कोई विशेष कारण रहा होगा। इससे समाज को क्या फायदा हुआ और उस मंच को राजनेताओं का अखाड़ा बनाकर समाज को क्या हासिल हुआ। या सिर्फ कुछ एक गिने चुने व्यक्तियों को इसका भविष्य में लाभ लेना है। समाज के आमजन का तो समय व्यर्थ में ही गया। समाज के मंच पर राजनेताओं को बुलाकर निज प्रसिद्धि करना कहां तक उचित है, इस पर जरूर विचार करने की आवश्यकता है।

अगली मीटिंग में भी वही हाल होगा जो जोधपुर में हुआ- जो गड़ेरिया के साथ हुआ है। कल कहां चराने जाओगे? क्या यही सिर्फ विचारणीय प्रश्न है? या यह भी प्रतिप्रश्न है कि उस तरफ मुझे भी आना है? या उसकी कल की चराई में कोई सहयोग देना है? या उसके लिए बैठने की छाया या खाना-पीने की कोई सुविधा भी कर रहे हो? अगर वैसे कोई काम या सेवा ही भावना आपकी नहीं है तो फिर इतनी मेहनत तकलीफ के बाद सिर्फ कल किस तरफ चराओगे जयपुर, आसाम या भिलाई रांची में, यही पूछना है?

पथिक को मालूम है कि गड़ेरिये के हर मिलने (सभा सम्मेलन) पर उसका यही प्रश्न होगा और पथिक का भी यही जवाब होगा। वैसा ही समाज का प्रतिप्रश्न है-ऐसा कब तक होता रहेगा? इन सवाल के जवाबों का कोई अंत या कोई फलश्रुति किससे पूछी जाए। गड़ेरिए से या पथिक रूपी नेता से?

मत-सम्मत

समाज के लिए कितना सार्थक रहा जोधपुर माहेश्वरी महाअधिवेशन?

गत दिनों जोधपुर में अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। इसमें करोड़ों रुपये खर्च हुए। व्यवस्थाओं की हर किसी ने सराहना की। फिर भी किसी भी आयोजन की सफलता उसकी सार्थकता में हैं कि वह अपने उद्देश्य में कितना सफल रहा है? अत: इस विचारणीय मुद्दे ''समाज के लिए कितना सार्थक रहा जोधपुर माहेश्वरी महाअधिवेशन?'' में आईये जानें इस स्तंभ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा से समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

फिजूलखर्ची पर रोक भी जरूरी

जोधपुर में हुए इस महाअधिवेशन ने हमें गौरवशाली माहेश्वरी का खिताब दे दिया है, जो माहेश्वरी समाज के इतिहास में दर्ज हुआ है। फिर भी यदि इस ऐतिहासिक कदम में विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का भी आह्वान होता तो मैं समझती हूं कि यह समाज और देश दोनों के लिए हित में होता। सिर्फ प्री वेडिंग शूट पर रोक लगाना, विवाह में होने वाली कई अनावश्यक समस्याओं का हल नहीं है। इस विषय पर ध्यान देना आवश्यक है। अब बेटियां बोझ नहीं हैं।

- मधु भूतड़ा

फीडबैक लेना भी जरूरी था

मुझे सबसे अधिक जिस बात ने प्रभावित किया, वह है भोजन में जूठन जैसी समस्या का अत्यंत प्रभावी हल। मेरा यह व्यक्तिगत अनुभव था। पहले भोजन मैंने जूठा छोड़ा था, लेकिन आगे के सारे भोजन सेशंस में मेरा ध्यान जूठन नहीं छोड़ने की ओर स्वाभाविक रूप से था। फिर भी कुछ सुधार की भविष्य में अपेक्षा है। भोजनशालाओं में कुछ टेबलों का रखा जाना आवश्यक है, क्योंकि वरिष्ठजन व छोटे बच्चे की माताओं को खाने की टेबलें नहीं होने पर परेशान होते देखा। सुबह के खाने में जो भी आइटम्स हों, शाम के खाने में पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। विशालकाय आयोजन स्थल की वजह से पार्किंग स्थल/मेन रोड से मेन हॉल तक ई-रिक्शा या बैटरी वाली गाड़ियों का इंतजाम होना जरूरी था। इतने बड़े समारोह में पूर्व घोषणा के अनुरूप प्रदेश के मुख्यमंत्री (जो जोधपुर से विधायक भी हैं) की अनुपस्थिति सबको बेहद खलने वाली रही। रजिस्ट्रेशन के समय ही यदि एक फीडबैक फॉर्म हर प्रतिभागी को दे दिया जाता तो आयोजन के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया व सुझाव महासभा के शीर्ष नेतृत्व तक आसानी से पहुंच सकते थे। बहरहाल अत्यंत सफल व व्यवस्थित आयोजन के लिए आयोजक व समर्पित कार्यकर्त्ताओं की टीम को बहुत-बहुत साधुवाद।

- रामप्रसाद हेडा
तहसील अध्यक्ष शाहपुरा

समाज के राजनेताओं की अनदेखी

माहेश्वरी महाकुंभ में जोधपुर के माहेश्वरी बंधुओं ने जिस प्रकार संगठित रूप से कार्य करते हुए पधारे मेहमानों का स्वागत सत्कार किया उससे आयोजन की भव्यता ने आसमान को छू लिया। इसके लिए जोधपुर के सभी कार्यकर्ता धन्यवाद के पात्र हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या स्वादिष्ट भोजन, आरामदायक उत्तम आवास व्यवस्था एवं लच्छेदार भाषण मात्र से समाज को वह सब कुछ मिल गया जो इस आयोजन से पहले मिलने के सपने दिखाए जा रहे थे? वास्तव में संपूर्ण देश के कितने इंजीनियर कितने सीए, एमबीए, ग्रेजुएट लोगों को नौकरियां इस सम्मेलन में मिल पाईं? स्टार्टअप वाले युवाओं को बहुत से निवेशक मिलने के दावे किए गए थे, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह मात्र खाली प्रचार के अलावा कुछ नहीं हुआ।

मेरा स्पष्ट कहना है कि चार-पांच लोगों ने अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए समाज के मंच का दुरुपयोग किया है और उन्होंने आपस में मंच पर एक-दूसरे की तारीफ के पुल बांधने के अलावा कुछ नहीं किया है। इन लोगों ने अपने को बड़ा बताने के लिए गैर माहेश्वरियों का उपयोग तो किया ही साथ ही हमारे समाज के वरिष्ठ सांसद ओम बिरला, सांसद सुभाष बहेड़िया, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, पूर्व राज्यमंत्री मेघराज जी का अप्रत्यक्ष अपमान किया और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू व पूर्व मंत्री किरण माहेश्वरी को बहुत छोटी शख्सियत दर्शाकर समाज को नुकसान ही पहुंचाया है। मूल प्रश्न अभी भी खड़ा है कि सामान्य माहेश्वरी को इस आयोजन से क्या मिला? जहां मोदी जी का सपना 2025 तक प्रत्येक परिवार को अपना घर देने का लक्ष्य है जबकि हमारे समाज के सक्षम पदाधिकारी 2030 तक प्रत्येक माहेश्वरी को घर देने की बात कर रहे हैं। वास्तव में यह बात कहकर वह सिर्फ अपनी पीठ अपने स्वयं के हाथों से थपथपा रहे हैं। किसी भी समाज संस्था को वन मैन शो अथवा हिटलर सही से नुकसान पहुंचता है। घर का गरीब भाई ही अपने भाई के काम आ सकता है, पड़ोसी करोड़पति हो पर उम्मीद रखना गलतफहमी ही है। किंतु लगता है कि अपनी महत्वाकांक्षा को पंख लगाने के लिए कुछ पदाधिकारियों ने समाज के साथ छपिया रूप से छलावा किया है। इन बातों से हो सकता है कुछ लोगों को बड़ा दर्द होगा लेकिन यह कटु सत्य है। समाज के सभी लोगों को इस पर बैठकर मंथन करना होगा और ऐसे लोगों को बेनकाब करने के लिए आगे आना ही होगा।

- श्रीराम बिरला

50 हजार नहीं 25 हजार थे कुल समाजजन

बाहर से लगभग 10000 लोग पहुंचे और जोधपुर शहर व ग्रामीण मिलाकर 12000 से 15000, इस प्रकार अधिकतम 25000 की भीड़ रही। ब्रोशर में मोदी से लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तक कई लोगों को भीड़ खींचने परोसा गया जिनके दर्शन दूर-दूर तक नहीं हुए। समाज में कई विभूतियों के होते हुए माहेश्वरी समाज के बाहर के व्यक्ति जो कि स्थानीय सांसद हैं उन्हें संरक्षक बनाया गया जो कि अनुचित था। वहां के जनमानस का कहना था यह आगामी लोकसभा के चुनाव को देखते हुए किया गया है क्योंकि आयोजन के कर्णधार उनके अत्यंत करीबी हैं। आयोजन में समाज का लगभग 50 से 60 करोड़ रुपया खर्च हुआ। इसमें आयोजन का खर्च और लोगों के आने-जाने का खर्च शामिल है और 60 करोड़ खर्च कर एक बात सीखने को मिली 'भोजन जूठा ना छोड़ें'। भोजनशाला में बारबार माइक से ऐलान किया जाता था कि अगर असुविधा हो रही हो तो बगल में हमारा काऊंटर है, जहां पैसे देकर आप खा सकते हैं। इस प्रकार समाज के इतिहास में पहली बार रजिस्ट्रेशन कर भोजन के पैसे लिए गए। पैसे देकर खाने वाले स्टाल में अगर कोई एक प्लेट के साथ दो व्यक्ति खड़े भी दिख गए तो उन्हें धमकाया गया। यहां तक कि नौबत मारपीट की भी आई और यह सब सौभाग्य से हमें ही नसीब हुआ। लोग वहां गए थे स्टार्टअप आइडिया देखने, व्यापार के नए तरीके देखने व कई अच्छे वक्ताओं को सुनने लेकिन आंखों में नजारा दिखा एक व्यक्ति की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को परवान चढ़ते। विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष वहां अपने साथ सैकड़ों लोगों को लेकर गए थे, आयोजन को सफल बनाने, लेकिन बदले में उनसे मिलना तो दूर उनका हालचाल पूछने वाला भी कोई नहीं था। इस पूरे आयोजन से एक बात की गहरी सीख मिली कि समाज एक व्यक्ति से नहीं सबके साथ से सबके सामूहिक प्रयासों से चलता है।

- सतीश माहेश्वरी
प्रवक्ता छत्तीसगढ़माहेश्वरी युवा संगठन

निम्न मध्यम वर्ग के लिए क्या था?

सब कुछ तो सही रहा होगा लेकिन मध्यम व निम्न वर्ग के माहेश्वरी परिवार के लिए क्या था? सिर्फ 3 बच्चे पैदा करो व 12 वर्षों में घर देने का झुनझुना।

- रामेश्वर माहेश्वरी

लक्ष्य से हम कहीं दूर रह गए

महाअधिवेशन में चिंतन अच्छा था लेकिन किन्हीं कारणों से परिपूर्ण नहीं हो पाया। समाज के उच्च उद्योगपतियों की उपस्थिति ना के बराबर होने से युवा पीढ़ी को जो आशा थी वह नहीं हो पाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम अच्छा था। वक्ता भी कोई खास नया और अनुकरणीय विषय प्रस्तुत नहीं कर पाए और जो न विषय पर चर्चा करने आए उनको समय नहीं दिया। एक्सपो लाजवाब और व्यवस्थित था, लेकिन लाभान्वित कितने हुए यह सामने नहीं आया। महासभा के पदाधिकारी, महिला संगठन, युवा संगठन की भागीदारी शून्य रही। इनके साथ प्रदेश पदाधिकारी जो सदस्यों को लाने में जी तोड़ मेहनत कर रहे थे, उनका भी कोई परिचय या भागीदारी नहीं दिखी। महेश वंदना अधूरा रख के वंदेमातरम् गाना समझ नहीं आया। मिलना-जुलना खाना-पीना व घूमना ही अच्छी तरह हुआ।

- शोभा सादानी, कोलकाता
पूर्व अध्यक्ष अ.भा. महिला संगठन

उपलब्धियों पर चिंतन जरूरी

अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महासम्मेलन 4 से 7 जनवरी तक जोधपुर में खाने-पीने व आवास की माकूल व्यवस्था के साथ संपन्न हुआ। सामाजिक स्तर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर का यह अधिवेशन कितना सफल व सार्थक रहा यह चिंतनीय विषय है? इतने बड़े आयोजन पर खर्च की तुलना में समाजजन ने क्या पाया? क्या सामाजिक समस्याओं का निराकरण हो पाया? विवाह विच्छेद, कन्याओं की कमी माहेश्वरी जनसंख्या की कमी, प्रशासनिक सेवाओं में माहेश्वरी समाज के युवाओं को प्रतिनिधित्व को प्रोत्साहन हेतु कोई ठोस निर्णय प्रकोष्ठ आदि के गठन पर चिंतन होता तो समाज के मध्यमवर्गीय व्यक्तियों को राहत मिलती।

पूर्व में भीलवाड़ा के अंतरराष्ट्रीय स्तर के अधिवेशन में समाज के आमजनों के हितार्थ ट्रस्ट स्थापना व निर्णय हुए उससे सम्मेलन सार्थक रहा। हर परिवार का अपना घर का निर्णय, क्रियान्विति सराहनीय है, हर 6 साल में कुंभ (अधिवेशन) एवं हर 12 साल में महाकुंभ (महाअधिवेशन) का आयोजन व समाजचिंतकों के उद्बोधन आदि उपलब्धियां रही परंतु 50 या 60 करोड़ खर्च करने के बाद यह उपलब्धियां ऊंट के मुंह में जीरा वाली कहावत चरितार्थ नहीं करती है? माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो में जिन समाजबंधुओं ने प्रयास किए सराहनीय हैं तथापि उपभोक्ता, ग्राहक तथा व्यावसायिक ग्राहक हेतु अलग-अलग स्टॉल या डोम व्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें व्यापार के इच्छुक समाजजन लाभान्वित होते। हमें इस बात पर भी चिंतन करना चाहिए कि किसी आयोजन पर जितना खर्च कर रहे हैं उसके मुकाबले उपलब्धियां क्या रहीं?

- संपत माहेश्वरी, भीलवाड़ा

व्यवस्था की दृष्टि से सफल रहा

जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी महा अधिवेशन समाज के महाकुंभ का आयोजन था व्यवस्था की दृष्टि से बहुत सफलतम रहा। सभी जगह महेश कॉलोनी बनाकर सभी माहेश्वरी परिवारों को मकान का प्रस्ताव सराहनीय है पर समाज में फैली कुरीतियों व खर्चों की कटौती व युवाओं के लिए भविष्य से संदर्भित ठोस रूपरेखा की कमी देखने को मिली जो वर्तमान की सबसे जरूरी आवश्यकता है। जो भी निर्णय हुए उनका क्रियान्वयन शीघ्र हो ऐसी हमारी महासभा से अपेक्षा है।

- दिलीप तोषनीवाल, भीलवाड़ा

पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं हो पाया

माहेश्वरी समाज संगठनों के माध्यम से प्रचार प्रसार नहीं होने से, अनेक समाजजनों को अधिवेशन की जानकारी ही नहीं थी। इससे ग्रामीण क्षेत्र के समाजजनों की उपस्थिति काफी कम थी। आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल ट्रस्ट से प्राप्त लोन राशि से व्यापार करने वाले समाजबंधुओं ने व्यापार में उत्तरोत्तर प्रगति की ऐसे समाजजनों को एक्सपो में शामिल नहीं किया गया। अनेक ज्वलंत समस्याओं पर समाज के इस अधिवेशन में चिंतन नहीं किया

गया। यह कटु सत्य है कि अधिवेशन माहेश्वरी समाज का मंच नहीं लगकर एक राजनीतिक मंच लग रहा था। ऐसा लग रहा था कि कहीं ना कहीं राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए अधिवेशन का आयोजन किया गया।

- कन्हैयालाल सोनी, आगूचा, भीलवाड़ा

महेश वंदना रही अधूरी

जोधपुर अधिवेशन की जितनी प्रशंसा करें उतनी कम है। मैं सूरत से महासभा का कार्यकारी सदस्य हूं। मैंने वहां 3 सेशन अटेंड किए और तीनों में ही महेश वंदना को अधूरा गाया गया, और (राष्ट्रगान) वंदेमातरम को पूरा। यहां तक कि उसकी कुछ पंक्तियां तो हमें पता ही नहीं थी कि ये राष्ट्रगान का हिस्सा हैं। भारतीय होने के नाते राष्ट्रगान का सम्मान करना चाहिए, लेकिन उसका गायन आवश्यक नहीं होता। आवश्यक तो महेश वंदना भी नहीं है मगर जब उसका गायन हो और वो भी अधूरा और वो भी महासभा के मंच से एवं वो भी अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन में जो अपने आप में एक ऐतिहासिक क्षण हो, तो विचारणीय हो जाता है। महेश वंदना अधूरी क्यों थी? क्यों मंचासीन पदाधिकारियों ने ऐसा करने का इशारा किया था। मैं सिर्फ प्रत्यक्षदर्शी हूं। अगर उस वक्त के मंच की वीडियो फुटेज हों तो पता चल सकता है। साथ ही महेश वंदना के प्रति मेरे लगाव का एक विशेष कारण है। महेश वंदना की पृष्ठभूमि जब तैयार हो रही थी तब भाई कमल भूतड़ा गुजरात प्रदेश अध्यक्ष थे और मैं प्रदेश सहसचिव। हम दोनों ही सूरत से थे और इस पर चर्चा करते थे। यह परिकल्पना हमारे ही दिल से निकली थी।

- राधाकिसन मूंधड़ा, सूरत

युवा शक्ति को नई पहचान मिली

जोधपुर अधिवेशन की सार्थकता स्वरूप माहेश्वरी युवा शक्ति को निश्चित रूप से एक नई पहचान प्राप्त हुई है। इसमें युवा शक्ति के भरपूर उपयोग का एक बेमिसाल प्रदर्शन हमने महसूस किया व इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। यह कार्यक्रम समाज की सभी इकाइयों के व्यक्तित्वों द्वारा संचालित इवेंट मैनेजमेंट का एक बेहतरीन प्रदर्शन रहा। इस महाधिवेशन की सफलता माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो, व्यावसायिक व अन्य सेमिनार, दोनों दिन प्रदर्शित सांस्कृतिक कार्यक्रम, अमेरिका से पधारे रवि जाखेटिया के रविड्रम्स के अतिरिक्त स्थानीय सदस्यों की उपस्थिति ने अत्यधिक सफलता प्रदान की है। राजनीतिक व स्वयं सिद्धि व्यक्तित्वों द्वारा दिए गए उद्बोधन निश्चित ही सराहनीय रहे। इतने बड़े कार्यक्रम की सफलता में प्रदेशों द्वारा किए गए प्रयासों का कहीं संबोधन न होने से प्रदेश पदाधिकारियों व वहां से पधारे सदस्यों को अवश्य ही कमी महसूस हुई होगी। गत 6 महीनों से प्रदेशाध्यक्ष के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने चलो जोधपुर हेतु जिस तरह का कार्य किया वह निश्चित रूप से अत्यंत सराहनीय रहा है। हम यह कह सकते हैं कि जोधपुर महाअधिवेशन समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक संदेश से ज्यादा आर्थिक एव राजनीतिक संदेश में अत्यंत सफल रहा। और शायद यह समय की मांग भी हो सकती है।

- जयकिसन सारडा
काठमांडु, नेपाल

संगठन शक्ति के हुए दर्शन

'संघे शक्ति कलयुगे' इसका साक्षात अनुभव जोधपुर महाधिवेशन में हुआ। वाणिज्य और शिक्षा के साथ-साथ कला के विभिन्न क्षेत्र- संगीत, सिनेमा, खेल, हस्तशिल्प आदि में सम्मानजनक स्थान प्राप्त व 19 देशों से पधारे समाजबंधुओं को एक साथ एक मंच पर देख कर खुशी के साथ गर्वानुभूति भी हुई। हमने साबित कर दिया कि कुशल प्रबंधन में हमारा कोई सानी नहीं है। 'माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय'- आज भले ही इस आयोजन को लेकर लोगों का संशयात्मक दृष्टिकोण है, पर इस आयोजन के पश्चात सभी समाजबंधुओं खास तौर पर युवाओं में समाज के प्रति गर्व और लगाव उत्पन्न हुआ है। 400 से ऊपर स्टॉल से व्यापार के लिए नए दरवाजे खुलेंगे। जान पहचान का दायरा विस्तृत होगा, पारिवारिक संबंध प्रगाढ़होंगे, जिससे स्वजातीय विवाह संबंध बनेंगे। सार यही है कि संगठन में शक्ति है। इसका एहसास और अंजाम दोनों निश्चय ही सुखद होंगे। ऐसा मेरा विश्वास है।

- नटवर डागा, मुंबई

तीसरी संतान का बोझ उठाऐ महासभ

देश प्रेम, समाज, संगठन, संस्कार की भावना से सराबोर एक अद्भुत, अकाल्पनीय संगम, विराट एवं सभी मायने मे भव्य था माहेश्वरी महाकुंभ। इससे समाज में नवचेतना का संचार हुआ कि हम सब आदर्श व गतिशील समाज बनाने की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। कार्यक्रम के बारे में जैसा सोचा था उस से बढ़कर साकार हुआ, माहेश्वरी समाज को संगठन की शक्ति का भान हुआ। हिन्दुस्तान व सात समंदर पार बसने वाली भगवान महेश की संतानों का अद्भुत मिलन हुआ। अब हम दो नहीं हमारे तीन व कन्या के जन्म पर उत्सव मनाना सराहनीय रहा, पर तीसरी संतान का भार भी महासभा द्वारा उठाने का फैसला लिया होता तो यह काफी हद तक संभव होता कारण निम्नवर्गीय परिवार द्वारा तीसरी संतान को जन्म देना, पालन पोषण व शिक्षा का भार उठाना आज के युग में असंभव लगता है। हम दो हमारे तीन सिर्फ जनसंख्या वृद्धि ही नहीं बल्कि परिवारों में हो रहे विघटन, संस्कारहीनता, अकेलापन, बच्चों का मानसिक विकास आदि अनेक समस्याओं का समाधान है। आजकल समस्या आर्थिक से ज्यादा मनोवैज्ञानिक अधिक है। महाअधिवेशन से समाज के मीडिया को दूर रखा जाना यह लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। पत्रकारिता तो आईना दिखाती है, हम अपनी कमियों के बारे में जानेंगे नहीं तो उसमें सुधार कैसे करेंगे? प्री-वेडिंग शूट बंद के साथ-साथ विवाह में फिजूलखर्ची व खाने के आइटम सीमित पर भी जोर दिया होता तो सोने पे सुहागा होता। अन्न का एक भी दाना बर्बाद ना हो इसके लिए उठाया गया कदम सराहनीय है। अन्न जूठा न जाए, यह नियम सभी जगह सख्ती से सभी समारोह में लागू होना चाहिए।

- कलावती करवा,
कूच बिहार पश्चिम बंगाल

प्रतिभाओं को करें प्रोत्साहित

मैं इस महाकुंभ में किसी कारण वश जा तो नहीं पाई, पर मेरा मन वहाँ था। इस कुंभ में क्या क्या हो रहा है, सबकी बातों व मैसेज

सुन-सुनकर दिल बाग-बाग हो रहा था। सभी के मुंह से जो बातें सुनी इसके बाद मैं अपने विचार आप तक पहुचांने की कोशिश कर रही हूं। इससे दुनिया को माहेश्वरियों की संगठन शक्ति का एहसास हुआ और अपने समाज में नई चेतना का संचार हुआ। समाज को पढ़ाई से अलग हट कर टैलेंट का भी पता चला जो आज बहुत से लोगों को पता ही नहीं था कि हमारे समाज में रवि जाखेटिया जैसी हस्ती भी हैं। आज उनकी चर्चा सभी की जुबान पर है। मैं अपनी युवा पीढ़ी को भी यही बताना चाहती हूं कि उन्हें देखकर हम भी पढ़ाई के अलावा कुछ ऐसा करके अपना, अपने परिवार, अपने समाज का नाम रोशन कर दुनिया में चार चांद लगा सकते हैं। मेरा समाज से भी निवेदन है ऐसे प्रतिभावान बच्चों को आगे लाएं और समाज का गौरव बढ़ाएं

- भगवती शिवप्रसाद बिहानी, असम

समाज के राजनेताओं की उपेक्षा ठीक नहीं

जोधपुर में गत दिनों बहुत अच्छा माहेश्वरी महासम्मेलन आयोजित हुआ। जानकार अत्यंत हर्ष हुआ लेकिन वहां समाज के राजनेताओं की उपेक्षा नहीं होना थी। अन्य समाजों को देखें तो यदि उनमें कोई पार्षद भी बन जाता है तो उसका अभिनंदन होता है। हमारे समाज में तो कई विधायक, सांसद सहित राज्य व राष्ट्रीय स्तर के राजनेता हैं, लेकिन उनकी उपेक्षा की गई। जबकि उन्हें विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। यह महत्व वास्तव में प्रोत्साहन है। अतः यदि समाज की राजनीति में उपस्थिति हो तो प्रोत्साहन तो मिलना ही चाहिए। याद रखें काम घरवाले ही आते हैं। अतः उन्हें सपोर्ट कर आगे बढ़ाएंगे तो वे ही हमारे काम आएंगे।

- माधव मारू, भाजपा विधायक मनासा जिला नीमच, मप्र

व्यवस्था अच्छी रही बस

समाज वेb इस अधिवेशन में समाज के हितों को नजरअंदाज करते हुए केवल और केवल भोजन व्यवस्था एवं आवासीय व्यवस्था बहुत सुंदर थी। इस प्रकार के संदेश अनवरत समाजबंधुओं से प्राप्त होते रह रहे हैं। सीधे रूप में होटल मैनेजमेंट निःसंदेह अच्छा रहा होगा मगर समाज हित की बातों पर इसे सुन यही समझा जाएगा। कि कई मायनों में सम्मेलन कुछ उद्योगपतियों के उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए जाते हैं। मध्यमवर्ग की सोच के लिए मात्र इतना ही कि विवाह समारोह में भोजन हेतु निर्धारित संख्या में आइटम की बनाएं, जो कि बहुत ही खेदजनक है। भोजन जूठा नहीं छोड़ना चाहिए यह वाला संदेश निःसंदेह बहुत ही सराहनीय रहा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में माहेश्वरी समाज को पूरे विश्व में इस कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में माहेश्वरी बंधु नहीं मिले यह भी समाज के लिए विचारणीय बिंदु है। यह अधिवेशन संपूर्ण माहेश्वरी समाज का था ना कि जोधपुर का। अतः निसंदेह है जोधपुरवासियों के लिए महाराणा सम्मानीय व्यक्तित्व होंगे लेकिन समाज से बढ़कर नहीं हो सकते हैं।

- शिव नुवाल

अपने अंदर बदलाव लाना होगा

हर कार्य के अच्छे व बुरे दोनों पहलू होते हैं।

जोधपुर महाअधिवेशन का अच्छा पहलू यह रहा कि राष्ट्र के सामने एक सशक्त संगठन बनकर उभरा है। कई आर्थिक मुद्दों पर चर्चा हुई है जिसके भविष्य में जरूर अच्छे परिणाम आएंगे। बुरा पहलू यह है कि अगर इतने पैसे समाज में शिक्षा के काम में खर्च किए जाएं तो शायद इसका और अच्छा परिणाम निकलता।

फिर कोई भी अधिवेशन समाज के लिए तभी सार्थक होता है, जब समाज का हर एक व्यक्ति इन सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देता है, और सोच से, विचारों व कार्यों से अपने अंदर बदलाव लाने की भरपूर कोशिश करता है। अगर हमें सचमुच समाज को सुंदर व संगठित रूप देना है, तो सबसे पहले हमें अपने घरों को सुधारना होगा। माहेश्वरी समाज के बोध चिह्न से हर व्यक्ति को प्रेरणा लेनी होगी कि सेवा, त्याग व सदाचार की पवित्र भावना से ही समाज का उत्थान होता है।

- सीतादेवी राठी
कूच बिहार (पश्चिम बंगाल)

अंग्रेजों द्वारा विकसित कोलकाता शहर भी अपनी विकास यात्रा में माहेश्वरी समाज का ऋणी है। वैसे तो इसमें कई माहेश्वरी परिवारों का योगदान रहा, लेकिन इनमें बैंकिंग व्यापार के सिरमौर माने जाने वाले नवलकिशोर डागा एक ऐसे इतिहास पुरुष थे, जिनके कारण कई माहेश्वरी परिवारों का वहां आगमन हुआ। कई भव्य भवन व धर्मशाला आदि की सौगात इस शहर को 18वीं सदी में देने का श्रेय श्री डागा को ही जाता है।

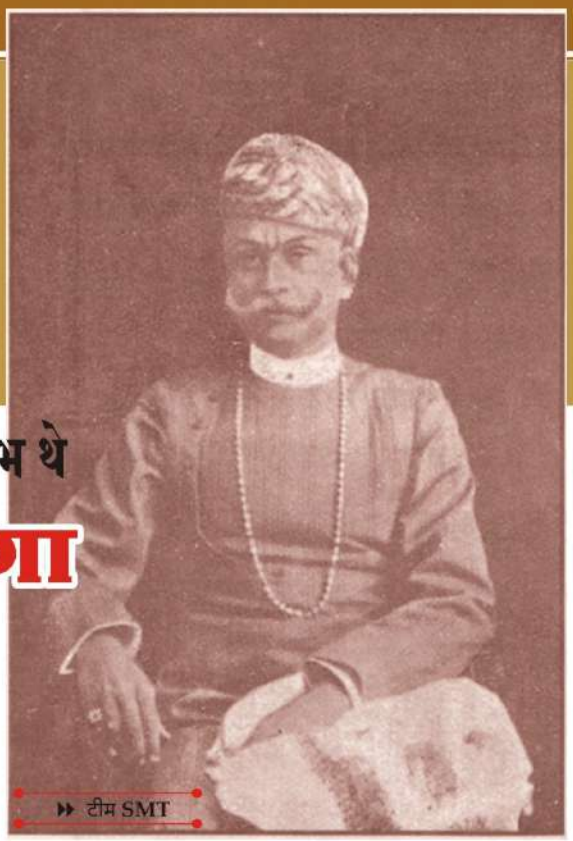

टीम SMT

कोलकाता के विकास के आधार स्तंभ थे
नवलकिशोर डागा

डागा परिवार वैसे तो राजस्थान के डीडवाना का मूल निवासी रहा है। इनके ही पूर्वज लगभग 300-400 वर्ष पूर्व यहां से भागलपुर स्टेट के देरावर चले गए। इसी वंश में सेठ रामचंद्रजी हुए जो भागलपुर के नवाब के दीवान थे। नवाब मुस्लिम थे फिर भी वे रामचंद्रजी का इतना सम्मान करते थे कि उन्होंने उनके हिंदू संस्कारों के पालन की विशेष व्यवस्था कर रखी थी। उनकी पूजा के दौरान किसी भी मुस्लिम के उनके निकट जाने तक की मनाही थी। ऐसी स्थिति सेठ रामचंद्रजी डागा के योगदानों के कारण थी। जिनसे प्रभावित होकर विधर्मी नवाब भी उनका विशेष सम्मान करते थे।

सेठ रामचंद्रजी के पौत्र के रूप में जन्म

सेठ रामचंद्रजी के यहां सन् 1837 में जुगलकिशोरजी का जन्म हुआ। वे चार भाई थे। आप अल्प शिक्षित थे फिर भी आपने अपनी फर्म की मद्रास, खामगांव, कोलकाता तथा अमृतसर में शाखाएं स्थापित कीं और अपने बैंकिंग व्यापार का अच्छा विस्तार किया। सेठ जुगलकिशोरजी के यहां सेठ नवलकिशोर डागा का जन्म सन् 1861 में हुआ। मात्र 20 वर्ष की अवस्था में ही वे कोलकाता आ गए और अपनी फर्म का काम सीखा। फिर आप मद्रास फर्म पर चले गए। यहां दो वर्ष सफलतापूर्वक बैंकिंग व्यापार किया। फिर जब यहां के व्यापारिक जगत में भारी गिरावट आने लगी तो यहां से अपना व्यापार समेटकर कोलकाता चले गए। यहां आपने अपने व्यापार का अच्छा खासा विस्तार किया।

बैंकिंग व्यापार से तय की ऊंचाई

सेठ नवलकिशोर जी कोलकाता के व्यापारी जगत में तो अपने बैंकिंग व्यवसाय से अपनी एक विशेष साख रखते ही थे, माहेश्वरी व मारवाड़ी समाज में भी आपकी विशेष प्रतिष्ठा थी। आपने बाहर से यहाँ आने वाले समाजजनों को यहां स्थापित करने में भरपूर सहयोग प्रदान किया। इसके लिए सेठ नवलकिशोर डागा की धर्मशाला के नाम से निर्मित भवन यहां व्यापार के लिए आने वालों के लिए सबसे सुविधाजनक व गरिमामय आवास स्थल था। इस शहर की यह सर्वप्रथम धर्मशाला थी। आप व्यापार के साथ धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों में तन-मन-धन से सहयोग दे रहे थे।

कई भव्य भवनों की सौगात

ऐसे समय में जब कोलकाता में अंग्रेज सरकार के बड़े अधिकारियों के ही भव्य भवन होते थे, सेठजी ने कोलकाता को कई भव्य भवनों की सौगात दी और माहेश्वरी गौरव का परचम फहराया। इनमें शहर की सर्वप्रथम 'सेठ नवलकिशोर डागा की धर्मशाला' तो शामिल थी ही साथ ही सामाजिक तौर पर जैसीडीह के मारवाड़ी सेनीटोरियम में एक भव्य कोठी बनवाकर भी प्रदान की। इसके अतिरिक्त स्वयं के निवास के लिए शहर में दो ऐसी भव्य कोठियों का भी निर्माण किया, जो लंबे समय तक शहर की शान रत्नों की तरह बढ़ाती रही। सेठ नवलकिशोरजी द्वारा प्रारंभ यह सौगात देने की यात्रा उनके बाद भी थमी नहीं। उनके ही परिवार के शिवकिशन डागा ने मार्बल हाउस जैसे भव्य भवन की सौगात भी शहर को दी थी। स्वयं सेठीजी के पुत्र मदनगोपाल डागा ने गणेश भवन व गणेश टाकी जैसे भव्य भवनों की सौगात दी थी।

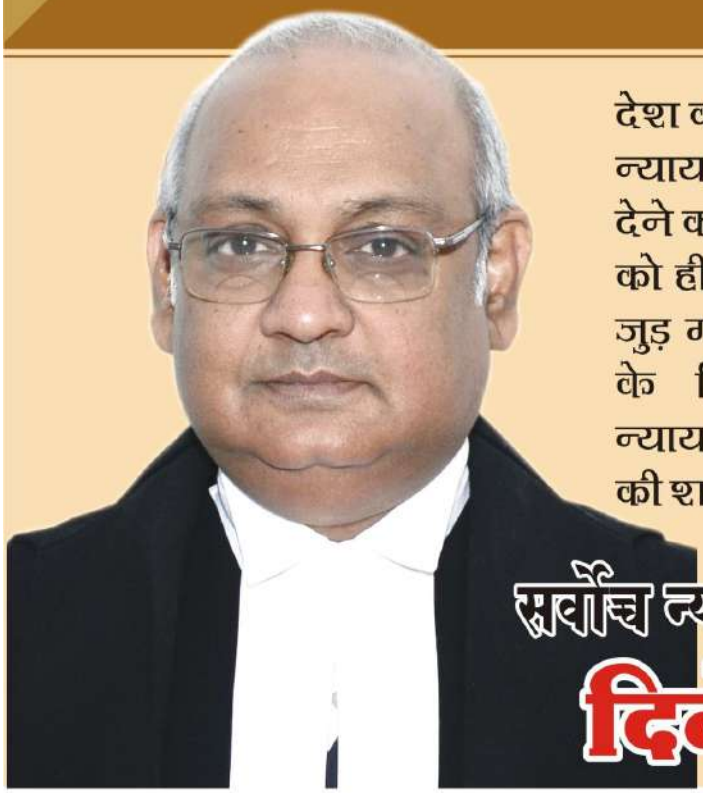

देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था सर्वोच्च न्यायालय को न्यायाधीश के रूप में सेवा देने का सर्वाधिक गौरव माहेश्वरी समाज को ही प्राप्त है। इसमें अब एक और नाम जुड़ गया है। गत दिनों माहेश्वरी समाज के दिनेश माहेश्वरी ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ ग्रहण की।

▸▸ टीम SMT

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने दिनेश माहेश्वरी

यह अत्यंत गर्व की बात है कि माहेश्वरी समाज के कई कानूनविद् देश की न्यायापालिका की सेवा कर चुके हैं व कर भी रहे हैं। इनमें एडवोकेट आदि के रूप में तो वे सेवा दे ही रहे हैं, स्थानीय कोर्ट से लेकर डिस्ट्रिक्ट, हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक में न्यायाधीश के रूप में सेवा देने में भी समाज अग्रणी ही रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आरसी लाहोटी के सेवानिवृत्त होने के बाद एक रिक्तता उत्पन्न हो गई थी, लेकिन गत 18 जनवरी 2019 को दिनेश माहेश्वरी ने वहां न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ ग्रहण कर पुनः इस कमी की पूर्ति कर दी। न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी की नियुक्ति कोलेजियन ने उनके अनुभव के आधार पर की है। इससे पूर्व श्री माहेश्वरी कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे।

कानूनविद् परिवार में लिया जन्म

न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी का जन्म 15 मई 1958 को राजस्थान हाईकोर्ट के ख्यात कानूनविद् जोधपुर निवासी श्री रमेशचंद्र माहेश्वरी व रुक्मिणी माहेश्वरी के यहां हुआ था। अतः कानून के प्रति रुझान बचपन से ही रहा। श्री माहेश्वरी ने राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर के प्रतिष्ठित महाराजा कॉलेज से बीएससी ऑनर्स भौतिक विषय में किया। वैसे तो उनकी दिशा अब विज्ञान हो गई थी, लेकिन कानून की शिक्षा के प्रति उनका लगाव थम नहीं पाया। बस उन्होंने आगे की शिक्षा की दिशा को कानून की ओर मोड़ दिया और वर्ष 1980 में जोधपुर यूनिवर्सिटी से कानून में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 8 मार्च 1981 से एडवोकेट के रूप में रजिस्टर्ड होकर जिला व हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने लग गए।

ऐसे चली उनकी शिखर यात्रा

श्री माहेश्वरी प्रारंभ से ही सिविल, संवैधानिक तथा कंपनी मामलों के विशेषज्ञ रहे हैं। अतः उनकी विशेषज्ञता से उनकी ख्याति बढ़ती ही चली गई। उन्होंने राजस्थान सरकार के कई विभागों, जोधपुर नगर निकाय, ट्राइबल एरिया डिवलपमेंट को-ऑपरेटिव फाउंडेशन, अर्बन इम्प्रवमेंट ट्रस्ट सहित विभिन्न बैंक, आईल कंपनी, स्वशासी निकाय, बोर्ड व निगम आदि को अपनी सफलतापूर्वक सेवा दी। उनकी उपलब्धियों तथा 23 वर्ष के प्रैक्टिस के अनुभव को देखते हुए 2 सितंबर 2004 में राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त किए गए। बस यहां से न्यायाधीश के रूप में उनकी सेवा यात्रा प्रारंभ हो गई।

कई हाईकोर्ट में दी सेवा

न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद तक पहुंचने की इस यात्रा में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। उनकी प्रथम नियुक्ति तो राजस्थान हाईकोर्ट में हुई, फिर 2 मार्च 2015 को वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में आपका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में हो गया। इसके पश्चात 24 फरवरी 2016 को मेघालय हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ ली। यहां से स्थानांतरण के पश्चात आपने 12 फरवरी 2018 को कर्नाटक हाईकोर्ट के 30वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण की। यह हाईकोर्ट में उनकी अंतिम सेवा थी। इसके पश्चात गत 18 जनवरी को आपने देश की शीर्ष न्यायापालिका सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण की है।

पूरा परिवार ही कानून के पथ पर

पैतृक माहौल का असर क्या होता है, यह श्री माहेश्वरी के यहां स्पष्ट दिखाई देता है। स्वयं श्री माहेश्वरी भी यदि इस क्षेत्र में पैतृक माहौल से आए तो आज उनका पूरा परिवार भी उनके ही नक्शेकदम पर चल रहा है। श्री माहेश्वरी का विवाह 1982 में सुमन माहेश्वरी से हुआ था, जो स्वयं भी एलएलबी हैं और कुछ समय प्रैक्टिस भी कर चुकी हैं। अब परिवार में दो पुत्र हैं। पुत्र दिव्येश जयपुर में एडवोकेट के रूप में प्रैक्टिस कर रहे हैं। छोटे पुत्र मुकेश जोधपुर से एलएलबी कर रहे हैं। जस्टिस माहेश्वरी काउंसलिंग ऑफ राजस्थान के दो बार आमंत्रित सदस्य भी रह चुके हैं। व्यक्तिगत रूप से वे क्रिकेट तथा बैडमिंटन खेलने के शौकीन हैं।

आपके शानदार कॅरियर के सहयोगी

सफल कौन नहीं होना चाहता? हर किसी का यही सपना होता है और इसके लिए वह पूरी कोशिश करता है। इसके साथ ही इस मामले में एक प्रभावी प्रयास और है, वास्तु। वास्तव में यह कोई जादू नहीं है, बल्कि वह वैज्ञानिक विधि है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का विकास कर सकते हैं। आईये जानें कुछ अत्यंत आसान उपाय।

▸▸ ऐश्वर्या राठी, कोलकाता

हर युवा अपने लिए किसी शानदार कॅरियर का सपना देखता ही है। वह इस सपने को साकार करने के लिए हर तरफ का प्रत्यन करता है, लेकिन इसके लिए जैसी तैयारी और जैसे माहौल की जरूरत होती है, कई लोग उसे जुटा नहीं पाते। कई युवा बहुत मेहनत के बाद भी कहीं ना कहीं चूक जाते हैं। इस समस्या में एक कारण ये भी होता है, कि जहां वे तैयारी कर रहे होते हैं, वहां की एनर्जी वैसी नहीं होती। वास्तु और एनर्जी बैलेंस ऐसा विज्ञान है जो हमारे आसपास के वातावरण को हमारी सफलता के लिए तैयार करता है। घर की सुख-शांति से लेकर कॅरियर में सफलता तक हर जगह वास्तु की कुछ बातों का ध्यान रखें तो यह आपकी उन्नति में बहुत मददगार सिद्ध हो सकती है। कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन में से कोई एक घर में जरूर रखें। ये नकारात्मकता को खत्म कर आपके आसपास सकारात्मक का माहौल बनाती हैं। यह सकारात्मकता आपको सफल बनाने में अत्यंत सहायक होती है।

इन्हें अवश्य रखें घर के अंदर

वीणा

यह देवी सरस्वती की सबसे प्रिय वस्तुओं में से एक है। वीणा को बहुत पवित्र माना जाता है और इसे वास्तु विधान से घर में रखने से सुख-शांति का माहौल बना रहता है। इससे हमारी रचनात्मकता बढ़ती है। वीणा से होने वाली आवाज माहौल को हल्का और ऊर्जा से भरपूर बनाती है।

हंस की तस्वीर या शो पीस

हंस देवी सरस्वती का वाहन है। जिसके कारण इसे शुभ माना जाता है। हंस की तस्वीर या शोपीस घर के ऐसे हिस्से में रखना चाहिए जहां हम अधिकतम समय रहते हैं। इससे परिवार में सद्बुद्धि व शांति बनी रहती है। अपने कार्य पर ध्यान सदैव केंद्रित रहता है।

मोर पंख

यों देखा जाए तो मोरपंख को सजावटी सामग्री के अंतर्गत रखा जाता है, लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है। वास्तव में मोरपंख देवी देवताओं से संबंधित है। इसे घर में रखना बहुत ही अच्छा माना जाता है। मोर पंख को घर के मंदिर में और बच्चों के कमरे में वास्तु विधि से रखना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न नहीं हो पाती है।

सरस्वती की मूर्ति या तस्वीर

देवी सरस्वती को विद्या की देवी माना जाता है। उनकी मूर्ति विधि विधान से घर में रखने से और रोज उसकी पूजा करने से जीवन में सफलता और तरक्की मिलती है। यह न सिर्फ वास्तु के कारण बल्कि धार्मिक आधार पर भी श्रेष्ठ है।

अगले लोकसभा चुनावों में सवर्ण मतदाताओं की कोहनी पर गुड़ लगाते हुए माननीय प्रधानमंत्री मोदीजी ने गरीब सवर्णों के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की घोषणा कर उन्हें रिझाने की कोशिश की है। हाल ही में तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा की हार में कतिपय, मार्जिनल सवर्ण मतदाताओं की नाराजगी ने इस हार में अहम भूमिका अदा की थी। भाजपा ने इन कारणों को स्वीकारा है, यह आरक्षण इस कमी की क्षतिपूर्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी हो सकता है।

निर्धन सवर्णों को कोहनी पर गुड़ सवर्ण आरक्षण

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर

देखने में लुभावनी दिखने वाली यह चुनावी सर्जिकल स्ट्राइक दूर की गोटी तो है ही, उस मृगमरिचिका की तरह भी है जो मृग को लुभाती तो है, प्यास नहीं बुझाती। आज देश में रोजगार की विषम स्थिति से हम सभी परिचित हैं। बांस होगा तो बांसुरी बजेगी। दूसरे इस वर्ग में सवर्ण हिंदुओं के साथ मुसलमान, सिख, ईसाई सभी जोड़ दें तो तीस से पैंतीस करोड़ का इतना बड़ा तबका कवर होगा कि वस्तुतः न्याय मिलना ऊँट के मुंह में जीरे जैसा होगा। निर्धन आर्थिक आधार के लिए बनाई गई आठ लाख की सीमा रेखा भी बहुत अधिक है विशेषतः जब वर्तमान में आयकर सीमा 2.5 लाख है। गांव-कस्बों-शहरों में भी यद्यपि इस आय सीलिंग के साथ यह भी कहा गया है कि गांव में पांच एकड़ से कम खेती की जमीन हो, एक हजार वर्गफुट या इससे कम मकान हो। कस्बों में दो सौ वर्ग गज अथवा उससे कम जमीन हो तथा शहरों में 100 वर्ग गज या उससे कम जमीन हो तथापि इस बात की बहुत संभावना है कि इस आय आधार का सर्वथा दुष्प्रयोग होगा क्योंकि गांव व कस्बों में अधिकांश आय रोकड़ मद में आती है जिसका सही आकलन लगभग असंभव है। मेरे मत में यह आय सीमा अगर दो लाख अथवा उससे नीचे होती तो अधिक उचित होता।

हितकर या देश के साथ छलावा

राजनीतिक पार्टियों ने चाहे वह भाजपा हो अथवा कांग्रेस अथवा कोई अन्य पार्टी, तरह-तरह के आरक्षण का ऐसा खेल खेला है कि देश वर्ग दर वर्ग विभक्त होता जा रहा है। जातियों के खेल को आगे बढ़ाकर अब इसे गरीब-अमीर का खेल भी बना दिया गया है। देश आम रियाया के पुरुषार्थ, बौद्धिक कौशल एवं आत्मबल से ऊपर उठता है लेकिन निर्णय चाहे कर्ज माफी का हो अथवा आरक्षण का, राजनेताओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि यहां हर आगे बढ़ने वाला, पुरुषार्थ करने वाला, उद्योग कर टैक्स देने वाला, समय पर किश्त चुकाने वाला व्यक्ति निरानिपट मूर्ख है। ऐसे में धीरे-धीरे अब आर्थिक रूप से सक्षम सवर्ण भी कुंठित होने लगा है। सभी 'लूट सके तो लूट' वाली तर्ज पर राष्ट्रीयता एवं देशप्रेम के भाव को दरकिनार कर धन बटोरने में लग गए हैं। बैंकों का अनुदिन बढ़ता एनपीए इस तथ्य को सिरे से सिद्ध करता है। ऐसे में देश में कई अन्य माल्या पैदा हो जाएं तो मुझे अचरज नहीं होगा। भारत-पाकिस्तान होकर तो यह देश मात्र दो भागों में बंटा, वोटों की गणित एवं आरक्षण ने इसे खंड-खंड बांट दिया है एवं इस खेल के रुकने की आगे दशकों तक कोई संभावना नजर नहीं आती।

दिनोंदिन गंभीर हो रही समस्या

संभव है यह बिल राज्यसभा एवं आगे विधानसभाओं में भी पारित हो जाए लेकिन सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस बिल के क्लीयर होने की संभावना अत्यंत कम है एवं वहां भी लगता है आर्थिक आधार का आकलन अहम मुद्दा बनेगा। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण के लिये नियत तय सीमा पचास प्रतिशत भी इस बिल को अनुमोदित होने से रोकेगा। अगर यह सीमा वोटों की गणित सिद्ध करने के लिये समय-समय पर आगे और मदों में भी बढ़ाई गई तो यह अस्त्र बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा होगा एवं इससे जाने कौन, कब देश के विकास एवं पुरुषार्थ के उत्साह का गला काट दें। एक बार परिणाम मिलने पर राजनेता पुनः इस ओर लपकेगा। यह स्वाभाविक है। मुझे एक प्रसंग याद हो आया है। अभी कुछ दिन पहले एक लड़का एक वृद्धाश्रम में अपनी बूढ़ी मां के पास आया, उससे मीठी बातें की एवं देखते-देखते उसकी तीन चुड़िया उतारकर ले गया। लोग दौड़े आए तो मां ने सांत्वना दी, उसे पकड़ो मत वह पुनः आयेगा क्योंकि एक चूड़ी रह गई है। आरक्षण का यह बाकी बचा शेष उस लड़के की तरह राजनेताओं का ध्यान अवश्य आकृष्ट करेगा।

देश के विकास की चिंता नहीं

देश की ज्वलंत समस्याओं से ध्यान हटाने के लिये ऐसे मुद्दे अत्यंत कारगर होते हैं। आज देश में करोड़ों बेरोजगार हैं। जनसंख्या अनुदिन बढ़रही है एवं अलार्मिंग स्टेज पर आ गई है। व्यावसायिक मंदी ने महाजनों की कमर तोड़ दी है। देश अभी भी नोटबंदी, जीएसटी के इम्पैक्ट से उभरा नहीं है, सभी सुधारों को पचाने के लिए समय चाहिये एवं होना तो यह चाहिये कि हम इस ओर अधिक ध्यान देते लेकिन हर दिन दर एक राजनीतिक पार्टी द्वारा छोड़ा शगूफा दर शगूफा मूल मुद्दे से जनता का ध्यान हटाता है एवं इन शगूफों का लुभाया मतदाता पुनः आशा की हांडी पेड़ पर लटकाकर बीरबल की खिचड़ी पकाने लग जाता है जो न कभी पकी है, न पकेगी। आज राहुल गांधी राफेल की बात कर रहे हैं, पता नहीं वे सत्ता में आकर सिद्ध कर सकेंगे अथवा नहीं। मोदीजी ने गत चुनावों में राहुल एवं कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के जो आरोप लगाये क्या वे सिद्ध कर पाये? शायद एक भी नहीं। इस देश में सकारात्मक मुद्दों पर कब पहल होगी, विकास कब मुद्दा बनेगा? आज देशभर में राजनेताओं को लेकर ऐसी ओछी क्लिप्स नित्य देखने को मिलती हैं कि इन्हें देखते-देखते राजनेताओं की छवि छिन्न-भिन्न हो गई है। क्या यह ट्रेंड रुकना नहीं चाहिए? क्या कभी हम सोचते हैं यह बातें राष्ट्रहित के कितने प्रतिकूल हैं?

खुश रहें... खुश रखें...

हार की संभावना से बचाती है परिवार की ताकत

काम नहीं करने के सबके पास अपने-अपने बहाने होते हैं। एक बार मैंने एक महीने के लिए एक प्रयोग किया। जब भी मैं किसी से मिलता था और मुझे लगता था कि ये बहाने बना रहे हैं तो मैं नोट कर लेता था। एक माह बाद मैंने हिसाब लगाया था कि कितने किस्म के बहाने लोग बनाते हैं।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

सबसे अधिक बहानों में था, परिवार। उसके बाद समय और उसके बाद स्वास्थ्य। इन्हीं तीनों की आड़ में लोग अपने निकम्मेपन को छिपाते हैं। कई लोगों का तो मानना है कि भौतिक प्रगति में परिवार एक बाधा है। अब तो परिवार इतने सिमट गए हैं कि लोग छोटे को भी बाधा मानते हैं और संयुक्त परिवारों को भी दोष देते हैं। कई लोग अपने पारिवारिक दायित्व के कारण आगे नहीं बढ़पाते, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि परिवार को दोषी बताया जाए। परिवार को केंद्र में रखकर अपनी प्रगति के क्षेत्र बदले जा सकते हैं।

जैसे देखा जाता है कि बूढ़े माता-पिता या अन्य भाई-बहनों की जिम्मेदारी होने पर कुछ लोग अपने नगर से बाहर नहीं जा पाते और फिर जीवनभर मन ही मन दुखी होते रहते हैं, लेकिन ऐसे भी लोग देखे गए हैं जिन्होंने जिम्मेदारियाँ पूरी निभाई और अपने कॅरियर में आगे भी बढ़े। दरअसल, परिवार को ताकत मानने के लिए परिवार में रहने का तरीका थोड़ा बदलना होगा। परिवार कमजोर बनता है, जब सदस्यों में अहंकार आ जाता है। एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि हर मनुष्य में कुछ हिस्सा पशुओं का होता है और कभी-कभी वह वैसा आचरण करता भी है। पशु तुल्य होना एक दोष है, लेकिन पशुओं की एक खूबी है कि उनमें 'मैं' नहीं होता। घर में रहते हुए हम इस 'मैं' विहीन पशु-भाव को बनाए रखें। हमारा यह जंगलीपन परिवार को हमारी ताकत बना देगा। जिसके साथ परिवार की ताकत है, उसके हारने की संभावना सदैव कम रहेगी।

खाना-खजाना

बाजरे की खिचड़ी

बाजरे की खिचड़ी बड़ी स्वादिष्ट बनती है और बहुत पौष्टिक भी होती है। इसे सर्दियों में खाया जाता है तो क्यों ना आप भी ठंड में मनमोहक सुगंध वाली बाजरे की खिचड़ी के स्वाद का मजा लें।

जरूरी सामग्री : बाजरे की मिगी-200 ग्राम, मूंग की दाल-150 ग्राम, घी-2 टेबल स्पून, हींग- 1 पिंच, जीरा-1 छोटी चम्मच, हरी मिर्च-2 (बारीक कतरी हुई), अदरक-1 इंच का लंबा टुकड़ा (बारीक कतरा हुआ), हल्दी पाउडर-आधा छोटी चम्मच, हरी मटर के दाने-1 छोटी कटोरी (यदि आप चाहें), नमक-स्वादानुसार, हरा धनियां-1 टेबिल स्पून।

बनाने की विधि : बाजरे को अच्छे से साफ कर लें। इसमें थोड़ा सा पानी डालकर इसे गीला कर लें। अब बाजरे को खरल में डालकर तब तक कूटें जब तक इसकी सारी भूसी निकल ना जाए। बाजरे को अच्छे से छान-फटक करते हुए इसकी सारी भूसी को अलग कर दें और बाजरे की मिगी को अलग कर लें। अब एक कूकर में घी डाल कर इसे गरम करें। गरम घी में हींग और जीरा डाल कर हल्का सा भूनें। हरी मिर्च, अदरक, हल्दी और मटर के दाने डालें और 2 मिनट तक अच्छे से भून लें। तैयार किए मसाले में बाजरे की मिगी को धोकर डाल लें। इसे 2 से 3 मिनट लगातार चलाते हुए भून लें। दाल और बाजरे की कुल मात्रा का 4 गुना पानी लेकर कुकर में डाल लें और बंद कर दें। जब एक सीटी आ जाए तो आंच को धीमा कर दें और 5 मिनट तक खिचड़ी को इसी तरह पकने दें। 5 मिनट के बाद गैस को बंदकर दीजिए। जब कुकर की भाप खत्म हो जाए तो ढक्कन खोल लें। बाजरे की स्वादिष्ट खिचड़ी तैयार है। इसे बाउल में निकाल कर हरी धनिया डाल कर सजाएं। गरमा-गरम खिचड़ी का मजा दही, अचार या चटनी के साथ लें।

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

झंझट री मायानगरी

खम्मा धणी सा हुक्म...आज हर इन्सान सबसुं ज्यादा किण चीज सूं दुर भागे? हुक्म झंझटों सूं। एक नौकरी पेशा वालों चाह्वे कि नौकरी में झंझट न हो.... गृहस्थ चाह्वे कि परिवार में कोई झंझट न हो, सब प्रेम सूं रेहवे। किसान चाह्वे फसल री उपज ढंग सूं हु जावें कोई झंझट न आवे। नौजवान चाह्वे एक अच्छी नौकरी मिल जावे और एक अच्छी जीवन संगिनी। यानी कोई भी झंझट नहीं चाहवें। पर हुक्म कांई नेता और ...सरकार कांई तो याही चाह्वे कि कोई झंझट न .... जी नही हुक्म .... सत्ता चाहवे कि जनता झझंट में पड़ी रेहवे ताकि उन्हें सरकार सूं मागंण व शिकायत री फुर्सत हीं नहीं मिले।

हुक्म मैं सबूत रे साथे बताऊ कि आपा वर्तमान सरकार ने ही देखला नरेन्द्र भाई मोदी! जी हां.... आपा भाजपा सरकार री ही बात कर रिया हां जिणमें नरेन्द्र भाई मोदी मुखिया है अमित बाबू सेनापति! बाकि सब तो प्यादे रे समान है। अब मुखिया और सेनापति यो ठान लियो कि जनता ने कुछ मागँण रो मोको ही मत दो जो कुछ वाणे कने है वे उनेहीं बचावण में उलझीयोड़ा रेहवे।

जण जनता वादे के मुताबिक पंद्रह लाख वाली बात उठाई तो मोदी भाई नोट बंदी लगादी। सारा देशवासी आपरी बचत बचावण और नोट बदलावण में उलझ ग्या। रोटी पाणी तक भुल गया बस एक ही बात दिमाग में कि पुराणा नोट अगर घरे रे ग्या तो रद्दी रे भाव बिकेला। हुक्म ज्यों ही जनता थोड़ी राहत री सांस ली ही थी कि मोदी भाई फेर एलान कर दियो कि अब बेनामी सम्पति वालों पर कहर फ़टेला, वो काम अब तक नहीं हुयो पर लोग सब आपरी बेनाम सम्पति ने ईनामदारी रो ठप्पो लागवण में उलझीयोड़ा रियाँ।

जनता इण खौफ सु ढंग सूं बाहर भी नही आई मोदी भाई एक और झटको लगा दियो **जीएसटी**! हुक्म सारा लोग बाजार में रिटर्न रो फार्म ढुढन में लाग ग्या! मोदी भाई कर्मचारियो रो रिटायरमेंट साठ री बजाय अठावण कर दियो! अब दो साल री नौकरी पर भी लात! किसान ज्यादा बोल रिया तो मोदीजी बोलया कि अब खेती पर भी इन्कमटेक्स लाग सके! बेचारी जनता ने तो देश रे बारे में सोचण री फुर्सत ही नही राखी उल्टो उलझा दियो!

अब आपही बताओ सा कि कोई कई खाने ने नई मांग कर सके! जय हो मोदी भाई!

मुलाहिज़ा फरमाइये

मैं इत्र से महकूँ ये आरज़ू नहीं...
कोशिश है मेरे किरदार से खुशबू आये !!

दर्द दुल्हन का किसी ने समझा ही नही साहब...
हिचकियाँ खो गयी शहनाइयों की आवाज़ में..

नफ़रत करना तो कभी सीखा ही नहीं जनाब,
हमने दर्द को भी चाहा है अपना समझ कर।

लोग इन्तज़ार करते रहे,
कब टूट कर बिखरेंगे हम पर हम पानी है,

पत्थर पड़ते गये हम ऊपर उठते गये।
कलम थी जब तलक मेरे पास हर शब्द बेचैन था -

- किताब बनी तो खामोश हर किरदार था !!
दस्तक और आवाज तो कानों के लिए है,

जो रुह को सुनाई दे उसे खामोशी कहते हैं,
मत रखा करो कभी बहीखाता जज्बात का...

ये छलकते हुए बेहिसाब ही अच्छे है...
ज़माना कुछ भी कहे उसका एहतेराम ना कर...

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन.: 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। अचानक यात्रा होगी भाग-दौड़ अधिक होगी। मनचाही वस्तु प्राप्त होगी। नये संबंध बनेगें। पिता से सहयोग मिलेका किंतु माता से वैचारिक मतांतर रहेंगे। खर्च बढ़ेगा, जीवन साथी से सहयोग प्राप्त होगा। विवाद से बचे। थोड़े प्रयास से उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। शुभ समाचार मिलेगा। दूसरों पर आंख बंद करके विश्वास न करें अपनो से विवाद होगा। संतान की ओर से परेशानी आयेगी। मित्र सहायक रहेंगे। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा।

वृषभ

यह माह आपको सरकारी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। परीक्षा में सफलता मिलेगी। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। उन्नति का अवसर मिलेगा। नये कार्य होंगे। शुभ समाचार प्राप्त होगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। मित्रों से सहयोग मन प्रसन्न रहेगा। भाग्योदय होगा। अदालती कार्यों में लाभ, मनोविनोद पर खर्च होगा। अपनो से अनबन होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। सम्पत्ति विवाद से दूर रहेंगे। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। रुका धन प्राप्त होगा।

मिथुन

यह माह धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। अपनो का सहयोग मिलने से खुशी होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। नए अवसर प्राप्त होंगे। राजकीय कार्य से लाभ होगा। श्रेष्ठजन से संपर्क बन जाने से लाभ परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। भाग-दौड़ अधिक बनी रहेगी। नये महेमान आने से खुश होंगे। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। लेन-देन में सावधान रहें। पारिवारिक प्रतिकूलता से परेशान रहेंगे। व्यापार में उतार-चढ़ाव व पारिवारिक विरोध बढ़ेगा। स्वास्थ्य में उदर-विकार से परेशान होंगे।

कर्क

इस माह शुभ समाचार मिलेगा। अधिकारी सहायक रहेंगे। जीवन साथी से मनमुटाव रहेगा। उन्नति मार्ग प्रशस्त होगा। वाद-विवाद एवं क्रोध से बचे हास-परिसार संग समय व्यतीत होगा। कूटनीति के प्रयोग से कई अधूरे कार्य पूरे होंगे। समय अनुकूल रहेगा। अतिथि का आगमन रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के सहयोग से रुके कार्य पूर्ण होंगे। यात्रा होगी, कर्ज लेंगे। मन परेशान रहेगा। संतान के कष्ट से परेशानी बनी रहेगी। आलस्य छोड़कर कार्य करें। मनोकांक्षा पूर्ण होगी।

सिंह

यह माह आपको व्यापार में उतार-चढ़ाव एवं भाग-दौड़ और खर्च की अधिकता बनी रहेगी। राज्य लाभ एवं मान-सम्मान बढ़ेगा। नये कार्यों से लाभ सरकारी व न्यायालीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। संतान सुख मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधन बढ़ेगे। भौतिक संसाधन खरीदेंगे। जमीन खरीद सकते हैं। धन लाभ होगा। रुका धन मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। नये कार्य के लिये कर्ज लेना पड़ेगा। शत्रुओं से सतर्क रहें। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। माता की सेहत खराब होगी। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या

यह माह सरकारी कार्य से लाभ अपनो का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में सुधार किन्तु व्यय की अधिकता रहेगी। भलाई के बदले बुराई ही मिलेगी। नए लोगों से भेंट होगी। मौज मस्ती में समय व्यतीत होगा। जल्दबाजी से कार्य करने में हानि होगी। जीवन साथी से विवाद दूर होंगे। शत्रु से सावधानी रखें। यात्रा होगी। प्रेम संबंध बिगड़ेंगे। पढ़ाई में बाधा आएगी। अचानक लाभ की स्थिति बनेगी।

तुला

यह माह आपके घर में सुख-साधान बढ़ेगे। जीवन में नया परिवर्तन आयेगा। भौतिक सुख बढ़ेगा। दौड़-धूप लगी रहेगी। संतान का सहयोग मिलेगा। स्त्री के संपर्क का लाभ जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। मित्रों से भेंट होगी। नये अवसर मिलेंगे। सम्पत्ति विवाद होगा। बड़े-बुजुर्गों की चिंता रहेगी। क्रोध से बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। सट्टे व लॉटरी, शेयर आदि से हानि उठाना पड़ सकती है। संतान की सफलता से मन प्रसन्न होगा। यात्रा सोच समझकर करें।

वृश्चिक

यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। आजीविका की समस्या हल होगी। जीवन में एक दिशा मिलेगीं। परिवार का सहयोग मिलेगा। संतान का कार्य हो जाने पर खुशी होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा। घरेलु उलझन से परेशानी बढ़ेगी। मानसिक तनाव होगा। शत्रु से सतर्क रहें।

धनु

यह माह आपके लिये उन्नति कारक रहेगा। धन लाभ शुभ समाचार मिलेगा। बड़ों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यापार में लाभ स्वजनों व प्रियजनों से मेलजोल बढ़ेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बढ़ेगी। हास-परिहास में समय व्यतीत होगा। भाग-दौड़ बनी रहेगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। राजकीय कार्य में सफलता, संपत्ति विवाद से परेशानी होगी। आर्थिक परेशानी से कर्ज लेना पड़ेगा। शत्रु से परेशानी मित्र सहयोग करेंगे। अपने परायों जैसा व्यवहार करेंगे।

मकर

इस माह में आपको उच्च शिक्षा प्राप्ति में सफलता मिलेगी, जीवन साथी का सहयोग, व्यापार में वृद्धि, परीक्षा या साक्षात्कार में सफलता एवं बौद्धिक विकास होगा। धन लाभ होगा। विरोधी कमजोर होंगे एवं प्रशंसा भी करेंगे। माता का आशीर्वाद मिलेगा। क्रोध से बचे व्यस्तता बढ़ेगी। व्यापार में सुधार एवं व्यय अधिक होगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। दैनिक कार्य अनुकूलता रहेगी। संतान की ओर से खुशी मिलेगी।

कुम्भ

यह माह आपके लिये शुभ फलदायक रहेगा। आराम मिलेगा। अनुकूल समय का लाभ उठाएंगे। आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। व्यापार की स्थिति सुधरेगी। परिवार एवं जीवन साथी के सहयोग से कार्य पूरे होंगे। वाहन योग बनते हैं बड़ों के सहयोग से कार्य बना लेंगें। नये कार्यों से लाभ शुभ समाचार मिलने से प्रसन्नता होगी। स्थान परिवर्तन, यश मिलेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता असवाधानी से चोट लग सकती है। सट्टा, लॉटरी व शेयर्स में धन न लगाऐं धार्मिक एवं शुभ कार्यों में व्यस्तता रहेगी।

मीन

इस माह समय अनुकूल रहेगा। आय में वृद्धि व पारिवारिक सुख के साथ नए अवसर प्राप्त होंगे। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। जल्दबाजी से बचे। दैनिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मनोविनोद में समय व्यतीत होगा। परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यस्त रहना लाभकारी होगा। भविष्य उज्जवल दिखाई देगा। श्रम की अधिकता बनी रहेगी। शत्रु से परेशानी बनी रहेगी। जीवन साथी की चिंता रहेगी। अपनी सहेत का भी ध्यान रखना पड़ेगा। प्रिय वस्तु खोने से मानसिक तनाव बना रहेगा।

नहीं रहे मानवता के पुजारी

श्री घनश्यामदास सारड़ा

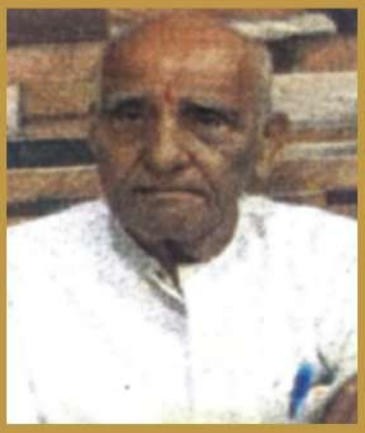

अमरावती निवासी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री घनश्यामदास सारडा नहीं रहे। उन्हें सभी स्नेहीजनों ने गत 3 जनवरी 2019 को अंतिम विदाई दी। आईये डालें उनके कृतित्व पर एक नजर अमरावती के ख्यात चिंतक श्यामसुंदर टावरी की जुबानी।

जीवन के कर्ममय 91 वसंत पूरे कर 92वें वर्ष में प्रवेश करने पर भी उनमें 25/50 वर्ष पूर्व सा जोश, उत्साह स्फूर्ति, निर्णय क्षमता थी, तो याददाश्तात में भी कमी नहीं आई थी। ईश्वर से उन्हें इसका वरदान मिला था। युवा की तरह अंतिम क्षण तक सक्रिय रहे। ऐसा ही एक असाधारण व्यक्तित्व, हमारे वरिष्ठ मार्गदर्शक श्री घनश्यामदास सारडा गत 3 जनवरी 2019 को ब्रह्म मुहूर्त में हमसे बिछुड़ गए। स्व. श्री सारडा का सभी जाति, संप्रदायों में निकट का संपर्क रहा। स्वयं परम वैष्णव थे। राजस्थानी समाज के साथ ही सिंधी, गुजराती और महाराष्ट्रीयन समाज के लोग भी उन्हें पितृतुल्य मानते थे। सभी ने उन्हें अश्रुपूर्ण अंतिम विदाई दी।

पैतृक व्यवसाय को दी ऊंचाई

उनका पुश्तैनी कपड़ा व्यवसाय था। प्रापर्टी व्यवसाय में तो दो दशक पूर्व ही प्रवेश किया। श्री सारडा की स्कूली शिक्षा हिंगनघाट में हुई। फोटोग्रॉफी, जीप गाड़ी चलाना और परिचय निकालने का हुनर उनमें शुरू से ही था। सभी तरह के व्यंजन उन्हें प्रिय थे। पत्नी, पुत्र पुरुषोत्तम व पुत्रियां पुष्पा और रजनी के साथ सन 1963 में अमरावती स्थानांतरित हो गए। चूंकि इचलकरंजी के मिल मालिकों से घनिष्ठ संबंध थे, अतः पुनः कपड़े की दलाली का व्यवसाय यहां भी शुरू कर दिया। इसमें शून्य से प्रारंभ कर शिखर तक पहुंचे और अपनी एक स्वतंत्र प्रतिष्ठा कायम की। पिछले दो दशकों से पौत्र शांतिकुमार के साथ प्रापर्टी व्यवसाय भी कर रहे थे। पुत्र पुरुषोत्तम का कपड़ा व्यवसाय जारी रहा। प्रापर्टी व्यवसाय में भी अपनी एक अलग पहचान और प्रतिष्ठा अर्जित की।

विषमताओं से भी हार नहीं मानी

मेरी दादीजी और घनश्यामदासजी की दादीसास सगी बहनें दीं। चूंकि मेरे पिताजी जब तीन वर्ष के थे तभी उनके माता-पिता का स्वर्गवास हो गया था। अतः मौसीजी के पास मलकापुर के चांडक परिवार में ही वे पले बढ़े और टावरी परिवार से अधिक संबंध चांडक परिवार से बन गए। मेरे पिताजी घनश्यामदासजी सारडा को अपना ज्येष्ठ जवांई मानते थे। सारडाजी ने भी उन्हें सदैव काकाश्वसुर का सम्मान दिया। हम दोनों में साले बहनोई का पूर्व से संबंध रहा। किंतु हम सन 1961 में अमरावती आए और सारडाजी सन 1963 में अतः घनिष्ठता और बढ़ गई। जीवन में सबकुछ अच्छा ही नहीं होता। उन्हें हिंगनघाट में सबकुछ छोड़कर अमरावती 1963 में आना पड़ा। दूसरा आघात पहुंचा जब हमारी बहन सारडाजी की धर्मपत्नी सूरजदेवी असमय सन 1981 में केवल 50 वर्ष की उम्र में ही स्वर्ग सिधार गईं। तब से वे 36 वर्षों का विधुर जीवन बीता रहे थे। तीसरा बड़ा आघात पहुंचा जब उनकी प्रपौत्री विवाह के आठ वर्ष बाद ही विधवा हो गई। अतः श्री घनश्यामदासजी ने प्रपौत्री को उसके तीन छोटो बच्चों के साथ अमरावती स्थानांतरित किया। स्वत्रंत रहने की व्यावस्था कर आत्मनिर्भर किया।

समाज के लिए निःस्वार्थ समर्पित

बहनोईजी घनश्यामदास सारडा नैतिक मूल्यों तथा उसूलों के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने सच को सच कहने में संकोच नहीं किया। निर्भिकता और साफगोई के साथ समाज कार्य करने में हिंगनघाट से ही उनकी रुचि रही। वे अनेक संस्थाओं के आजीवन सदस्य रहे, पर पद, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि, पैसों के मोह से अलिप्त रहे। प्रतिकूलता के विरुद्ध लढ़ने वाले वे एक योद्धा थे। अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले, कइयों के प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शक और अपने परिवार के कमांडर रहे। उनकी जीवन शैली अनुशासित और संयमित रही। उनकी सेहत का राज था कम सोना और अधिक समय सक्रिय रहना। सुबह से चाय लेकर दिनचर्या शुरू हो जाती थी। पत्र व्यवहार, बहीखाते देखना, हिसाब करना, सगाई संबंध तय करने फोन करना, आए फोन लेना और भोजन कर अपना बस्ता लेकर घर से निकलकर देर रात्रि तक व्यस्त रहते। फिर भी मेरे पास समय नहीं, ऐसा उन्होंने कभी नहीं कहा।

श्री गणेशय नमः

फोन–07412-231190, 241190
मो.–94794-23690, 62608-677822

न्यू सुपर मोटर ट्रांसपोर्ट सर्विस

डेली सर्विस– मध्यप्रदेश–गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हैदराबाद, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, ऑल अवर इंडिया

लोकल– रेलवे हेण्डलींग एवं ट्रांसपोर्ट कांट्रेक्टर एवं कमीशन एजेन्ट हैं।

गाडियां– 1109, 1110, 1518, 1613, 1095, 407, 14 फीट गाडियों का परिवहन करते हैं।

बड़ी गाडिया – 10 चक्का (2515), 12 चक्का (3118), 14 पहिया (चक्का)(3518) इस प्रकार फूल लोडिग का काम करते हैं।

54, महू रोड, हीरो होण्डा शोरूम के पास इंडियन आईल पेट्रोल पम्प के पास रतलाम (मप्र)

श्रीमती उर्मिला माहेश्वरी

नईदिल्ली. दिल्ली डीजल व डी. के. ट्रेडर्स के संचालक ख्यात व्यवसायी व समाजसेवी अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व कार्यकारी मण्डल सदस्य रामकुमार माहेश्वरी की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला माहेश्री का गत 3 जनवरी को 70 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी के साथ ही स्व. श्रीमती माहेश्वरी भी समाजसेवी गतिविधियों में अग्रणी रहकर अपना योगदान प्रदान कर रही थीं। उनकी अंतिम यात्रा में शहर के कई व्यवसायी, समाजसेवी व समाजजनों ने उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किये। आप अपने पीछे दो देवर अशोक कुमार व शिवकुमार, पुत्र विनोद कुमार तथा आशीष, भतीजे राघव व वेदांत सहित पौत्र-पौत्री आदि का भरापुरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती मनभरी देवी साबू

अमृतसर. स्थानीय माहेश्वरी सभा के संस्थापक राधेश्याम साबू की माता व स्व. श्री राम साबू की धर्मपत्नी श्रीमती मनभरीदेवी साबू का गत 16 नवंबर को लुधियाना में 98 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री नंदलाल लखोटिया

बैंगलोर. समाज के 98 वर्षीय वरिष्ठ श्री नंदलाल लखोटिया का गत 21 दिसंबर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्रवधू सुरेश-शोभा लखोटिया, पौत्र रोहित व नीरज सहित प्रपौत्र-प्रपौत्री आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री सत्यनारायण राठी

भीलवाड़ा. बड़लियास मूल के आरसी व्यास कॉलोनी के गेट नंबर छह में निवासरत वरिष्ठ समाजजन श्री सत्यनारायण राठी का विगत 20 दिसंबर को असामयिक निधन हो गया। अंतिम संस्कार व उठावना में बड़ी संख्या में समाजसेवी उपस्थित हुए।

पैसा'
मानव इतिहास की
सबसे खराब खोज है...!
लेकिन
मनुष्य के 'चरित्र'
को
परखने की सबसे
विश्वसनीय सामग्री है

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

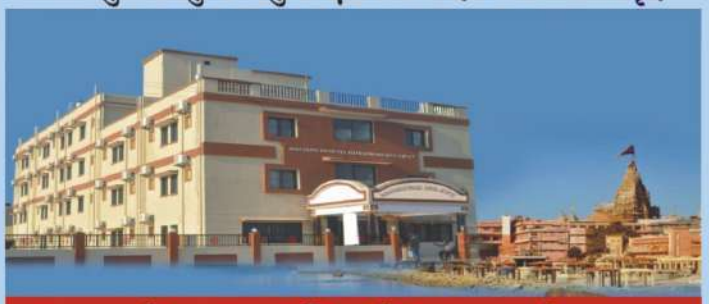

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com
आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

अब आपकी आवाज बनेगा आपका अपना रेडियो

महाकाल की नगरी उज्जयिनी से

पहला FM रेडियो

रेडियो दस्तक

90.8 FM

सुनेगा उज्जैन–बढ़ेगा उज्जैन

श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी अंक

मार्च–2019

समाज की नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

इसमें समाहित होगी समाज की महिलाओं की कहानी
जो अपनी ''ऊर्जा'' से किसी भी क्षेत्र में लिख रही हैं
'सफलता की कहानी'
यदि आपके परिवार या परिचित में
कोई ऐसी माहेश्वरी महिला हो तो आज ही हमें जानकारी भेजे.

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761, मोबाइल - 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

मध्यप्रदेश शासन

गणतंत्र दिवस

की
समस्त प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएँ

आइये, इस गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम
भारत के समरत नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक
और राजनैतिक न्याय दिलाने का प्रण लें और देश
के लोकतंत्र को और सशक्त बनाने में अपना योगदान दें।

कमल नाथ
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D17008

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 February 2019

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com